@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 8 अप्रैल 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 147 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

प्रदर्शन न कर पाने वाले कर्मचारियों को कुत्तों की तरह चलाया

कोच्चि, 7 अप्रैल। केरल में एक विपणन (मार्केटिंग) कंपनी पर आरोप लगा है कि उसने अपने कम प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों के साथ अमानवीय व्यवहार किया। आरोप है कि कंपनी ने कर्मचारियों को कुत्तों की तरह घुटनों पर चलने के लिए मजबूर किया गया और फर्श से सिक्के चाटने के लिए कहा गया। इस घटना के वीडियो फुटेज जैसे ही स्थानीय टीवी चैनलों पर प्रसारित हुए तो राज्य श्रम विभाग ने कार्यस्थल पर इस कथित अमानवीय उत्पीड़न की जांच का आदेश दिया। पुलिस और श्रम विभाग ने भी इन फुटेज की हकीकत का पता लगाने के लिए जांच शुरू की है। हालांकि, बाद में वीडियो फुटेज में दिख रहे एक व्यक्ति ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कंपनी में कोई उत्पीड़न नहीं हुआ था, जो वीडियो में दिखाया गया है, वह सही नहीं है। उस व्यक्ति ने कहा, मैं अब भी कंपनी में काम कर रहा हूं। ये वीडियो कुछ महीने पहले एक व्यक्ति ने जबरदस्ती बनाए थे, जो उस समय कंपनी का प्रबंधन था। उसे बाद में प्रबंधन से निकाल दिया गया था और अब वह इन वीडियो का उपयोग कंपनी के मालिक की छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए कर रहा है। उसने यह बयान पुलिस और श्रम विभाग को भी दिया। उसके बयान के बाद श्रम मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने घटना की जांच का आदेश दिया और जिला श्रम अधिकारी को तत्काल रिपोर्ट पेश करने को कहा। वीडियो में एक व्यक्ति को पट्टे से बंधा हुआ दिखाया गया, जो घुटनों के बल फर्श पर रेंग रहा था, जैसे वह कुत्ता हो। बाद में कुछ लोगों (जिन्हें कंपनी का कर्मचारी बताया गया) ने एक टीवी चैनल से कहा कि जो कर्मचारी अपने लक्ष्य हासिल करने में असफल रहते थे, उन्हें प्रबंधन ऐसी सजा देता था। पुलिस के मुताबिक, यह घटना कलूर में निजी विपणन कंपनी से जुड़ी है। पुलिस ने बताया कि उन्हें अब तक कोई शिकायत नहीं मिली है और कंपनी के मालिक ने आरोपों को खारिज किया है।

मोदी सरकार ने देश की स्वास्थ्य व्यवस्था को आईसीयू में पहुंचाया: मल्लिकार्जुन खरगे

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 7 अप्रैल। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर देश की स्वास्थ्य व्यवस्था को बदहाल करने का आरोप लगाया है। विश्व स्वास्थ्य दिवस के मौके पर उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक 2 मिनट 8 सेकेंड का वीडियो पोस्ट किया है। इसके साथ कांग्रेस अध्यक्ष ने लिखा, विश्व स्वास्थ्य दिवस पर ये जानना जरूरी है कि आखिर किस तरह मोदी सरकार ने देश की स्वास्थ्य व्यवस्था को आईसीयू में पहुंचाया है। इस वीडियो की शुरूआत में लिखा गया है, दवाई, इलाज पर महंगाई की भाजपाई गोली। इस वीडियो में मल्लिकार्जुन खरगे दावा किया है कि महंगे इलाज और कम सरकारी खर्च के आंकड़े सरकार के काम की गवाही दे रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष की तरफ से पोस्ट किए गए वीडियो में दावा किया गया है कि, 5 साल से देश की चिकित्सा मुद्रास्फीति 14त्न रही, जिससे इलाज कराने का खर्च अधिक बढ़ गया। इस अप्रैल से 900 जरूरी दवाइयों के दमा बढ़े हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट का हवाले देते हुए यह भी कहा गया है कि हर साल 10 करोड़ भारतीय महंगे इलाज की वजह से गरीबी की कगार पर पहुंच जाते हैं। इसके साथ ये भी कहा गया है कि, आम लोगों को स्वास्थ्य और जीवन बीमा के प्रीमियम पर 18त्न जीएसटी देना पड़ता है। उन्होंने चिकित्सा में उपयोग होने वाली

आवश्यक वस्तुओं पर लगे जीएसटी की ओर इशारा किया, जिसमें मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन, सर्जिकल आइटम, पट्टियां, व्हीलचेयर और सैनिटरी नैपकिन पर 12 से 18त्न जीएसटी लगाया जाता है। एक साल में ही अस्पताल में होने वाले खर्च में 11.35त्न की बढ़त हुई है, जिनमें एंजियोप्लास्टी का खर्च दोगुना और किडनी ट्रांस्प्लांट का खर्च तीन गुना हो गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 के तहत स्वास्थ्य के लिए जीडीपी का 2.5त्न खर्च होना था, लेकिन मोदी सरकार ने केवल 1.84त्न ही खर्च किया। उन्होंने केंद्र सरकार पर हमला करते हुए कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय का बजट पिछले पांच वर्षों में 42त्न कम हो गया है। उन्होंने खाली पदों की ओर इशारा करते हुए बताया कि भारत के 757 जिलों के 5,491 ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में लगभग 80त्न पद खाली पड़े हैं, जबकि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में 55त्न पद खाली हैं। खरगे ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) पर दो वर्षों की 65त्न राशि खर्च नहीं हुई है। साथ ही आयुष्मान योजना में घपलों का कैग ने पर्दाफाश किया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) ने दावा किया है कि 80त्न सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों में बुनियादी सुविधाएं नहीं है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर स्वस्थ रहने के महत्व को समझाते हुए कहा कि अच्छा स्वास्थ्य समृद्ध समाज की नींव होती है।

वक्फ कानून के खिलाफ याचिकाओं की सुनवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई सहमति

नई दिल्ली, 7 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के जज को केरल हाईकोर्ट भेजने की सिफारिश की है। अब सरकार की मंजूरी का इंतजार है। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता में कॉलेजियम की बीते महीने दो बैठकें हुईं और तीसरी बैठक बीती 3 अप्रैल को हुई। इन बैठकों में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के जज सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी को केरल उच्च न्यायालय भेजने की सिफारिश की गई है। सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर यह जानकारी दी गई है। सुप्रीम कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने उत्तर प्रदेश में दीवानी मामले को आपराधिक मामले में बदलने की आलोचना की। मामला नागरिक विवाद से जुड़ा है, जिसे उत्तर प्रदेश पुलिस ने धोखाधड़ी के तहत दर्ज किया, जो आपराधिक मामला बन गया। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर नाराजगी जताई और उत्तर प्रदेश पुलिस के डीजीपी और जांच अधिकारी से हलफनामा दायर करने को कहा है, जिसमें उन्हें बताना है कि सुप्रीम कोर्ट के पूर्व के आदेश का पालन क्यों नहीं किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर जल्द सुनवाई करने की सहमति जताई है।

वक्फ की संपत्तियों पर गैर-मुस्लिमों का भी अधिकार: आरिफ मोहम्मद खान

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 7 अप्रैल। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने संसद में पारित वक्फ संशोधन बिल का समर्थन करते हुए कहा कि गैर-मुस्लिमों का भी वक्फ की संपत्तियों में बराबर का हक है। उन्होंने शनिवार को पटना में कहा कि वक्फ की संपत्तियां अल्लाह की मानी जाती हैं। इसका इस्तेमाल गरीबों, जरूरतमंदों और जनहित के लिए होना चाहिए। अपने दावे को लेकर उन्होंने कुरान का हवाला देते हुए कहा कि इसमें दो तरह के जरूरतमंदों फकीर (मुस्लिम) और मिस्कीन (गैर-मुस्लिम) का जिक्र है। इसका अर्थ है कि वक्फ से लाभान्वित होने का अधिकार हर जरूरतमंद को है। उन्होंने पटना में वक्फ की तमाम संपत्तियों के बावजूद उस पर कोई अस्पताल या अनाथालय न होने को लेकर भी सवाल उठाया। बिल को लेकर जारी विरोध पर उन्होंने यह भी कहा कि भारत लोकतांत्रिक देश है। हर किसी को अपनी बात रखने

का अधिकार है। उधर, लखनऊ में ऑल इंडिया मुस्लिम महिला पर्सनल लॉ बोर्ड की अध्यक्ष शाइस्ता अंबर ने वक्फ बिल का समर्थन करते हुए कहा कि पिछली सरकारों और धार्मिक नेताओं को वह कदम उठाना चाहिए था जो अब सरकार ने उठाया है। उन्होंने सरकार से वक्फ बोर्ड के कामकाज में पारदर्शिता लाने और महिलाओं के अधिकारों को सुनिश्चित करने का आग्रह किया। इसी बीच, उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने कहा है कि संशोधन विधेयक का विरोध करने वाले गरीब मुसलमान नहीं, बल्कि राजनीतिक मुसलमान हैं।

ट्रंप ने भ्रम का पर्दाफाश किया: राहुल

नई दिल्ली, 7 अप्रैल। शेयर बाजार में जारी उथल-पुथल और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति इन दिनों लगातार चर्चा में है। इसी बीच लोकसभा में विपक्षी दल के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को टैरिफ नीति को लेकर डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने भ्रम का पर्दाफाश कर दिया है और अब हमें सच्चाई का सामना करना पड़ेगा। साथ ही उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए पोस्ट में पीएम नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा। अमेरिकी राष्ट्रपति की टैरिफ नीति का हवाला देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि ट्रंप ने भ्रम का पर्दाफाश कर दिया है। अब वास्तविकता का सामना करना होगा। पीएम मोदी कहीं नजर नहीं आ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत को अपने आर्थिक भविष्य के लिए केवल एक लचीली और उत्पादन-आधारित अर्थव्यवस्था बनाने का ही विकल्प है, जो सभी भारतीयों के लिए लाभकारी हो। राहुल गांधी ने पटना में संविधान सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के कदमों के कारण शेयर बाजारों में भारी गिरावट आई है।

एलपीजी गैस सिलेंडर महंगी हुई

नई दिल्ली, 7 अप्रैल। आम जनता को महंगाई के मोर्चे पर एक और झटका लगा है। एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ गई हैं। घरेलू गैस सिलेंडर और उज्जवला योजना के तहत मिलने वाले सिलेंडर पर 50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को वितरण कंपनियों की ओर से रसोई गैस या एलपीजी की कीमत में 50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी किए जाने का एलान किया। मंत्री ने कहा कि उज्ज्वला और सामान्य श्रेणी के ग्राहकों दोनों के लिए गैस की कीमत में इजाफा किया गया है। नई कीमतें आज आधी रात से लागू हो जाएंगी। सामान्य उपभोक्ताओं के लिए 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत 803 रुपये से बढ़कर 853 रुपये हो जाएगी और उज्ज्वला योजना के तहत उपभोक्ताओं के लिए 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत 503 रुपये से बढ़कर 553 रुपये हो जाएगी। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा, एलपीजी के प्रति सिलेंडर की कीमत में 50 रुपये की वृद्धि होगी। 500 से यह 550 (पीएमयूवाई लाभार्थियों के लिए) हो जाएगी और अन्य के लिए यह 803 रुपये से बढ़कर 853 रुपये हो जाएगी। यह एक ऐसा कदम है जिसकी हम आगे समीक्षा करेंगे। हम हर 2-3 सप्ताह में इसकी समीक्षा करते हैं। इसलिए, आपने जो उत्पाद शुल्क में वृद्धि देखी है, उसका बोझ पेट्रोल और डीजल पर उपभोक्ताओं पर नहीं पड़ेगा। उस उत्पाद शुल्क वृद्धि का उद्देश्य तेल विपणन कंपनियों को 43,000 करोड़ रुपये की भरपाई करना है। जो उन्हें गैस के कारण नुकसान के रूप में हुआ है... पुरी ने कहा, आपने वित्त मंत्रालय की एक अधिसूचना देखी होगी जिसमें कहा गया है कि पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 2 रुपये की बढ़ोतरी की जा रही है।

भाजपा नहीं होती तो वक्फ बिल पारित नहीं होता, धारा 370 नहीं हटती सीएम सरमा

सौरभ शर्मा

गुवाहाटी, 7 अप्रैल। असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने भाजपा के 46वें स्थापना दिवस पर पार्टी की मजबूती पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा को कमजोर करने का मतलब भारत के वैश्विक नेता का पद हासिल करने की राह में बाधा खड़ी करना है। भाजपा पार्टी तब तक देश की सेवा करेगी जब तक सूरज और चांद रहेगा। अगर भाजपा नहीं होती तो वक्फ बिल जैसा ऐतिहासिक कानून पारित नहीं होता। अगर भाजपा नहीं होती तो धारा 370 समाप्त नहीं होती या अल्पसंख्यक महिलाओं को तीन तलाक से न्याय नहीं मिलता। स्थापना दिवस कार्यक्रम में सीएम सरमा ने कहा कि भाजपा को कमजोर करने का मतलब किसी व्यक्ति को कमजोर करना नहीं है। इसका मतलब राष्ट्रीय गौरव को कमजोर करना है। भाजपा को कमजोर करने का मतलब भारत को विश्व मंच पर ले जाने की राह में बाधा खड़ी करना है। सरमा ने पार्टी के हर कार्यकर्ता को भारत को वैश्विक नेता बनाने के लिए काम करने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में प्रगति और मजबूती की ओर बढ़ रही पार्टी को कई वर्ग कमजोर और बदनाम करने की कोशिश करेंगे। सोशल मीडिया का इस्तेमाल भाजपा को बदनाम और कमजोर करने के लिए किया जा सकता है। इसलिए हमें सोशल मीडिया पर भी मजबूत होना चाहिए ताकि हम लोगों

तक सकारात्मक चीजें पहुंचा सकें। सरमा ने कहा कि राम मंदिर का निर्माण न केवल एक साधारण मंदिर निर्माण प्रक्रिया है, बल्कि 500 साल की गुलामी से खुद को मुक्त करने का एक उदाहरण है। सीएम ने कहा कि व्यक्तिगत आकांक्षाओं से पहले राष्ट्र आता है और राष्ट्र के हित से पहले कुछ भी नहीं आता है। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा नहीं होती तो वक्फ बिल जैसा ऐतिहासिक कानून पारित नहीं होता। अगर भाजपा नहीं होती तो धारा 370 समाप्त नहीं होती या अल्पसंख्यक महिलाओं को तीन तलाक से न्याय नहीं मिलता। भाजपा के बिना पूर्वोत्तर में विकास नहीं हो सकता। भाजपा असम में जीवन के हर क्षेत्र में सकारात्मक छाप छोड़ने में सक्षम रही है। इसलिए भाजपा हर स्वायत्त परिषद, नगर परिषद और पंचायत निकायों में सत्ता में है। सीएम सरमा ने कहा कि भाजपा समुदाय के गौरव को ऊपर उठाकर असमिया समाज को मजबूत करने का काम कर रही है। इससे पहले सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने असम भाजपा प्रमुख दिलीप सैकिया के साथ वरिष्ठ नेताओं और आम सदस्यों की मौजूदगी में राज्य मुख्यालय में पार्टी का झंडा फहराया। सरमा ने कहा कि मैं उन कार्यकर्ताओं को अपनी श्रद्धांजलि देता हूं जिन्होंने अपना जीवन राष्ट्रवाद के लिए समर्पित कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा भारत के हर वर्ग की आकांक्षाओं को पूरा करने और भारत के गौरव को फिर से स्थापित करने का माध्यम बन गई है।

राज्यपाल बोस ने 17 विवि के कुलपतियों के लिए ममता की पसंद पर जताई आपत्ति

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 7 अप्रैल। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने सुप्रीम कोर्ट को पत्र लिखकर राज्य के 17 सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सिफारिश पर आपत्ति जताई है। राजभवन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राज्यपाल, जो सभी सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति हैं, ने कुलपति पद के लिए उम्मीदवारों की सूची पर अपना विरोध शीर्ष अदालत को बताया, जिसमें उनकी पृष्ठभूमि की गहन समीक्षा की गई है। राज्य सरकार ने 36 विश्वविद्यालयों में उप-कुलपति नियुक्ति के लिए नाम भेजे थे। इनमें से 19 नामों को राज्यपाल ने मंजूरी दे दी है, लेकिन बाकी 17 नामों पर उन्होंने सवाल उठाए हैं। उन्होंने इन नामों की पृष्ठभूमि, योग्यता और अन्य जानकारियों की गहराई से जांच की और कुछ विश्वसनीय स्रोतों से भी जानकारी मंगाई। जांच के बाद, राज्यपाल ने पाया कि कुछ उम्मीदवार उपयुक्त नहीं हैं, इसलिए उन्होंने कोर्ट में आपत्ति दर्ज की। 2 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई चल रही थी, जिसका केस नंबर था, विशेष अनुमति याचिका (सी) संख्या 17403/2023; पश्चिम बंगाल राज्य बनाम डॉ. सनत कुमार घोष एवं अन्य।

इस दौरान कोर्ट को यह जानकारी नहीं दी गई थी कि राज्यपाल ने 17 नामों पर आपत्ति जताई है और इसकी रिपोर्ट एक सीलबंद लिफाफे में तैयार कर ली गई है। क्योंकि यह मामला अचानक सूची में शामिल हुआ, इसलिए भारत के अटॉर्नी जनरल कोर्ट में मौजूद नहीं थे। अगर वे होते तो राज्यपाल की रिपोर्ट कोर्ट में पेश की जा सकती थी। राज्यपाल के वकील ने कोर्ट को बताया कि 36 में से 19 नाम पहले ही मंजूर किए जा चुके हैं, और बाकी नामों पर विचार चल रहा है। कोर्ट ने यह नहीं कहा कि राज्यपाल को कोई अल्टीमेटम दिया जा रहा है या उनके अधिकार छीने जा रहे हैं। बल्कि, कोर्ट ने पूरी छूट दी है कि राज्यपाल अपनी समझ और विवेक से निर्णय लें। हालांकि, कोर्ट ने यह जरूर कहा है कि अगर दो हफ्तों में इन 17 नामों पर कोई निर्णय नहीं लिया गया, तो अगली सुनवाई में कोर्ट इस मुद्दे पर कोई ठोस फैसला ले सकता है। राजभवन ने एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी कि, राज्यपाल ने पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और जांच का पालन किया है। उन्होंने उम्मीदवारों की पृष्ठभूमि और योग्यता की समीक्षा के बाद ही आपत्ति जताई। कोर्ट की कार्यवाही से यह बात साफ है कि राज्यपाल को कोई दोषी नहीं ठहराया गया है और उनके पास पूरी स्वतंत्रता है कि वे किसे मंजूरी दें और किसे नहीं।

सपा सांसद रामजी लाल सुमन के साथ कोई घटना होती है तो उसके जिम्मेदार सीएम योगी होंगे: अखिलेश यादव

लखनऊ, 7 अप्रैल। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सपा सांसद रामजी लाल सुमन के साथ अगर कोई बुरी घटना होती है तो इसके जिम्मेदार खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ होंगे क्योंकि वो ही ऐसे संगठनों के साथ खड़े हैं जो सपा सांसद को धमकी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा अपनी योजनाओं की नाकामियां छिपाने के लिए सांप्रदायिक रास्ता अपना रही है। देश में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ती जा रही है इन समस्याओं से लोगों का ध्यान हटाने के लिए सांप्रदायिकता को फैलाया जा रहा है। बता दें कि रामजी लाल सुमन ने बयान दिया था कि बाबर को हिंदुस्तान आने के लिए राणा सांगा ने निमंत्रित किया था तबसे वह कई संगठनों के निशाने पर हैं। उन्होंने कहा कि हिटलर के समय जर्मनी में एक फौज बनाई गई थी जो कि लोगों को धमकाने का काम करती थी। इसी तरह भाजपा ने भी एक फौज बनाई है जो कि समय-समय पर लोगों को अपमान करते हैं। सोमवार को बसपा नेता दद्दू प्रसाद और सलाउद्दीन सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में सपा में शामिल हो गए।

तेजस्वी यादव को भ्रमित क्यों कर रही कांग्रेस?

नरेश मल्होत्रा

पटना, 7 अप्रैल। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चेहरे पर चुनाव नहीं लड़ेगा- महागठबंधन के तमाम दिग्गज बीच-बीच में इस बात को उठाकर भारतीय जनता पार्टी के साथ-साथ जनता दल यूनाईटेड को भ्रमित करते हैं। लेकिन, दूसरी तरफ भी आग उसी तरह की है। भ्रम की आग। बिहार विधानसभा चुनाव में अभी लगभग सात महीने बाकी हैं, लेकिन कांग्रेस की सक्रियता देखकर राष्ट्रीय जनता दल के अंदर कहीं-न-कहीं उधेड़बुन की स्थिति जरूर है। जिस तरह से अचानक कन्हैया कुमार बिहार कांग्रेस में सक्रिय हुए हैं, उससे अंदरखाने गजब की हलचल है। खासकर राजद में। सवाल उठ रहा कि आखिर तेजस्वी यादव को भ्रमित क्यों कर रही है कांग्रेस? लोकसभा चुनाव के पहले राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने दिल्ली जाकर अपनी जन अधिकार पार्टी का कांग्रेस में विलय कराते हुए इसकी सदस्यता ली थी। दिल्ली जाने से पहले पप्पू यादव राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव से मिलने आए थे। इस मुलाकात के अगले दिन पप्पू यादव ने अपनी पार्टी- जाप का कांग्रेस में विलय करा दिया। दिल्ली से लौटते समय पप्पू यादव पूरी तरह निश्चिंत थे कि उन्हें पूर्णिया लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ने के लिए मिल जाएगा। लेकिन, जानकार बताते हैं कि यादवों के बीच तेजस्वी यादव के समकक्ष कोई खड़ा न हो, इसलिए लालू यादव ने कांग्रेस को किनारे करते हुए पूर्णिया सीट पर बीमा भारती को राजद का चुनाव चिह्न सौंप दिया। सामने बात यही रही कि बीमा को आश्वासन पहले से दिया गया था, लेकिन अंदर की बात कांग्रेस की पूरी रणनीति को ध्वस्त करने की थी। पप्पू यादव को किनारे किए जाने के मामले में बाहर-बाहर तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह खलनायक बने, लेकिन खेल कहीं और से हो चुका था। नतीजा यह रहा कि पप्पू यादव को कांग्रेस ने अपना सदस्य तक मानने से इनकार कर दिया। निर्दलीय लड़े, जीते, कांग्रेस के प्रति ही आस्था जताई; लेकिन सबकुछ वह एकतरफा ही करते रहे। दूसरी तरफ से प्रेम का इजहार नहीं हुआ। राहुल गांधी ने सोमवार को पहले बेगूसराय में कन्हैया कुमार के साथ पदयात्रा की और फिर पटना में गरीब-गुरबों, दलित-पिछड़ों की बात की, यह तेजस्वी यादव और लालू प्रसाद यादव के लिए आया संकेत

ही है। कन्हैया कुमार बिहार की बेगूसराय सीट पर 2019 में गिरिराज सिंह से करारी हार के बाद दिल्ली की राजनीति करने लौट गए थे। इस बार कन्हैया कुमार को कांग्रेस ने भले अपने हटाए गए प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह के भूमिहार चेहरे की भरपाई के लिए दिखावट के रूप में लाया है, लेकिन अंदर की बात यही है कि वह इस जाति के होकर भी वाम चेहरा हैं। मतलब, गरीब-गुरबों के बीच का चेहरा। राहुल गांधी ने लालू प्रसाद के वोटरों को लक्ष्य कर भी एक तरह से संदेश दिया है कि कांग्रेस किसी को आगे कर सकती है। वह चेहरा कौन होगा, यह राहुल गांधी अभी पत्ता नहीं खोल रहे। चेहरे के रूप में कन्हैया कुमार की बिहार वापसी को देखें तो यह तेजस्वी यादव के लिए सहज नहीं है। जब कन्हैया 2019 के चुनाव में वामपंथी प्रत्याशी थे, तो राजद ने बेगूसराय में अपना भी प्रत्याशी उतार दिया था। दोनों मिलाकर भी भाजपाई गिरिराज सिंह से भले दूर रहे हों, लेकिन यह संदेश साफ था कि राजद कन्हैया कुमार को बिहार में बढ़ते नहीं देखना चाहता है। ऐसे में एक बार फिर कन्हैया ने जब बिहार में वापसी की है तो राजद के अंदर भ्रम की स्थिति है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष तेजस्वी यादव को सीएम का चेहरा तो बता रहे हैं, लेकिन राहुल गांधी के मुंह से निकली योजना और कन्हैया कुमार की सक्रियता से राजद का भ्रमित होना स्वाभाविक भी है।

कृषि मंत्री कोकाटे ने विवादास्पद टिप्पणी के लिए किसानों से मांगी माफी

नासिक, 7 अप्रैल। महाराष्ट्र के कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे ने अपनी विवादास्पद टिप्पणी के लिए रविवार को किसानों से माफी मांगी। उन्होंने कहा कि यह अनजाने में हुआ। अगर किसान मेरी टिप्पणी से अपमानित महसूस कर रहे हैं और उनकी भावनाएं आहत हुई हैं, तो मैं

उनसे माफी मांगता हूं। कृषि मंत्री कोकाटे ने हाल ही में किसानों को लेकर विवादास्पद टिप्पणी की थी। उन्होंने दावा किया था कि किसान कृषि योजनाओं से मिले धन इच्छित उद्देश्यों के लिए खर्च नहीं करते हैं। इसके बजाय, वह इस धन का उपयोग सगाई समारोहों और शादियों में करते हैं। रामनवमी के अवसर पर रविवार को कृषि मंत्री कोकाटे नासिक के बहुचर्चित कालाराम मंदिर पहुंचे। जहां उन्होंने पहले दर्शन किए और बाद में किसानों से माफी मांगी। कोकाटे ने कहा, यह अनजाने में हुआ। अगर किसानों को अपमानित महसूस हुआ और उनकी भावनाएं आहत हुईं, तो मैं उनसे माफी मांगता हूं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) मंत्री कोकाटे नासिक में सिन्नर निर्वाचन क्षेत्र से विधायक हैं। कोकाटे ने कहा कि पिछले आठ दिनों में महाराष्ट्र में बेमौसम बारिश हुए है, जिससे किसान प्रभावित हुए हैं। सरकार ने अधिकारियों को फसल के नुकसान का आकलन करने के लिए तत्काल मौके पर पहुंचकर निरीक्षण करने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा, सरकार निश्चित रूप से किसानों को मुआवजा देगी। मैंने किसानों की समृद्धि और खुशहाली के लिए भगवान राम से प्रार्थना की है।

गाजा में नहीं थम रहे इजराइली हमले, ट्रंप-नेतन्याहू के बीच मुलाकात से पहलो एक टेंट-घर पर बड़ा हमला, 5 बच्चों समेत 15 की मौत

इजराइल . इजराइल की ओर से गाजा पट्टी हमलों का सिलसिला थमता नहीं दिख रहा है. युद्ध को लेकर बातचीत के लिए इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के लिए अमेरिका रवाना होने के बीच अलग-अलग जगहों पर हुए ताजा हमले में 32 लोगों की मौत हो गई जिसमें ज्यादातर बच्चे और महिलाएं शामिल हैं.

स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों की ओर से आज रविवार को जानकारी दी गई कि गाजा पट्टी पर इजरायल के नए हमलों में कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक दर्जन से अधिक महिलाएं और बच्चे शामिल हैं.

युद्धविराम खत्म कर इजराइल फिर कर रहा हमला

लंबे समय से इजराइल और हमास के बीच छिड़े युद्ध को खत्म कराने को लेकर बातचीत लगातार चल रही थी, लेकिन इजरायल ने हवाई हमला करते हुए पिछले महीने हमास के साथ युद्धविराम को खत्म कर दिया था, साथ ही उसकी ओर से हवाई और जमीनी हमले फिर से शुरू कर दिए गए.

सऊदी अरब ने भारत समेत 14 देशों के मुसलमानों पर क्यों लगाई पाबंदी, क्या उमरा करने भी नहीं जा पाएंगे?

नेशनल डेस्क. सऊदी अरब सरकार ने नए यात्रा प्रतिबंध लागू किए हैं. जिसमें भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश समेत 14 देशों के ऊपर ये प्रतिबंध लगाए गए हैं. विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक यह प्रतिबंध 13 अप्रैल से मध्य जून तक लागू रहेगा, यानी हज यात्रा पूरी होने तक ये प्रतिबंध जारी रहेंगे.सऊदी में हज यात्रा के दौरान दुनिया भर से आने वाले लोगों की संख्या काफी बढ़ जाती है और वो लोग भी मक्का मदीना पहुंच जाते हैं, जिनके पास हज वीजा नहीं है. जिसकी वजह हज मंत्रालय के इंतजाम में रुकावट पैदा हो जाती है. पिछले साल ऐसे ही हज में संख्या बढ़ने और अधिक गर्मी की वजह से एक हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी.

कौन से वीजा होंगे सस्पेंड?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नए दिशा-निर्देशों के तहत उमरा वीजा, बिजनेस विजिट वीजा और फैमिली विजिट वीजा को निलंबित कर दिया गया है. सऊदी अरब के वीजा प्रतिबंध से भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों के उन लोगों को निराशा हुई है, जो इन वीजा की मदद से हज के समय मक्का और मदीना जाना चाहते थे.

सऊदी क्राउन प्रिंस के निर्देश के बाद उठाया कदम

सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अधिकारियों को सख्त वीज़ा विनियमन सुनिश्चित करने का आदेश दिया हैं.

बांग्लादेश में असली खिलाड़ी तो शेख हसीना के लोग निकले, कहानी सुन सिर पकड़ लेंगे यूनुस

बांग्लादेश. बांग्लादेश में जल्द ही आम चुनाव होने जा रहे हैं और देश की विभिन्न राजनीतिक पार्टियां चुनाव की तैयारी में लगी हुई हैं. ऐसा पिछले 15 सालों बाद होगा, जब शेख हसीना के बिना बांग्लादेश में चुनाव होंगे. पिछले साल दिसंबर में हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद अवामी लीग की प्रमुख शेख हसीना की सरकार गिर गई थी और अभी मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार देश का कार्यभार संभाल रही है.

हसीना के तख्तापलट के बाद उनके पार्टी अवामी लीग के नेताओं के खिलाफ हिंसा की कई खबरें सामने आई थी और नई सरकार में उनकी पार्टी पर प्रतिबंध मांग भी रखी गई थी. इस बार अवामी लीग चुनाव से दूर नजर आ रही है, निकले हसीना के लोग होने वाले बांग्लादेश के चुनाव में बड़ी ही चालाकी से हिस्सा लेने की कोशिश कर रहे हैं.

दूसरे राजनीतिक दलों में घुस रहे हसीना के लोग

हसीना के लोग अब अवामी लीग की जगह दूसरी पार्टियों की सदस्यता लेने की फिराक में ताकि इस चुनाव में वह अपनी जगह बना सके. जब ये बात हसीना विरोधियों को पता चली तो बवाल हो गया. आंदोलनकारी छात्रों द्वारा बनाई गई नेशनल सिटिज़न्स पार्टी (एनसीपी) के सदस्य सचिव अख्तर हुसैन ने कहा कि वे बांग्लादेश में अवामी लीग के पुनर्वास को स्वीकार नहीं करेंगे, क्योंकि उसने नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराध किए हैं.

उन्होंने यह बात शुक्रवार रात रंगपुर चैंबर बिल्डिंग में NCP आयोजकों के साथ बैठक के बाद एक पत्रकार के सवाल के जवाब में कही है. अख्तर ने यह भी कहा कि अगर अवामी लीग का कोई भी व्यक्ति घुसपैठ की कोशिश करेगा तो उसे कानून के हवाले कर दिया जाएगा.

छात्रों की पार्टी में हसीना के लोगों की जगह नहीं

अख्तर हुसैन ने कहा, अगर अवामी लीग का कोई भी व्यक्ति नेशनल सिटिज़न्स पार्टी के किसी भी कार्यक्रम में शामिल होने की हिम्मत करता है, तो हम उसका विरोध करेंगे. हम घुसपैठियों को कानून के हवाले कर देंगे.

उन्होंने आगे कहा, हमारा मानना ??है कि जिन लोगों ने बांग्लादेश में फासीवाद थोपा है, उन्हें किसी भी तरह से बांग्लादेश में राजनीति करने का नैतिक अधिकार नहीं है.

ट्रंप की टैरिफ नीति के खिलाफ America में छिड़ा विरोध, लगे ट्रंप-मस्क गो बैक के नारे

इंटरनेशनल डेस्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति के बाद से ही दुनिया भर में हड़कंप मच गया है और अब यह विरोध अमेरिका के भीतर भी तेज हो गया है।

ट्रंप के द्वारा अन्य देशों पर टैरिफ लगाने के बाद से न सिर्फ विदेशी नागरिक बल्कि अब अमेरिकी नागरिक और नेता भी इसके खिलाफ आवाज उठाने लगे हैं। अमेरिका के 50 राज्यों में ट्रंप की टैरिफ नीति के विरोध में प्रदर्शन हो रहे हैं जिसमें लोग ट्रंप-मस्क गो बैक के नारे लगा रहे हैं।

क्या है विरोध की वजह?

ट्रंप के खिलाफ यह विरोध उनकी टैरिफ नीति के कारण हो रहे छटनी, आर्थिक मंदी और मानवाधिकार उल्लंघन जैसे मुद्दों पर हो रहा है।

पहले जहां ट्रंप के दूसरे बार राष्ट्रपति बनने पर अमेरिकी जनता ने जश्न मनाया था वहीं अब सिविल राइट्स ग्रुप्स, श्रमिक संघ, एलजीबीटीक्यू समुदाय और महिला अधिकार संगठन ट्रंप की नीतियों का विरोध करने सड़कों पर उतरे हैं।

1200 से ज्यादा स्थानों पर प्रदर्शन

शनिवार, 6 अप्रैल को ट्रंप के खिलाफ 1200 से अधिक स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए। इस दौरान हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। 5 अप्रैल को हैंड्स ऑफ प्रोटेस्ट शुरू हुआ था जो ट्रंप प्रशासन की नीतियों के खिलाफ था।

प्रदर्शनकारियों ने खासकर छंटनी और सामूहिक डिपोर्टेशन की नीतियों के खिलाफ विरोध जताया। वाशिंगटन डीसी के नेशनल मॉल से लेकर मैनहैटन और बॉस्टन तक प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप और मस्क के खिलाफ नारे लगाए और कुलीनतंत्र से लड़ो (Fight The Oligarchy) जैसे नारे लगाए।

रविवार को 1400 से अधिक रैलियां

रविवार को भी विरोध प्रदर्शन जारी रहा और 1400 से अधिक रैलियां आयोजित की गईं। इस दिन की रैली का नाम हैंड्स-ऑन रखा गया। रैली में 6 लाख लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। हैंड्स-ऑन का मतलब था हमारे अधिकारों से दूर रहो।

अमेरिका में खसरे से एक और बच्चे की मौत, एक लापरवाही पड़ रही भारी

इंटरनेशनल डेस्क। अमेरिका के टेक्सास में खसरे की चपेट में आकर एक और बच्चे की मौत हो गई है। यह बच्चा भी खसरे से बचाव का टीका नहीं लगवाया हुआ था। अमेरिका इस समय पिछले लगभग तीन दशकों में खसरे के सबसे बड़े प्रकोप से जूझ रहा है। यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर (यूएमसी) हेल्थ सिस्टम, ल्यूबॉक ने जानकारी दी कि खसरे के कारण उनके अस्पताल में भर्ती एक स्कूली छात्र की मौत हो गई। बच्चे को पहले से कोई अन्य बीमारी नहीं थी।

इससे पहले, फरवरी में टेक्सास में एक अन्य बच्चे और मार्च की शुरुआत में न्यू मैक्सिको में एक वयस्क की खसरे से मौत हो चुकी है। सीडीसी (रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र) के अनुसार, इस वर्ष अब तक अमेरिका के 21 राज्यों में खसरे के 607 मामले सामने आ चुके हैं। यह संख्या 2023 में पूरे साल के मामलों की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। टेक्सास में अब तक 481 मामले दर्ज किए गए हैं, जो राज्य में पिछले कुछ दशकों में सबसे ज्यादा हैं।डॉ. पीटर होटेज, जो बायलर कॉलेज ऑफ मेडिसिन के प्रमुख टीकाकरण विशेषज्ञ हैं, ने यदि मामले इसी तरह बढ़ते रहे तो हम 2019 के प्रकोप को भी पीछे छोड़ देंगे।

यह पिछले 30 वर्षों में सबसे खराब स्थिति बन सकती है। दुखद बात यह है कि इन मौतों को पूरी तरह से रोका जा सकता था।

उन्होंने चेतावनी दी कि,यदि टीकाकरण के खिलाफ गलत जानकारियों को फैलने दिया गया और टीकाकरण को लेकर हिचकिचाहट को दूर नहीं किया गया, तो अमीर देश भी इस तरह की बीमारियों से सुरक्षित नहीं रह पाएंगे।

इजराइल ने गाजा के 50 प्रतिशत हिस्से पर किया कब्जा, फिलीस्तीनियों के लिए लौटना असंभव

इंटरनेशनल डेस्क. हमास के खिलाफ पिछले महीने युद्ध फिर से शुरू करने के बाद से इजराइल ने गाजा पट्टी में अपने प्रभाव का तेजी से विस्तार किया है और अब वहां 50 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र उसके नियंत्रण में है। इजराइली सैनिकों और अधिकार समूहों ने बताया कि सेना द्वारा नियंत्रित सबसे बड़ा निकटवर्ती क्षेत्र गाजा सीमा के आसपास है, जहां सेना ने फिलीस्तीनी मकानों, कृषि भूमि और बुनियादी ढांचे को इस हद तक तबाह कर दिया है कि अब वहां रहना असंभव है। हाल के सप्ताह में इस सैन्य 'बफर जोन का आकार दोगुना हो गया है।

इजराइल का कहना है कि उसकी यह कार्रवाई अस्थायी रूप से जरूरी है ताकि सात अक्टूबर 2023 को हुए हमले के दौरान बंधक बनाए गए शेष लोगों को रिहा करने के लिए हमास पर दबाव बनाया जा सके। हमास द्वारा सात अक्टूबर 2023 को किए गए हमले के बाद यह युद्ध शुरू हुआ था। बहरहाल, मानवाधिकार समूहों और गाजा संबंधी मामलों के विशेषज्ञों का कहना है कि इजराइल के कब्जे वाली भूमि में क्षेत्र के उत्तर को दक्षिण से

विभाजित करने वाला गलियारा भी शामिल है और इसका इस्तेमाल दीर्घकालिक नियंत्रण के लिए किया जा सकता है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पिछले सप्ताह कहा था कि हमास की हार के बाद भी इजराइल गाजा में सुरक्षा नियंत्रण बनाए रखेगा और फलस्तीनियों को वहां से जाने के लिए मजबूर करेगा।

इजराइल के पांच सैनिकों ने बताया कि इजराइली सीमा के निकट ध्वस्तीकरण और 'बफर जोन का व्यवस्थित विस्तार 18 महीने पहले युद्ध शुरू होने के बाद से जारी है। टैंक दस्ते के साथ तैनात एक सैनिक ने कहा, ''उन्होंने (इजराइली बलों ने) वह सब कुछ नष्ट कर दिया जो वे कर सकते थे... (फलस्तीनियों के पास) वापस आने के लिए कुछ नहीं होगा, वे वापस नहीं आएंगे, कभी नहीं।

हताहत हुए सैनिकों के बारे में पूछे जाने पर इजराइली सेना ने कहा कि सेना अपने देश की रक्षा के लिए और विशेष रूप से सात अक्टूबर के उस हमले के कारण तबाह हुए दक्षिणी समुदायों में सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए काम कर रही है, जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए थे और 251 बंधक बनाए गए थे।

सेना ने कहा कि वह गाजा में आम नागरिकों को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहती और वह अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करती है।

बड़ा झटका: इस देश मे भारत-पाकिस्तान समेत 14 देशों का वीजा किया बैन, जानें वजह?

नेशनल डेस्क. सऊदी अरब ने सुरक्षा कारणों और हज यात्रा के संचालन को बेहतर बनाने के लिए 14 देशों के नागरिकों के लिए वीजा पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है। इस फैसले में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, मिस्र, इराक, नाइजीरिया, जॉर्डन, अल्जीरिया, सूडान, इथियोपिया, ट्यूनीशिया, यमन और एक अन्य देश शामिल हैं। यह कदम सऊदी अरब द्वारा हज यात्रा के दौरान सुरक्षा को सुनिश्चित करने और अवैध प्रवास को रोकने के लिए उठाया गया है।सऊदी अधिकारियों का कहना है कि कई विदेशी नागरिक हज, उमराह या व्यापारिक यात्रा के बहाने देश में प्रवेश करते हैं, लेकिन उनका उद्देश्य अवैध रूप से अधिक समय तक सऊदी अरब में रहना होता है। इस स्थिति से निपटने के लिए सऊदी अरब ने वीजा प्रतिबंध और रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को अनिवार्य कर दिया है।

इसके अलावा, सऊदी अरब ने 13 अप्रैल तक हज वीजा आवेदन स्वीकार करने का ऐलान किया है। इसके बाद, हज यात्रा समाप्त होने तक कोई नया वीजा जारी नहीं किया जाएगा। इस कदम का उद्देश्य हज के दौरान होने वाली भीड़-भाड़ और

सुरक्षा संबंधी समस्याओं को रोकना है।

इसके साथ ही, सऊदी अधिकारियों ने हज यात्रा के लिए एक डिजिटल गाइड भी लॉन्च किया है, जो 16 भाषाओं में उपलब्ध है, ताकि पर्यटकों को यात्रा के दौरान मदद मिल सके। यह कदम 2024 में हज यात्रा के दौरान हुई 1000 से ज्यादा मौतों को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है, ताकि इस बार सुरक्षा और सुविधाएं बेहतर हो सकें।सऊदी अरब ने चेतावनी दी है कि अगर कोई व्यक्ति नियमों का उल्लंघन करता है और अवैध रूप से देश में प्रवेश करता है, तो उसे 5 साल के लिए सऊदी अरब में प्रवेश से प्रतिबंधित किया जा सकता है।

कनाडा ने अमेरिका को दिखाई सख्ती! विदेश मंत्री मेलानी जोली का बड़ा ऐलान

इंटरनेशनल डेस्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ को लेकर कनाडा ने सख्ती दिखाई है ।कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने आज अमेरिका के नए टैरिफ और डोनाल्ड ट्रंप के ग्लोबल ट्रेड रीसेट अभियान पर तीखा बयान दिया है। मेलानी जोली ने कहा कि हम अमेरिका द्वारा उठाए गए कदमों का गंभीरता से मूल्यांकन कर रहे हैं। साथ ही, हमें अच्छी तरह से एहसास हो गया है कि अमेरिका के साथ हमारा रिश्ता अब कभी वैसा नहीं रहेगा जैसा पहले था।

उन्होंने आगे कहा कि हम अमेरिका के सबसे बड़े ग्राहक हैं। जब कोई अपने सबसे बड़े ग्राहक के साथ गलत व्यवहार करता है, तो इसका मतलब होता है कि वह अपनी पूरी व्यापारिक रणनीति बदलना चाहता है। अब कनाडा भी अपनी नीति में बुनियादी बदलाव करेगा।

गौरतलब है कि हाल ही में

अमेरिका ने कनाडा समेत कई देशों से आयात होने वाले उत्पादों पर नए टैरिफ (आयात शुल्क) लगाए हैं। इसके साथ ही डोनाल्ड ट्रंप ने ग्लोबल ट्रेड रीसेट अभियान की घोषणा की है, जिसका मकसद है अमेरिकी उद्योगों को विदेशी प्रतिस्पर्धा से बचाना और व्यापार व्यवस्था को अमेरिका-केंद्रित बनाना। कनाडा लंबे समय से अमेरिका का सबसे भरोसेमंद और बड़ा व्यापारिक भागीदार रहा है। हर दिन करोड़ों डॉलर का सामान दोनों देशों के बीच इधर-उधर होता है। मेलानी जोली के कड़े शब्द यह संकेत देते हैं कि कनाडा अब अमेरिका पर अपनी निर्भरता घटाकर अन्य देशों के साथ व्यापार बढ़ाने की दिशा में काम करेगा। कनाडा और अमेरिका के रिश्तों में बढ़ती दूरी का असर सिर्फ इन दोनों देशों तक सीमित नहीं रहेगा।

विशेषज्ञों के मुताबिक भारत जैसे देशों के लिए यह एक बड़ा मौका बन सकता है। कनाडा अगर अमेरिका से हटकर नए व्यापारिक साझेदारों की तलाश करता है, तो भारत के साथ व्यापारिक समझौते को तेज़ी मिल सकती है। भारतीय आईटी, कृषि और टेक्नोलॉजी सेक्टर के लिए कनाडा में नई संभावनाएं खुल सकती हैं। वैश्विक बाजार में अस्थिरता बढ़ सकती है क्योंकि अमेरिका के टैरिफ बढ़ाने से कई देशों के निर्यात प्रभावित होंगे। चीन भी इस मौके का फायदा उठाने की कोशिश कर सकता है, जिससे वैश्विक व्यापार प्रतिस्पर्धा और ज्यादा तेज होगी।

आसमान से सड़क पर आ गिरा विमान, चलती गाड़ियों के बीच की इमरजेंसी लैंडिंग

नेशनल डेस्क. ब्राजील में रविवार को एक बड़ा हादसा देखने को मिला है. यहां एक प्लेन का सड़क पर इमरजेंसी लैंडिंग करने का दिल दहलाने वाला वीडियो भी सामने आया है. हममें से ज़्यादातर लोगों के लिए, यह सोचना किसी बुरे सपने से कम नहीं है कि एक प्लेन को उसी सड़क पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़े, जिस पर कई कारें तेज़ी से जा रही हों.हालांकि, एक पायलट और कुछ तेज़-तर्रार ड्राइवर इस स्थिति का सामना करने पर हादसे से बचने में सफल रहे. **CNN** ब्राज़ील द्वारा साझा की गई एक्स क्लिप में शुक्रवार (5 अप्रैल) बिजली की कई लाइनों से बचते हुए एक हल्के विमान को सड़क पर अनिश्चित रूप से मंडराते हुए देखा गया है.

इंजन में खराबी की वजह से हुई घटना

कुछ सेकंड बाद, विमान दो ट्रकों के बीच में टरमैक पर उतरता है और व्यस्त सड़क के किनारे आकर रुक जाता है. दक्षिणी राज्य सांता कैटरीना के पास हुई यह घटना विमान के इंजन में खराबी के कारण हुई थी, जिसके कारण पायलट को ट्रैफिक में इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी.

हादसे में कोई हताहत नहीं

राहत की बात यह है कि इस भयावह घटना में शामिल सभी लोग सुरक्षित हैं, पुलिस ने पुष्टि की है कि विमान के पायलट माटेउस रेनान कैलाडो (29) और यात्री, व्यवसायी वाल्डेमिरो जोस मिनेला (71) को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है. अधिकारी विमान को सड़क से हटाने में सफल रहे, जिसके बाद उस दिन शाम करीब 5 बजे यात्रियों के लिए सड़क को फिर से खोल दिया गया.

कुछ ही दिनों में छिड़ने वाली है मिलिट्री वार, बाबा वेंगा की चौंकाने वाली भविष्यवाणी

इंटरनेशनल डेस्क। बुल्गेरिया की प्रसिद्ध भविष्यवक्ता बाबा वेंगा, जिनकी भविष्यवाणियों को लेकर दुनिया भर में चर्चा होती रही है, ने 2025 को लेकर एक और चौंकाने वाली भविष्यवाणी की है। उनकी भविष्यवाणी के अनुसार, आने वाले समय में एक बड़े सैन्य युद्ध की शुरुआत हो सकती है, और यह युद्ध एक ऐसे देश में छिड़ेगा, जिस पर किसी की भी नजर नहीं थी। उनका कहना है कि इस युद्ध का असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा और यह वैश्विक संकट का रूप ले सकता है।बाबा वेंगा के अनुसार, यह युद्ध इस साल के भीतर ही शुरू हो सकता है, और यह सिर्फ एक सैन्य संघर्ष नहीं होगा, बल्कि इसके साथ एक विशाल राजनीतिक और सामाजिक उथल-पुथल भी होगा। इस सैन्य युद्ध में उस

देश की स्थिति और भूमिका अहम होगी, जिस पर बाबा वेंगा ने अपने पूर्वानुमान में संकेत दिए हैं। हालांकि उन्होंने इस देश का नाम स्पष्ट रूप से नहीं लिया है, लेकिन उनके अनुयायी और विशेषज्ञ इस भविष्यवाणी को लेकर कयास लगा रहे हैं कि यह किस देश से जुड़ी हो सकती है।

2025 महामारी और सैन्य संघर्ष की चेतावनी बाबा वेंगा ने 2025 को लेकर जो भविष्यवाणी की है, वह गंभीर वैश्विक संकटों की ओर इशारा करती है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष एक महामारी उत्पन्न होगी, जो पूरी दुनिया को प्रभावित करेगी। इस महामारी के प्रभाव से इंग्लैंड इतना प्रभावित होगा कि उसे सैन्य कार्रवाई की स्थिति का सामना करना पड़ेगा। इसके साथ ही उन्होंने ब्रिटिश रॉयल फैमिली में भी आंतरिक संघर्ष की संभावना जताई, जिससे देश की राजनीतिक और सामाजिक स्थिरता प्रभावित हो सकती है।

बाबा वेंगा की भविष्यवाणी में ब्रिटिश शाही परिवार के भीतर एक आंतरिक युद्ध का भी जिक्र है, जिसे सिर्फ पारिवारिक विवादों तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि यह राष्ट्रीय राजनीति को भी प्रभावित करेगा। पिछले कुछ वर्षों में प्रिंस हैरी और मेघन मार्कल की गतिविधियां और बकिंघम पैलेस के अंदरूनी मुद्दे इस भविष्यवाणी को आधुनिक संदर्भ में जोड़ने के संकेत देते हैं।

अमेरिकी टैरिफ पर भड़का चीन, बोला- खतरे में वैश्विक सप्लाई चेन

इंटरनेशनल डेस्क। चीन ने सोमवार को अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह शुल्क (टैरिफ) लगाकर मनमानी कर रहा है और आर्थिक दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। चीन के विदेश मामलों के प्रवक्ता लिन जियान ने बीजिंग में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अंतरराष्ट्रीय नियमों को ताक पर रखकर अमेरिका एकपक्षवाद , संरक्षणवाद और आर्थिक धौंस का प्रदर्शन कर रहा है।

क्या है मामला ?

पिछले हफ्ते अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन समेत कई देशों से आने वाले उत्पादों पर व्यापक शुल्क लगाने की घोषणा की थी। इसके जवाब में चीन और अन्य देशों ने भी तुरंत जवाबी कार्रवाई की। चीन का

कहना है कि अमेरिका के इस कदम से वैश्विक उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला को नुकसान हुआ है। दुनिया की आर्थिक सेहत पर गंभीर असर पड़ा है। लिन जियान ने चेतावनी दी कि अमेरिका का यह व्यवहार अंतरराष्ट्रीय व्यापार के नियमों और पारदर्शिता के सिद्धांतों का उल्लंघन है, जिससे वैश्विक व्यापार माहौल और निवेश स्थिरता दोनों को खतरा हो सकता है।

बता दें कि अमेरिका लंबे समय से चीन पर अनुचित व्यापार प्रथाओं का आरोप लगाता रहा है। ट्रंप प्रशासन ने कई चीनी उत्पादों पर अतिरिक्त शुल्क लगाया था, जिनका उद्देश्य अमेरिकी उद्योगों और कंपनियों की रक्षा करना था। इसके जवाब में चीन ने भी अमेरिकी उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाने की बात कही है। इस विवाद ने अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध की आशंका को और गहरा कर दिया है, जिसका असर न केवल दोनों देशों पर बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है।

ईरान में बड़ी बगावत, तनाव के बीच 60 हजार लड़ाकों का अमेरिका के सामने सरेंडर

इंटरनेशनल डेस्क। परमाणु डील को लेकर एक तरफ जहां ईरान पर अमेरिका नकेल कस रहा है. वहीं अब ईरान के भीतर ही बगावत हो गई है. ईरान समर्थित कम से कम 6 प्रॉक्सी संगठन ने अमेरिका के सामने सरेंडर करने की बात कही है. ईरान एक दर्जन से ज्यादा मिलिशिया ग्रुप को दाना-पानी देता है. इन ग्रुप के पास करीब 6 लाख लड़ाके हैं, जो इराक और मिडिल ईस्ट के देशों में फैले हुए हैं. मिलिशिया ग्रुप का संचालन ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामनेई के बेटे मोब्तजा खामनेई करते हैं.

भारत-पुर्तगाल रिश्तों की नई शुरुआत, राष्ट्रपति मुर्मू ने किया ऐतिहासिक दौरा

इंटरनेशनल डेस्क। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पुर्तगाल और स्लोवाकिया की चार दिवसीय राजकीय यात्रा के पहले चरण के लिए रविवार को लिस्बन पहुंचीं। करीब तीन दशकों में भारत के राष्ट्रपति की दोनों देशों की यह पहली यात्रा है। पुर्तगाल में भारत के राजदूत पुनीत रॉय कुंडल और भारत में पुर्तगाल के राजदूत जोआओ रिबेरो डी अल्मेडिया ने फिगो मादुरो के सैन्य हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति का स्वागत किया। उनकी यात्रा ऐसे महत्वपूर्ण वैश्विक आर्थिक बदलाव के समय में हो रही है जब अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्कों ने अंतरराष्ट्रीय कारोबार को नया आकार दिया है और भारत के यूरोप के साथ संबंध बढ़ रहे हैं। फरवरी में, यूरोपीय आयोग की मुखिया उर्सुला वॉन डेर लिएन और यूरोपीय संघ (ईयू) कॉलेज ऑफ कमिश्नर्स ने भारत का दौरा किया था। भारत ने इस साल भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की उम्मीद जताई है।मुर्मू की पुर्तगाल की दो दिवसीय ''महत्वपूर्ण यात्रा, दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर हो रही है। राष्ट्रपति की पुर्तगाल की यात्रा 27 वर्ष बाद हो रही है। सोमवार को राष्ट्रपति मुर्मू को गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा और वह पुर्तगाल के राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी

सूसा, प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो और एसेंबली स्पीकर डॉ. जोस पेड्रो एगुइर-ब्रैंको सहित शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठकें होंगी। बाद में, लिस्बन के मेयर कार्लोस मैनुअल फेलिक्स मोएदास राष्ट्रपति मुर्मू के लिए एक विशेष कार्यक्रम की मेजबानी करेंगे। वह राष्ट्रपति सूसा द्वारा आयोजित भोज में भी शामिल होंगी। विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने राष्ट्रपति की यात्रा के बारे में शुक्रवार को जानकारी देते हुए कहा, ''भारत और पुर्तगाल के बीच व्यापार 1.5 अरब अमेरिकी डॉलर का है और पिछले पांच वर्षों में 50 प्रतिशत की वृद्धि के साथ लगातार बढ़ रहा है।उन्होंने कहा, ''हम अक्षय ऊर्जा, आईटी, फार्मास्यूटिकल्स, शिक्षा, पर्यटन और रक्षा के क्षेत्र में सहयोग में विस्तार देख रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि पुर्तगाल ने हमेशा भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी को गहरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा की संभावना के बारे में पूछे जाने पर लाल ने कहा था, ''हां, आपसी हितों के क्षेत्रों पर चर्चा की जाएगी। लाल ने कहा था, ''2000 में, पुर्तगाल के राष्ट्रपति द्वारा पहला भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था।

साथ ही 2021 में, भारत और यूरोपीय संघ के नेताओं का पहला शिखर सम्मेलन हुआ, जिसमें यूरोपीय संघ के सभी भागीदार देशों के नेताओं ने भाग लिया।

इसलिए भारत-पुर्तगाल संबंध में भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी का एक बहुत मजबूत तत्व है। पुर्तगाल की अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू विभिन्न पुर्तगाली संस्थानों में कार्यरत शोधकर्ताओं सहित भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत करेंगी।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पति से झगड़े के बाद महिला ने की खुदकुशी

एजेंसी

नई दिल्ली। कल्याणपुरी इलाके में एक महिला ने पति से झगड़े के बाद फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतका की पहचान 35 वर्षीय अनुराधा के रूप में हुई है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के शवगृह में भेज दिया है। पुलिस को फिलहाल मृतका के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस मृतका के परिजनों से पूछताछ कर आत्महत्या के सही कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। पुलिस के मुताबिक अनुराधा परिवार के साथ ईस्ट विनोद नगर इलाके में रहती थी। परिवार में पति गौरव के अलावा अन्य सदस्य हैं। बताया जा रहा है कि शनिवार को अनुराधा और गौरव के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। झगड़े के बाद शाम के वक्त अनुराधा ने कमरे में पंखे के सहरे चुन्नी से फांसी लगाकर जान दे दी। घटना का पता चलते ही परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। चुन्नी काटकर शव नीचे उतारा गया। क्राइम टीम को घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र करने के लिए बुलाया गया। अभी तक की जांच में पता चला है कि महिला ने पति से झगड़े के बाद यह कदम उठाया। फिलहाल पुलिस मृतक के परिजनों से भी पूछताछ कर रही है।

चोरी के मामले में तीन आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के कपासहेड़ा थाना पुलिस ने चोरी के मामले में जांच के बाद तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान प्रमोद कुमार, गौरव और करण रावल के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से चोरी के तीन मोबाइल बरामद किए हैं। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि सात मार्च को कृपाल शर्मा ने आई फोन सहित कुल 93 मोबाइल की चोरी की शिकायत दी। इंस्पेक्टर विक्रम दहिया ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने चोरी किए गए मोबाइल के दस्तावेज बरामद किए और चोरी हुए मोबाइल फोन के सभी आईएमईआई नंबरों को आगे ट्रैकिंग के लिए निगरानी में रखा गया। 93 मोबाइल फोन में से तीन मोबाइल फोन फरीदाबाद में चालू पाए गए। जिसके बाद पुलिस ने प्रमोद कुमार, गौरव और करण को दबोचा।

रुपयों के विवाद में सब्जी वाले की पीट पीटकर हत्या

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी जिले के कालिंदी कुंज इलाके में रुपयों के विवाद में एक शख्स ने सब्जी वाले को पीट पीटकर अधमरा कर दिया। घायल को परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने घटनास्थल पर मौजूद लोगों से पूछताछ व सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद गैर इरादतन हत्याका मामला दर्ज किया। फिलहाल पुलिस आरोपित की तलाश कर रही है। दक्षिण पूर्वी जिले के डीसीपी रवि कुमार ने बताया मृतक की पहचान मुन्ना महतो के रूप में हुई है। वह परिवार के साथ मकान नंबर ए2/1133, जलेबी चौक, जेजे कॉलोनी रहता था। मुन्ना घर के पास ही सब्जी की दुकान लगाता था। डीसीपी ने बताया कि शनिवार की सुबह करीब 9.13 बजे दुकान पर एक शख्स सब्जी खरीदने के लिए आया था। सब्जी खरीदने के दौरान उसका पैसों को लेकर मुन्ना से झगड़ा हो गया। झगड़े के दौरान आरोपित ने मुन्ना की पिटाई कर दी। जिससे वह बेहोश हो गया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस आरोपित की तलाश कर रही है।

पीएम-जनमन के तहत त्रिपुरा और ओडिशा के लिए प्रमुख बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने की घोषणा

नई दिल्ली । केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाग अभियान (पीएम-जनमन) के संपर्क घटक के तहत त्रिपुरा और ओडिशा के लिए कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इसके तहत त्रिपुरा को 76.47 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 84.352 किलोमीटर लम्बी 25 सड़कें तथा ओडिशा को 69.65 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 63.271 किलोमीटर लम्बी 26 सड़कें तथा 2 पुल स्वीकृत किए गए हैं। यह जानकारी देते हुए एक सरकारी प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि ग्रामीण संपर्क को मजबूत करने और आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

अब नमो भारत ऐप के जर्नी प्लानर फीचर से एंड टू एंड ट्रिप प्लानिंग, सिंगल विंडो पेमेंट की सुविधा

जर्नी प्लानर फीचर एकीकृत एवं सुविधाजनक यात्रा की ओर एक सशक्त कदम

एजेंसी

गाजियाबाद। नमो भारत यात्रियों की यात्रा को और सुविधाजनक बनाने के लिए एनसीआरटीसी ने नमो भारत ऐप में एक आकर्षक फीचर, जर्नी प्लानर की शुरुआत की है। इस फीचर के साथ यात्री एक ही डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करके नमो भारत और मेट्रो नेटवर्क में अपनी पूरी यात्रा की योजना बना सकते हैं, सबसे आसान एवं सुविधाजनक यात्रा मार्ग के विकल्प चुन सकते हैं और एक ही जगह सहज भुगतान के साथ बुकिंग पूरी कर सकते हैं। यह यात्रियों के लिए एकीकृत एवं सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने की ओर बढ़ाया गया एक सशक्त कदम है। एनसीआरटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि इस फ़ीचर के साथ, यात्री नमो भारत एप पर ही अपनी एंड टू एंड यात्रा की योजना बना सकते हैं। यह फीचर एक स्टेशन से दूसरे के बीच के यात्रा के

लिए स्मार्ट रूट का सुझाव देता है। यात्री इससे सबसे तेज़ और सबसे कुशल रूट की जानकारी प्राप्त करने के साथ-साथ अनुमानित यात्रा समय और सुझाए गए इंटरचेंज भी देख सकते हैं। इसमें नमो भारत, मेट्रो एवं फ़र्स्ट एंड लास्ट माइल की यात्राएँ शामिल हैं। एक और चीज़ जो इस फ़ीचर को ख़ास बनाती है, वो है एक ही प्लेटफॉर्म पर नमो भारत और मेट्रो दोनों के टिकट एक साथ बुक करने की सुविधा। इससे यात्रियों को दो अलग- अलग एप पर जाकर दोनों माध्यमों के लिए अलग-अलग टिकट बुक करने की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। वे नमो भारत एप पर ही पूरी यात्रा का अनुमानित किराया देखकर, यूपीआई, डेबिट/क्रेडिट कार्ड या इंटरनेट बैंकिंग द्वारा एकल और सुरक्षित भुगतान कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इसका प्रयोग करने के लिए यात्रियों को नमो भारत एप के जर्नी प्लानर सेक्शन में जाना है और अपने आरंभ स्टेशन और गंतव्य स्टेशन का चुनाव करना है। ऐसा करते ही एप नमो भारत और मेट्रो कनेक्शन के साथ एकीकृत मार्ग दिखाने लगेगा, जिसे और अधिक स्पष्ट रूप से समझने के लिए यात्री इंटरैक्टिव मैप भी देख सकते हैं। इसके बाद, यात्री दिखाए गए विकल्पों में से अपनी सुविधा और पसंद का मार्ग चुनकर अपनी यात्रा की पुष्टि कर सकते हैं। इसके बाद ये आपको भुगतान की विंडो पर ले जाएगा, जहाँ भुगतान करते ही यह क्यूआर-आधारित ई-टिकट जनरेट कर देगा। उदाहरण के लिए, अगर आपको गाज़ियाबाद से नोएडा सेक्टर 16 की यात्रा करनी है, तो आरंभ स्टेशन में गाज़ियाबाद लिखें और गंतव्य में नोएडा सेक्टर 16। इसके साथ ही एप में गाज़ियाबाद से न्यू अशोक नगर तक नमो भारत और वहाँ से इंटरचेंज कर मेट्रो ब्लू लाइन द्वारा नोएडा सेक्टर 16 तक की यात्रा का रूट मैप प्रदर्शित हो जाएगा। इस रूट का चुनाव करते ही यह पेमेंट विंडो पर ले जाएगा।

महावीर जयंती पर दिल्ली विधानसभा में आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली विधान सभा में भगवान महावीर स्वामी के 2624वें जन्म कल्याणक एवं 2550वें निर्वाण महोत्सव के उपलक्ष्य पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम 'भगवान महावीर गाथा' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट उपस्थित रहे। वहीं इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि भगवान महावीर का जीवन और उनकी शिक्षाएं सम्पूर्ण मानवता के लिए प्रकाशपुंज हैं। कार्यक्रम में राष्ट्रसंत परमाचार्य श्री 108 प्रज्ञा सागर मुनिराज ने कहा कि भगवान महावीर का संदेश आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक है। जब समाज को शांति, सहिष्णुता और करुणा की अत्यधिक आवश्यकता है। इसी क्रम में विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि 'महावीर गाथा' जैसे आयोजनों से हमारी सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम मिलता है। उन्होंने कहा, 'महावीर स्वामी का संदेश केवल धार्मिक नहीं बल्कि मानवीय और सामाजिक विकास का आधार है। हमें उनके सिद्धांतों को जीवन में अपनाकर एक शांतिपूर्ण और समरस समाज की ओर बढ़ना चाहिए।

आर्य समाज के 150 साल पूरे : विजेंद्र गुप्ता और प्रवेश वर्मा ने बताया मानवता की सेवा का बेहतरीन उदाहरण

एजेंसी

नई दिल्ली।आर्य समाज के मानव सेवा के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा शामिल हुए।इस सम्मेलन को संबोधित करते हुए दोनों नेताओं ने आर्य समाज की समाज सुधार और राष्ट्र निर्माण में भूमिका की सराहना की। कार्यक्रम में आर्य समाज के योगदान को याद किया गया और इसके मूल्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा, ÷आर्य समाज ने हमेशा पाखंड और आडंबरों का विरोध किया है। इसने समाज को नई दिशा दी और राष्ट्र के निर्माण में अहम भूमिका निभाई। आर्य समाज के विचार आज भी प्रासंगिक हैं और हमें इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।' उन्होंने आर्य समाज के कार्यों को मानवता की सेवा का बेहतरीन उदाहरण बताया। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने अपने संबोधन में कहा, मेरा परिवार शुरू से ही आर्य समाज से जुड़ा रहा है। मेरे पिता हर

हवन करते थे। मुझे अपने पिता से ही आर्य समाज के संस्कार मिले हैं।÷ उन्होंने दिल्ली सरकार की ओर से समर्थन का वादा करते हुए कहा, 'अक्टूबर में होने वाले आर्य समाज सम्मेलन को सफल बनाने के लिए हम हर संभव मदद करेंगे। दिल्ली सरकार इस आयोजन के साथ पूरी तरह खड़ी है। प्रवेश वर्मा ने पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, ÷पहले की सरकारों ने ऐसे आयोजनों के लिए कोई सहायता नहीं दी। वे सिर्फ मस्जिदों के मौलवियों को वेतन देने में लगी रहती थी। हमारी सरकार ने इस प्रथा को बंद कर दिया है। अब हम समाज के हर वर्ग के लिए काम कर रहे हैं। यह आयोजन आर्य समाज के 150 साल के सफर को सेलिब्रेट करने के लिए था, जिसमें संगठन के सामाजिक सुधार, शिक्षा और मानव सेवा के कार्यों को याद किया गया। दिल्ली में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

भारतीय ज्ञान, संस्कार एवं समृद्धि की संवाहक है संस्कृत : डॉ चांद किरण सलूजा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय शिक्षण मंडल का 56वां स्थापना दिवस दिल्ली प्रान्त द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय के सत्यवती महाविद्यालय में मनाया गया द्ध इस अवसर पर अखिल भारतीय संगठन मंत्री बी. आर. शंकरानन्द, इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो महेश वर्मा, प्रो धनंजय जोशी, प्रो रवि प्रकाश टेकचंदानी, गणपति तेती, ऋषि मोहन भटनागर, सचिन मारण, राजन चोपड़ा, प्रो दर्शन पांडेय सहित सैकड़ों गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।कार्यक्रम में 'शिक्षा में संस्कृत, संस्कृत से संस्कार, संस्कार से समृद्धि' विषयक कार्यक्रम में राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुरली मनोहर पाठक ने संस्कृत को तीन दृष्टि में समझाते हुए कहा कि सृष्टि के साथ ही संस्कृत की उत्पत्ति हुई है 7 उन्होंने अनुशासन एवं समर्पण को शिक्षा के लिए प्रमुख बताया और संस्कृत एवं संस्कार को एक दूसरे का पर्याय मानते हुए कहा

कि संस्कृत ही हमें विद्या का संस्कार देती है। कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक डॉ चांद किरण सलूजा ने कहा कि प्राचीन भारत में शिक्षा का अर्थ मुख्य रूप से भाषा के अर्थ में लिया गया था, जिसका उद्देश्य शिक्षा प्राप्त करके बेहतर मानव बनना है द्ध उन्होंने शिक्षा नीति पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा का मुख्य लक्ष्य है मानवता का निर्माण करनाद्ध उन्होंने मनुष्य के सम्पूर्ण विकास की दिशाओं का वर्णन भी किया।आगे उन्होंने कहा कि हमारा सम्पूर्ण व्यक्तित्व मन से जुडा है, साथ ही उन्होंने पंच कोष के माध्यम से संस्कारित जीवन की बात करते हुए वैयक्तितता से सामाजिकता की ओर जाना ही संस्कार बताया।

NAME CHANGE
I, VANDANA SETH / VANDANA RANI W/O PRITESH SETH R/O H.NO-52,SECTOR-14,FARIDABAD, HARYANA-121007,HAVE CHANGED MY NAME TO VANDANAA SEYTH FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, HANUMAN SHARMA S/O DEVI PRASAD SHARMA R/O H NO K-12 FLAT NO 03, PANDIT APPARTMENT STREET NO 6D SOUTH WEST MAHIPALPUR, GURGAON ROAD, DELHI - 110037 I have changed my name from HANUMAN DEVIPRASAD SHARMA TO HANUMAN SHARMA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, BHAVANA TANAJI KADAM Wife of No-15581509Y Rank-HAV/FTR Name-BANDAL TUSHAR HINDURAO residing at AT-MOHODEKARWADI, PO-SURUR, TEHSIL-WAI, DIST-SATARA, MAHARASHTRA-415517, have changed my name from BHAVANA TANAJI KADAM to BHAVANA TUSHAR BANDAL for all future purposes vide Affidavit dated 07/04/2025 before Executive Magistrate, Delhi.

PUBLIC NOTICE
I, MOHIT KUMAR SINGH S/O RAJ PAL SINGH R/o C-314, East End Apartments CGHS, Opposite New Ashok Nagar Metro Station, Mayur Vihar Phase 1 Extension, Delhi - 110096 has embraced Sikhisam and renounced Hinduism on 24.12.2023. In future my name will be considered as MOHIT SINGH and not MOHIT KUMAR SINGH.

NAME CHANGE
I, ASHA spouse of No.GS-180774H Rank-PNR Name- PADMENDRA SINGH, UNIT- HQ DGBR, NARAYANA, RING ROAD, DELHI CANTT, DELHI-110010 R/o VILL-KHAINURI, PO-BHIMTLLA, TEH-CHAMOLI, DISTT-CHAMOLI, STATE-UTTRAKHAND, P[IN-246424 , have changed my name from ASHA to ASHA DEVI for all future purposes. Vide affidavit dated 07.04.2025 before Sub Divisional Magistrate Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGED
I, ASHA spouse of No.GS-180774H Rank-PNR Name- PADMENDRA SINGH, UNIT- HQ DGBR, NARAYANA, RING ROAD, DELHI CANTT, DELHI-110010 R/o VILL-KHAINURI, PO-BHIMTLLA, TEH-CHAMOLI, DISTT-CHAMOLI, STATE-UTTRAKHAND, PIN-246424, have changed my date of birth from 06/10/1979 to 10/07/1976 for all future purposes. Vide affidavit dated 07.04.2025 before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I BRAJMOHAN SHARMA S/O BACHCHULAL SHARMA R/O VILL BAIDPURA BEDPURA AGRA UTTAR PRADESH 283114 HAVE CHANGED MY NAME TO BRAJ MOHAN SHARMA

NAME CHANGE
I, BEENA Wife of JC-382020W Rank-SUB Name-BIRESH KUMAR Presently residing at VILL-HARSINGHPUR, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-245101, have changed my name from BEENA to BEENA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 07/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JAYASHRI LAXMAN Wife of JC-389933A Rank-SUB (DVRMT) Name-WANVE LAXMAN RAGHUNATH residing at VILL-BHAYALA, PO-WAGHIRA, TEHSIL-PATODA, DIST-BEED, MAHARASHTRA-414204, have changed my name from JAYASHRI LAXMAN to WANVE JAYSHRI LAXMAN for all future purposes vide Affidavit dated 07/04/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT ORIGINAL LEASE DEED DT. 09.05.1968 EXECUTED BY GHAZIABAD IMPROVEMENT TRUST IN FAVOUR OF MRS. MAYA WATI IN RESPECT OF "HOUSE BEARING NO. 58, ADMEASURING 217.5 SQ. YARDS, SITUATED AT NEW MALIWARA, ADDITIONAL SEHANI GATE SCHEME, GHAZIABAD, U.P." (SAID PROPERTY)., HAVE BEEN LOST BY THE OWNER MRS. KUSUM WIFE OF MR. PRAMOD KUMAR R/O HOUSE NO. 58, MALIWARA, GHAZIABAD, U.P.-201001 AND THIS REGARD LOST REPORT HAS LODGED VIDE LAR NO. 2025000232284 IN POLICE UNIT: POLICE COMPUTER CENTER, TECHNICAL SERVICES HQ, LUCKNOW. AND THE SAID OWNER IS GOING TO MORTGAGE THE HOUSE BEARING NO. 58, ADMEASURING 110 SQ. YARDS, SITUATED AT NEW MALIWARA, GHAZIABAD, U.P. WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST LOAN. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL DOCUMENT IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/DOCUMENTS WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, 1ST & 2ND FLOOR, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9999042521 / 9958996685.

NAME CHANGE
I,No.4574278X, Rank-HAV Matta Krishna R/o.Vill.Dalapalanka, Post Ramachandra Pur,Tehsi-Chikiti, Distt. Ganjam, Odisha-761010 have changed my minor son's name from M Purna Chandra to Mata Purnachandra vide affidavit dated 26.03.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SACHIN DHANRAJ JAMNIK S/o DHANRAJ JAMNIK R/o GF 12, Vardan Apartment, Abhay Khand-3, Mother Dairy, Indrapuram, Indirapuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201014, declare that name of mine and my minor daughter have been wrongly written as SACHIN JAMNIK and ANANYA SACHIN JAMNIK in my minor daughter namely ANANYA JAMNIK aged 10 years in her School Record. The actual name of mine and my minor daughter are SACHIN DHANRAJ JAMNIK and ANANYA JAMNIK respectively.

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT REGD. WILL DT. 20.04.2007 AS DOC. NO. 918 EXECUTED BY MRS. TULSA DEVI IN FAVOUR OF HER SON MR. ANAND KUMAR, DEATH CERTIFICATE OF LT MRS. TULSA DEVI DIED ON DT. 19.08.2012, CTC OF PROBATE ORDER OF REGD. WILL DT. 20.04.2007 PASSED BY COMPETENT COURT OF LAW IN FAVOUR OF MR. ANAND KUMAR, MUTATION LETTER ISSUED BY CONCERNED AUTHORITY IN FAVOUR OF MR. ANAND KUMAR IN RESPECT OF PROPERTY BEARING NO. B-20, ADMEASURING 150 SQ. YARDS, SITUATED AT ABADI OF GALI NO. 14, OUT OF KHASRA NO. 19/5, NEW GOBIND PURA, CHANDER NAGAR, VILLAGE KHUREJI KHAS, ILLAQA SHAHDARA, DELHI-110051, HAVE BEEN LOST BY THE OWNER MRS. POOJA GUGNANI WIFE OF MR. DINESH KUMAR R/O H-26, ST. NO. 38, NEAR SANJAY PARK, NEW GOVIND PURA, KRISHNA NAGAR, EAST DELHI, DELHI-110051 AND MR. GURMEET SINGH, IS GOING TO PURCHASE THE "FIRST FLOOR OF PROPERTY BEARING NO. B-20, ADMEASURING 56.1/4 SQ. YARDS, SITUATED AT ABADI OF GALI NO. 14, OUT OF KHASRA NO. 19/5, NEW GOBIND PURA, CHANDER NAGAR, VILLAGE KHUREJI KHAS, ILLAQA SHAHDARA, DELHI-110051", FROM OWNER / SELLER MRS. POOJA GUGNANI, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE SUBMIT THE SAID DOCUMENTS IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/DOCUMENTS WITHIN 07 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, 1ST & 2ND FLOOR, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9999042521 / 9958996685.

NAME CHANGE
I ISHUV ALI S/O MEHBOOB ALAM R/O A-603/A-12 LAKHPAT COLONY PART -01 MEETHAPUR SOUTH EAST DELHI 110044 HAVE CHANGED MY NAME TO YUSUF ALI

NAME CHANGE
It is for general information that I, JASWANT SINGH S/O GHISA RAM PERMANENT RESIDENT VILL- NANGAL PIPA, DISTRICT MAHINDER GARH, HARYANA-123023, PRESENTLY RESIDING RZ-88, SHIV NAGAR NEW ROSHAN PURA, NAJAFGARH, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110043, declare that name of my wife has been wrongly written as SAROJ DEVI in my PPO NO-401199900550. The actual name of my wife is SAROJ YADAV, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I KHEMA W/O LATE DAULAT SINGH R/O D-1/58 D-1 BLOCK, GALI NO.-1, SITAPURI PALAM DELHI-110045 declare that name of mine has been wrongly written as KHIMULI BISHT in PPO No. 231840204507. The actual name of mine is KHEMA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, SNEHA SINGH Wife of No-6946652Y (NYA), Rank-NB/SUB Name-AMRESH KUMAR residing at VILL-BHAWANIPUR, PO-NAGARPARA, TEHSIL-NARAYANPUR, DIST-BHAGALPUR, BIHAR-853203, have changed my name from SNEHA SINGH to SNEHA KUMARI for all future purposes and in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/10/1985 instead of my correct date of birth as 18/08/1983 vide Affidavit dated 07/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, GHAZALA PARVEEN W/O MOHD SHAH ALAM, residing at H NO-3203, 4TH FLOOR, KUCHA TARA CHAND, DARYA GANJ, DELHI-110002. have changed my name to GHAZALA for all future purpose

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Akhtar Azam S/O Sikandar Azam R/O House No. 797,Punarvas Colony, Pocket -5, Sector A/6, Narela, North West Delhi, Delhi - 110040, declare that name of my minor Son has been wrongly written as MD. Arman in my minor Son namely Mohammad Arman aged 07 years in his School record. The actual name of my minor Son is Mohammad Arman

NAME CHANGE
I, LAXMI B Mother of No. 16115612M, Rank-HAV, Name-DEMUDU BADITHABONI residing at VILL-SAMBAYYAPALEM, PO-NIDIGATTU, RS-KANTAKAPALLE, DIST-VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535240 have changed my name from LAXMI B to BADITHABONU LAKSHMI for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/01/1975 instead of my correct date of birth as 04/09/1964 vide Affidavit dated 07/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I PAWAN AGGARWAL S/O BHIM SAIN AGGARWAL R/O A329 DERAWAL NAGAR 2ND FLOOR MODEL TOWN NORTH WEST DELHI 110009 HAVE CHANGED MY NAME TO PAWAN KUMAR AGGARWAL

NAME CHANGE
I, K ANKUL REDDY Father of JC-315269W Rank-NB SUB Name-SUBRAHMANYAM KOTA Presently residing at WB 6-1-98/N, DARIVADA KOTHAPALEM, BAPATLA, DIST-GUNTUR, ANDHRA PRADESH-522101, have changed my name from K ANKUL REDDY to KOTA ANKUL REDDY for all future purposes vide Affidavit dated 07/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as GUDDA DEVI W/O RAM AVADH R/O H. NO-840, SECTOR-27, ROHINI, SECTOR-7, NORTH WEST DELHI, DELHI-110085 have changed my name and shall hereafter be known as GUDDAN.

NAME CHANGE
I, K BHAGYAMMA Mother of JC-315269W Rank-NB SUB Name-SUBRAHMANYAM KOTA Presently residing at WB 6-1-98/N, DARIVADA KOTHAPALEM, BAPATLA, DIST-GUNTUR, ANDHRA PRADESH-522101, have changed my name from K BHAGYAMMA to KOTA BHAGYALAKSHMI for all future purposes vide Affidavit dated 07/04/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, RUCHI SHUKLA D/o BAL KRISHNA SHUKLA R/o J-202, Avas Vikas Keshavpuram, Kanpur, Uttar Pradesh-208017, declare that name of mine and my father has been wrongly written as RUCHI BHATIA and LAL KRISHAN SHUKLA in my Pan Card No. BIUPS4493J. The actual name of mine and my father are RUCHI SHUKLA and BAL KRISHNA SHUKLA.

NAME CHANGE
I, hitherto known as DEEKSHA AHLAWAT Alias DEEKSHA SEHWAG D/O SOMVIR SEHWAG W/O RAVI KUMAR ALAHWAT R/O FLAT NO-23A, PLOT NO28,KAMAKSHI APARTMENT, DWARKA SECTOR-6, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110075 have changed my name and shall hereafter be known as DEEKSHA SEHWAG.

NAME CHANGE
I, C UMALAKSHMI Wife of No. 15322315P Rank-HAV Name-JUSTIN P Presently residing at 5/76, AALUVILAI, PUNKARAI, KALKULAM, PO-THIRUVITHANCODE, DIST-KANYAKUMARI, TAMIL NADU-629174, have changed my name from C UMALAKSHMI to UMA LAKSHMI C for all future purposes vide Affidavit dated 04/04/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **Mr. Jamshed Ahmed, Mr. Naimuddin** in respect to Property Bearing No.103, area measuring 70 sq. yards, Carved out of Khasra No.108, Situated at Village-Begumpur, Within Lal Dora, Malviya Nagar, New Delhi-110017 stating that Jamshed Ahmed, Mr. Naimuddin have undisputed ownership vide GPA dated 11.09.2024, doc no. 2024/7/IV/2258 and GPA dated 18.10.2024, doc no. 2024/7/IV/2503. Now my client intends to sell the Third Floor without roof rights in which **SMFG India home finance Co. Ltd** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan and Khaitan
A-38 Kailash Colony, New Delhi-110048,
Phone No: 011-49774545

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अफनान, पुत्र शगीर, निवासी 328 खड्डे वाली मस्जिद, पसौंडा, साहिबाबाद, गाजियाबाद, यूपी ने FIR No. 310/17 , U/s 186/353/429/291/506/34 IPC, पुलिस थाना करावल नगर दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **अफनान** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **अफनान** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना करावल नगर** के अभियुक्त **अफनान** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.05.2025** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री इसरा ज़ैदी
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी.– 03,
चौथी मंजिल, कमरा नंबर 84
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/4312/NE/2025

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Sahir S/o Mr. Hasinuddin is the owner of Freehold Residential Property bearing no. 153, land area admeasuring 145.5 sq. yds., out of Khasra no. 1342/3, situated in the Abadi of Khanna Nagar, (Chakbandi Bahar), Pargana- Loni, Tehsil & District-Ghaziabad Uttar Pradesh. by virtue of Regd. GPA (as Document no. 47656) along with ATS & Will dated 20.03.2002. now our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, and same Property Sold too be Mohd. Salim Saifi & Mrs. Soniya Saifi which is to be financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Noida Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Shri Pal is the owner of Freehold Commercia Two Shops on ground Floor, area measuring 26.85 sq. mtrs., part of Property no. 793, out of Khasra no. 298/143, situated in the lal dora village of Ghitorni, New Delhi-110030. by virtue of Gift Deed dated 13.03.2025 duly registered in the office of SR- New Delhi Sarojini Nagar as Doc no 2025/8/I/1540, Book no. 1, Volume no. 3586 on pages 95 to 118 dated 13.03.2025. now our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, which is to be financed by Incred Financial Services Limited Branch: Faridabad Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I hitherto known as Sharda Devi D/O Jwala Prasad W/O Ram Chander, R/O RZ-6 GALI NO-1. KAILASH PURI PALAI SH PURI PALAM COLONY, South West Delhi, Delhi-110045,have changed my name and shall hereafter be known as GYARSI DEVI ALIAS SHARDA DEVI.

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as RAJNI MAHAJAN D/O SURESH KUMAR MAHAJAN W/O RAVI LAKHINA R/O H.No - C-69, First Floor, Chander Nagar, Janakpuri, Janakpuri B-1, Janakpuri B-1, West Delhi, Delhi -110058, have changed my name and shall hereafter be known as RAJNI LAKHINA.

NAME CHANGE
I hitherto known Sulekha alias ku Sulekha D/O Shobha Singh W/O Naveen Kumar, R/O B-310 COLONY CAMP NO-2, NANGLOI, West delhi Delhi- 110086 have changed my name and shall hereafter be known as Sulekha.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल सुश्री बिंद्रा पत्नी रूपराम निवासी बी2/352 जेजे कॉलोनी मदनपुर खादर नई दिल्ली-110076 ने उसके बेटे सोनू और उसकी पत्नी दर्शन तथा पोते और बेटी जतिन, कशिश, प्रेम, कृष्णा निवासी ओल्ड फरीदाबाद, पीएनबी ओल्ड सब्जी मंडी, बाद मोहल्ला, ओल्ड फरीदाबाद मेट्रो 121001 के पास से अपने सभी पारिवारिक संबंध तोड़ लिए हैं, विश्वासघाती, अपमानजनक और क्रूर व्यवहार के कारण अप्रैल 2025 में उसे अपनी सभी चल और अचल संपत्तियों से बेदखल कर दिया है। अब से, मेरा मुवक्किल अपने बेटे या उसकी पत्नी या पोते या बेटी यानी सोनू दर्शन जतिन, कशिश, प्रेम, कृष्ण द्वारा किए गए किसी भी कार्य और कर्म के लिए किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं होगा, अगर कोई भी उसके साथ कोई सौदा करता है तो वह अपने जोखिम, लागत और परिणामों पर ऐसा करेगा और मेरा मुवक्किल और उसके परिवार के अन्य सदस्य सोनू दर्शन जतिन, कशिश, प्रेम, कृष्ण द्वारा किए गए किसी भी कार्य के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे। मेरा मुवक्किल एसएचओ, पीएस कालिंदीकुंज और एसएचओ ओल्ड फरीदाबाद को भी सूचित करेगा।

JAY KUMAR (ADVOCATE)
HIGH COURT & DISTRICT COURT OF DELHI
Ch. No.969 Patiala House Court
New Delhi 110001
Mob.8700203148

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client (1) Smt. Vinita Kumari W/o Sh. Manoj (2) Sh. Manoj S/o Sh. Surender Pal are the owner of Freehold Residential Plot Area Measuring 25 sq. yds, i.e., 20.90 sq. mtrs Out of Khasra no. 309/10., Situated at Vandana Enclave, Hadbasht in the Area of Village Khora, Pargana Loni, Tehsil & Distt Ghaziabad U.P. by virtue of Sale Deed dated 16.01.2024 As Doc no. 609, Book no.1, Vol no. 21143, Pages- 117 to 140, SRO- Sadar II Ghaziabad., In the chain documents below mentioned document not available i.e. Original Sale Deed dated 22.02.2013 executed by Smt. Sehmuda in favour of Mohd. Sajeed (As Doc no. 2975, Book no.1, Vol no. 6809, Pages- 229 to 252) & Original Sale Deed dated 22.07.2013 executed by Mohd. Sajeed in favour of Sh. Pradeep Kumar (As Doc no. 11410, Book no.1, Vol no. 7419, Pages- 347 to 370, SRO-II Ghaziabad) our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too be Sh. Abadesh Kumar which is to be financed by IndusInd Bank Ltd. Branch: Ghaziabad, U.P. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

भवन तैयार होने के दो वर्ष बाद भी शुरू नहीं हो सका एएनएम प्रशिक्षण संस्थान

पुन्हाना। विकास में पिछड़े नूंह जिले की बेटियों को रोजगार परख बनाने के लिए सरकार द्वारा पुन्हाना में एएनएम (सहायक नर्स प्रसूति कोर्स) प्रशिक्षण संस्थान खोलने की योजना बनाई गई थी। जिसके तहत संस्थान के लिए पुन्हाना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लोक निर्माण विभाग द्वारा करीब एक एकड़ भूमि पर भवन निर्माण के साथ ही संस्थान में पढने वाली बेटियों के लिए छात्रावास के लिए भवन भी बनाया गया। जिसको तैयार कर लोक निर्माण ने 2022 में भवन तैयार कर स्वास्थ्य विभाग को सौंप भी दिया, लेकिन इसके दो वर्ष बाद भी संस्थान को शुरू नहीं किया गया है। जिससे जिले की बेटियों की जुबान पर यहीं बात है कि आखिर कब जाकर यह संस्थान शुरू हो पाएगा। क्षेत्र के बनवारी नंबरदार, गोपाल, लक्ष्मण, नरेश सहित लोगों का कहना है कि सरकार ने संस्थान के भवन पर करोड़ों रुपये खर्च कर दिए लेकिन अभी तक इसे शुरू नहीं किया गया। भवन मिलने के दो वर्ष बाद भी संस्थान शुरू नहीं हो पाना बड़ी लापरवाही है। स्वास्थ्य विभाग को इसे जल्द से जल्द शुरू कराना चाहिए ताकि क्षेत्र के बेटियो को इसका लाभ मिल सके। पुन्हाना सीएचसी में 4 करोड़ 73 लाख रुपये की आगत से भव्य प्रशिक्षण संस्थान व छात्रावास भवन बनाया गया ।जिसमें लड़कियों को प्रशिक्षण देने के साथ ही रूकने की भी व्यवस्था की गई । इसके साथ ही लड़कियों के लिए साइकिल स्टैंड से लेकर बैठने के लिए पार्क भी बनाया गया है।

किसानों और गरीब तबके के सच्चे मसीहा थे चौधरी देवीलालः ब्रह्मचारी

नारनौल। किसान-मजदूर समेत कमेरे वर्ग के उत्थान के लिए चौधरी देवीलाल द्वारा किए गए कार्यों को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। वह किसानों एवं गरीब तबके के सच्चे मसीहा थे। यह उद्गार जननायक जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमर सिंह ब्रह्मचारी ने निजामपुर चौक पर चौधरी देवीलाल की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए व्यक्त किए। इस मौके पर अनेक जजपा कार्यकर्ता मौजूद थे। अमर सिंह ब्रह्मचारी ने कहा कि किसानों और आम जनता के अधिकारों के लिए हमेशा संघर्ष किया और वह देश के उपप्रधानमंत्री जैसे शीर्ष पद तक पहुंचे। अब जेजेपी उनकी नीतियों को आगे बढ़ा रही है। उनका जीवन हम सबके लिए प्रेरणा स्त्रोत बना रहेगा। चौधरी देवीलाल ही वह शख्सियत हैं, जिन्होंने देश में सबसे पहले बुढ़ापा पेंशन चालू करके बुजुर्गों का मान-सम्मान बढ़ाया था। हरियाणा में स्थापना में भी उनका बढ़ा योगदान रहा। आज हम सबको मिलकर उनकी नीतियों को आगे बढ़ाने का संकल्प लेना चाहिए। इसी कड़ी में महेंद्रगढ़ में चौधरी देवीलाल पार्क में उनकी प्रतिमा पर जजपा कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की तथा उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया। इस मौके पर राजकुमार खातोद, सिकंदर गहली, बेदू राता, बिरेंद्र बनिहाड़ी, विजय छिल्लरो, विरेंद्र घाटासेर, राजकुमार जांगड़ा, कर्ण सिंह, जिलेसिंह गुर्जर, रणबीर छिल्लरो, लीलाराम, बजरंग गुर्जर, रविंद्र बेवल, कुलदीप अटाली, शेखर व दिनेश प्रजापत आदि मौजूद रहे।

किसान-कमेरे वर्ग के मसीहा थे जननायक ताऊ देवीलालः नसिर हुसैन बदरुद्दीन

नूंह। आधुनिक हरियाणा के निर्माता,असंख्य कार्यकर्ताओं के प्रेरणा स्रोत, किसान-कमरे किस वर्ग के मसीहा पूर्व उप प्रधानमंत्री व पूर्व मुख्यमंत्री हरियाणा, जननायक ताऊ देवीलाल की पुण्यतिथि पर जिला अध्यक्ष नासिर हुसैन बदरुद्दीन के नेतृत्व में मेवात की जेजेपी टीम ने दिल्ली में संघर्ष स्थल, राजघाट, पहुंचकर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। उनके साथ प्रवक्ता एडवोकेट राहुल जैन, युवा प्रधान वसीम अहमद,राहुल सरपंच उदाका, डॉ सागर,सहाबुद्दीन सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने ताऊ देवी लाल जी की पुण्यतिथि पर समाधि स्थल पहुंच कर पुष्प अर्पित किये। संयुक्त बयान देते हुए उन्होंने कहा कि युग पुरूष ताऊ देवीलाल हमेशा किसान-कमरे वर्ग की लड़ाई लड़ते रहे।वे त्याग की मूर्ति थे।जीवनभर वे हरियाणा के हर व्यक्ति के सुख-दुख को समझ कर उनके हितों व न्याय की लड़ाई लड़ते रहे।चौपालो का निर्माण, बुढ़ापा पेंशन, किसानों के कर्ज माफ जैसी अनेक योजनाएं चलाकर उन्होंने हरियाणा के लोगों का विकास व हितों की रक्षा की। हरियाणा का हर वर्ग आज भी ताऊ देवीलाल जी की चलाई नीतियों का दीवाना है।इसी प्रकार की नीतियों व योजनाओं को आगे बढाने का काम जेजेपी पार्टी व जननायक ताऊ देवी लाल की छवि माने जाने वाले युवा देवीलाल पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने भी किया है।

नारनौल रेवाड़ी नेशनल हाईवे 11 पर खोड के समीप गाड़ी ने बाइक को मारी टक्कर, बाइक सवार की हुई मौत

मंडी अटेली। नेशनल हाईवे 11 नारनौल रेवाड़ी रोड़ पर खोड पुल के समीप शनिवार सायं को एक बाईक चालक को गाड़ी चालक ने सीधी टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाईक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल व्यक्ति को उपचार के लिए नारनौल के नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां पर डॉक्टरों ने जांच करने के बाद बाईक चालक को मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार फैजाबाद निवासी सुनील कुमार ने बताया कि वह शनिवार को लगभग पांच बजे अपने निजी काम करके रेवाड़ी से नारनौल की तरफ आ रहा था। जब वह खोड़ पूल के समीप पहुंचा तो उसके आगे-आगे एक बाइक चालक चल रहा था। उसी समय रोंग साइड से सामने से गाड़ी बड़ी तेज रफ्तार व गफलत लापरवाही से चलाता हुए बाईक सवार को टक्कर मार दी।

हमारे सामाजिक उत्थान में संत महात्माओं का है विशेष स्थान : मनोहर लाल

केंद्रीय मंत्री हरिमंदिर संस्कृत महाविद्यालय के वार्षिक उत्सव में हुए शामिल

एजेंसी

गुरुग्राम। केंद्रीय विद्युत, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हमारे सनातन धर्म में धार्मिक ग्रंथों की एक समृद्ध परंपरा रही है। धार्मिक ग्रंथों में जो शिक्षा दी गयी है उसे समझना सभी के लिए सरल नही है। इस स्थिति में हमारे संत महात्मा ही हैं जो हमारे पथ प्रदर्शक होते हैं। जो हमें बताते हैं कि हमारे सामाजिक स्तर के उत्थान के लिए समाज में हमें किस प्रकार का आचरण करना चाहिए। केंद्रीय मंत्री शनिवार को पटौदी स्थित आश्रम हरि मंदिर संस्कृत महाविद्यालय के तीन दिवसीय वार्षिक उत्सव के दूसरे दिन कार्यक्रम को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की जो संकल्पना की है। जनजागरण के तहत उसमें निरन्तर आमजन का सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का पथ प्रदर्शक बने, हम सभी को अपने सामूहिक प्रयासों से देश को उस स्तर तक लेकर जाना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विश्व गुरु बनने के लिए आर्थिकी महत्वपूर्ण नहीं है। उससे ज्यादा जरूरी है कि उस देश के लोगों का सामाजिक जीवन में आचरण कैसा है। जिसका मार्ग हमारे गुरुओं के सानिध्य से निकलता है। मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की समस्याओं का एक-एक करके हल निकाला जा रहा है। यह उनके सार्थक प्रयासों का ही हिस्सा है

कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर अब तक जो भी अभियान शुरू किए गए हैं। उसमें देश के सभी नागरिकों ने प्रमुखता से अपनी सहभागिता निभाई है। वर्ष 2023 में निकाली गई विकसित भारत यात्रा इसका श्रेष्ठ उदाहरण है। केंद्रीय मंत्री ने इस दौरान उपस्थितजन से जाति व्यवस्था से हटकर हरियाणा एक- हरियाणवी एक के ध्येय के साथ आगे बढने का आह्वान भी किया। समारोह में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत ऋषि मुनियों की धरती है। यहां का कण कण हमें निरन्तर नई प्रेरणा देते हुए हमारा पथ प्रदर्शन करता है। कार्यक्रम में हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने अपने विचार रखते हुए कहा कि जब भी कोई व्यक्ति अपने मार्ग से भटकता है तो वह हमारे गुरु ही हैं जो हमारा मार्गदर्शन कर पुन- हमें सही राह दिखाते हैं। इस अवसर पर महामण्डलेश्वर स्वामी धर्मदेव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम, बडख़ल से विधायक धनेश अदलखा, खरखौदा से विधायक पवन खरखौदा, महेंद्रगढ़ से विधायक कंवर सिंह, पूर्व विधायक सत्यप्रकाश जरावता, पूर्व मंत्री सुभाष सुधा, गुरुग्राम की मेयर राज रानी मलोहत्रा, यमुनानगर से मेयर सुमन बहमनी, डीसी अजय कुमार, चीफ प्रोटोकॉल

> **'भारत दुनिया का पथ प्रदर्शक बने, हम सभी को अपने सामूहिक प्रयासों से देश को उस स्तर तक लेकर जाना है।'**

ऑफिसर मीतू धनखड़, गुरुग्राम भाजपा जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी, पटौदी भाजपा के जिला अध्यक्ष अजित यादव सहित काफी संख्या में विभिन्न क्षेत्रों से आए आश्रम के भक्तगण उपस्थित थे।

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ विद्यालय पर सर में मां सरस्वती की मूर्ति का हुआ उद्घाटन

एजेंसी

महेंद्रगढ़। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय परिसर में डॉक्टर अजय प्रकाश महता व शिवरतन महता ने अपने पिता स्वर्गीय लाला बिशन दयाल महता एवं माता स्वर्गीय तारा देवी की पुण्य समृद्धि में मां सरस्वती की मूर्ति की स्थापना की। इस मूर्ति का उद्घाटन हरियाणा भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो.रामबिलास शर्मा एवं भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने किया जबकि महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। इस मौके पर पूर्व शिक्षा मंत्री प्रोफेसर रामबिलास शर्मा एवं सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने संयुक्त रूप से कहा कि बधाई के पात्र हैं डॉक्टर अजय प्रकाश महता व शिव रतन महता जिन्होंने शिक्षा के प्रांगण में अपने पिता स्वर्गीय बिशन दयाल

महता एवं माता स्वर्गीय तारा देवी की पुण्य स्मृति में मां सरस्वती की मूर्ति की स्थापना की। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अपनी पुण्य कमाई में से कुछ पैसा धर्म, दान पुण्य, विवाह, शादी, पुण्यतिथि एवं अन्य अवसरों पर लगाना चाहिए। उनके द्वारा पुण्य के कार्य में लगाया गया पैसा व्यर्थ नहीं जाता अपितु भगवान उन्हें दोगुना करके देते हैं। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय लाला बिशन दयाल महता बहुत धार्मिक एवं उच्च विचारों के व्यक्ति थे। उन्होंने शिक्षा की अलग जगाने के साथ-साथ अनेकों शिक्षण संस्थाओं को आगे बढ़ाने के लिए जीवन भर कार्य किया। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। वे हमेशा मानव भलाई व मनुष्य के उत्थान के लिए जीवन भर कार्य करते रहे। उन्होंने कहा कि डॉक्टर अजय कुमार महता व शिवरतन महता जैसे सामाजिक लोगों द्वारा इस तरह के कार्य करने से सभी को ऐसे पुण्य के कार्यक्रम करने की प्रेरणा मिलती है और समाज में शिक्षा को आगे बढ़ाने को अच्छी दिशा मिलती है। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय तारा देवी भी बहुत धार्मिक एवं उच्च विचारों की महिला थी। इस अवसर पर डॉक्टर अजय प्रकाश महता, शिवरतन महता, मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य सुनील गोरा सहित अनेक को गणमान्य लोग मौजूद थे।

उद्घाटन के लिए तैयार पार्किंग कर रही है वीआईपी का इंतजार

एजेंसी

गुरुग्राम।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पंकज डावर ने कहा कि ओल्ड रेलवे रोड पर सदर बाजार के पास बनकर तैयार पार्किंग को उद्घाटन का इंतजार है। उद्घाटन नहीं होने तक पार्किंग को वाहनों के लिए ट्रायल के तौर पर शुरू किया जाए। उद्घाटन होने तक जनता को परेशान ना किया जाए। पंकज डावर ने कहा कि पार्किंग का उद्घाटन कौन करेगा, यह सरकार का विषय है। सरकार जब चाहे उद्घाटन करे। लेकिन तब तक पार्किंग में वाहनों को खड़ा किए जाने की अनुमति दी जाए। बाजारों में भीड़ होने के चलते लोगों को काफी परेशानी होती है। बाजारों में कहीं भी पार्किंग नहीं होने के कारण लोग सडकों के किनारे गाडियां खड़ी करते हैं। उन गाडियों को तुरंत ही जीएमडीए की क्रेन उठा ले जाती है। लोग बाजार से 500 रुपये का सामान लेते हैं और क्रेन द्वारा उठाई गई गाड़ी के बदले 1000 रुपये देकर गाड़ी छुड़वानी पड़ती है। पंकज डावर ने कहा कि क्रेन द्वारा गाडियां उठाकर जनता से उगाही करना सही नहीं है। इसी जनता ने भाजपा को वोट विकास के लिए दिए हैं, ना कि अपने ऊपर अत्याचार करने के लिए। प्रदेश सरकार को, स्थानीय प्रशासन और मंत्री को इस पर ध्यान देना चाहिए। सही जगह पर भी गाड़ी खड़ी होती है तो क्रेन से गाड़ी को घसीटकर सडक तक लाया जाता है। फिर उसकी रॉन्ग पार्किंग के नाम पर फोटो ली जाती है। यह एक तरह से प्रशासन की उगाही के लिए दबंगई है। जब स्थायी पार्किंग ही नहीं है तो फिर ऐसे वाहनों को उठाना और जुर्माना वसूलना ठगी के बराबर है। पंकज डावर ने कहा कि सदर बाजार क्षेत्र में ही कई क्रेन इसी काम पर लगा रखी हैं। उन्होंने सवाल खड़े किए गए आम आदमी की गाडियों को ही क्रेन द्वारा उठाया जाता है। बड़ी गाडियों को क्रेन के स्टाफ द्वारा हाथ लगाने की भी हिम्मत नहीं होती। बहुत सी गाडियों को फोर बाई फोर कहकर नहीं उठाया जाता। उन्होंने कहा कि इस नियम में भी बड़े लोगों को छूट दी गई है। ऐसे में आम आदमी पर ही यह मार पड़ रही है।

कला की धारा हमेशा बहती रहनी चाहिए : अनिल विज

ओपन एयर थियेटर में बेहतरीन साउंड सिस्टम लगाने के लिए जितनी राशि खर्च होगी वह मेरे द्वारा दी जाएगी : अनिल विज

एजेंसी

अम्बाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि कला की धारा हमेशा बहती रहनी चाहिए, सामाजिक बुराइयों को दर्शाने के लिए नाटक सर्वश्रेष्ठ माध्यम है। श्री विज गत देर शाम सुभाष पार्क के ओपन एयर थियेटर में कलाधारा ग्रुप द्वारा आयोजित नाटक 'पुतला' के मंचन के उपरांत उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कलाकारों द्वारा अच्छा नाटक प्रस्तुत किया गया है। नाटक का थीम बेहतर है जिसे रामायण से जोड़ा गया, नाटक में दिखाया कि पुराने सिस्टम में सभी ताकतवर लोगों के पुतले हैं, मगर वास्तव में दूसरों को पुतला समझने वाले भी पुतले होते हैं। कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने अपने स्वैच्छिक कोष से पांच लाख रुपए कलाधारा ग्रुप को देने की घोषणा की। उन्होंने कहा सुभाष पार्क के ओपन एयर थियेटर में अच्छा साउंड सिस्टम लगाने के लिए जितनी राशि खर्च होगी वह देंगे। वह चाहते हैं कि कोई भी सांस्कृति कार्यक्रम ओपन थियेटर में हो तो आयोजक को बाहर से साउंड सिस्टम न लाना पड़े। श्री विज ने यह भी कहा कि ओपन थियेटर की दर्शक दीर्घा में वीआईपी के लिए सोफे न लगाया जाए और जो भी वीआईपी आता है उसे दर्शक दीर्घा में ही बिठाया जाए ताकि उन्हें नाटक व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का पूरा आनंद आए और सभी एक साथ बैठकर कार्यक्रम देखे। ऊर्जा व

परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि सुभाष पार्क में ओपन एयर थियेटर बनाया और आज यहां कार्यक्रम होते देख उन्हें सबसे ज्यादा खुशी होती है। आज एक भी सप्ताह ऐसा नहीं जाता जिस दिन यहां कोई कार्यक्रम आयोजित न हो। मैं यही चाहता था कि मेरे शहर के लोगों को अपनी कला दिखाने का अवसर मिले और वह अपने मकसद में कामयाब हो रहे हैं। ऐसा ही ओपन एयर थियेटर शहीदी स्मारक में बन रहा है जोकि दो हजार लोगों की क्षमता का है जिसमें प्रतिदिन लाइट, साउंड व लेजर शो को कमल के फूल पर दिखाया जाएगा। कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि पहले लोगों तक अपनी बाते पहुंचाने का नाटक ही माध्यम था और बहुत बड़ी संख्या में लोग इसे देखते थे। लोगों तक अपनी बात पहुंचाने का यही माध्यम था, इसके माध्यम से सामाजिक कुरीतियां व बुराइयों को दिखाया जाता था। मगर बदलते दौर में टीवी ने सबकुछ बदल दिया और हम इसमें ही अब खोकर रह गए हैं। पहले हम बाहर खेलते, चौपालों पर बैठ बाते करते थे। मगर अब सबकुछ सिमट गया है। अब कहीं पतंगे नहीं उड़ती व गुल्ली डंडा नहीं खेला जाता। आज लोग शाम को घर आकर टीवी लगाकर बैठ जाते हैं। सामाजिक सरोकार खत्म होते जा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि आज वैवाहिक व पारिवारिक जीवनों में खटास आ रही है और महिलाओं का जीवन बर्बाद हो रहा है। इस कुरीति को समाप्त करने के लिए सामाजिक लोगों को आगे आना होगा। हमारे देश में वैवाहिक जीवन मधुर होता है। पहले माता-पिता फैसला करते थे और पति-पत्नी पूरा जीवन खुशी से रहते थे। मगर आज अकेले रहते हुए घरों के घर बर्बाद हो रहे हैं।

ड्रिंक एंड ड्राईव करने वाली 3 महिला चालक सहित 326 वाहन चालकों के किए चालान

एजेंसी

गुरुग्राम। पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा के निर्देशानुसार यातायात पुलिस द्वारा 31 मार्च से 6 अप्रैल तक विशेष अभियान चलाकर शराब पीकर वाहन चलाने (ड्रिंक एंड ड्राईव) वाले वाहन चालकों के नियमानुसार चालान किए गए। इस अभियान को सफल बनाने के लिए सहायक पुलिस आयुक्त यातायात मुख्यालय हाईवे सत्यपाल यादव द्वारा यातायात पुलिस की विभिन्न पुलिस टीमों का गठन करके उनको चिन्हित स्थानों पर विशेष आदेश/निर्देश देकर तैनात किया गया। चिन्हित स्थानों पर तैनात की गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पिछले सप्ताह में पुलिस टीमों द्वारा नाका लगाकर चैकिंग करते हुए 3 महिला वाहन चालक सहित कुल 326 वाहन चालक ड्रिंक एंड ड्राईव करते हुए मिले और उनके खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही करते हुए उनके चालान किए गए, इस दौरान एक वाहन को इंपाउंड भी किया गया। यातायात पुलिस द्वारा चलाए गए इस विशेष अभियान का उद्देश्य ड्रिंक एंड ड्राईव करने वाले

वाहन चालकों पर नकेल कसना तथा यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित कराते हुए यातायात का संचालन व्यवस्थित तथा सुरक्षित करना है। गुरुग्राम पुलिस आप सभी से अपील करती है कि यातायात के सभी नियमों की पालना करें व किसी भी प्रकार का नशा करके वाहन ना चलाए। गुरुग्राम पुलिस द्वारा समय-समय पर रात के समय विशेष नाके लगाकर वाहनों को चैक किया जाता है और शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालको/मालिकों के नियमानुसार चालान किए जाते है। गुरुग्राम पुलिस के द्वारा इस प्रकार के चालान अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा।

भाजपा सरकार ने हासिल की हैं अभूतपूर्व उपलब्धियां : डा. गजेंद्र गुप्ता

एजेंसी

गुरुग्राम। भाजपा के पूर्व जिला मीडिया प्रमुख व अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. गजेंद्र गुप्ता ने भाजपा के स्थापना दिवस पर कहा कि भाजपा ने शून्य से शिखर तक का सफर तय करने के दौरान अनेकों उपलब्धियां हासिल की हैं। भाजपा राष्ट्र को समर्पित संगठन है, जो आज पूरे विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अन्त्योदय, सुशासन, विकास एवं समृद्धि के रास्ते पर भारत आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी के नेतृत्व में सुशासन का नया युग शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पीएम मोदी के मार्गदर्शन में हरियाणा को विकास के पथ पर आगे बढ़ा रहे हैं।

एसपी विजय प्रताप के नेतृत्व में 'ऑपरेशन आक्रमण' के तहत विभिन्न अपराधों में संलिप्त 57 आरोपियों को दबोचा

एजेंसी

महेंद्रगढ़। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय परिसर में डॉक्टर अजय प्रकाश महता व शिवरतन महता ने अपने पिता स्वर्गीय लाला बिशन दयाल महता एवं माता स्वर्गीय तारा देवी की पुण्य समृद्धि में मां सरस्वती की मूर्ति की स्थापना की। इस मूर्ति का उद्घाटन हरियाणा भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो.रामबिलास शर्मा एवं भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने किया जबकि महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। इस मौके पर पूर्व शिक्षा मंत्री प्रोफेसर रामबिलास शर्मा एवं सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने संयुक्त रूप से कहा कि बधाई के पात्र हैं डॉक्टर अजय प्रकाश महता व शिव रतन महता जिन्होंने शिक्षा के प्रांगण में अपने पिता स्वर्गीय बिशन दयाल महता एवं माता स्वर्गीय तारा देवी की पुण्य स्मृति में मां सरस्वती की मूर्ति की स्थापना की। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अपनी पुण्य कमाई में से कुछ पैसा धर्म, दान पुण्य, विवाह,

शादी, पुण्यतिथि एवं अन्य अवसरों पर लगाना चाहिए। उनके द्वारा पुण्य के कार्य में लगाया गया पैसा व्यर्थ नहीं जाता अपितु भगवान उन्हें दोगुना करके देते हैं। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय लाला बिशन दयाल महता बहुत धार्मिक एवं उच्च विचारों के व्यक्ति थे। उन्होंने शिक्षा की अलग जगाने के साथ-साथ अनेकों शिक्षण संस्थाओं को आगे बढ़ाने के लिए जीवन भर कार्य किया। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। वे हमेशा मानव भलाई व मनुष्य के उत्थान के लिए जीवन भर कार्य करते रहे।

परशुराम जन्मोत्सव व गौड़ सभा की नई भूमि पूजन को लेकर बैठक आयोजित

एजेंसी

नारनौल। शहर के मोहल्ला चौधरियान स्थित गौड़ ब्राह्मण सभा के प्रांगण में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता गौड़ सभा के प्रधान राकेश मेहता एडवोकेट ने की। इस मौके पर सभी ने सर्वप्रथम भगवान परशुराम की प्रतिमा के समक्ष पूजन किया। बैठक में सबसे पहले ब्राह्मण समाज के प्रेमचंद शर्मा मोहल्ला संघीवाड़ा निवासी का अचानक हृदय गति रूक जाने हुए निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया। इसके बाद बैठक को संबोधित करते प्रधान राकेश मेहता ने बताया कि 19 अप्रैल को सभा में एक निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस शिविर में मेदांत अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक मरीजों की जांच करेंगे। वहीं इसीजी, बीपी, शुगर की जांच की जाएगी।

इसके अलावा नेत्र जांच भी की जाएगी। प्रधान ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गौड़ सभा द्वारा भगवान परशुराम का जन्मोत्सव कार्यक्रम धूमधाम से मनाया जाएगा। इसे लेकर 29 अप्रैल की शाम को संगीतमय सुंदरकांडा पाठ व 30 अप्रैल को प्रभात फेरी का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा बैठक में निर्णय लिया गया आगामी 3 मई को नांगल चौधरी रोड पर गौड़ ब्राह्मण सभा द्वारा खरीदी गई भूमि का पूजन किया जाएगा और वहीं विप्र सम्मेलन का भी आयोजन किया जाएगा। बैठक में प्रमुख रूप से कृष्ण कुमार शर्मा, करते रहे।

NAME CHANGE
I, MOHIT KUMAR S/o SUBE SINGH R/o House No. 36, Gali No.5, Ashok Vihar Phase-3, Gurgaon, Haryana-122001, have changed the name of my minor son MAADHAV aged 01 year and he shall be hereafter known as MAADHAV KUMAR.

NAME CHANGE
It is for general information that I, BASANTI WANGNOO W/o HIRA LAL WANGNOO residing at House No. -1034 , Ward No. -12, Gali No. 3A-4, Dayanand Nagar, Bahadurgarh, Jhajjar, Haryana - 124507 declare that name of my Son has been wrongly written as RAHUL WANGNOO in my J&K Migrant Identity Card, Registration No. 14135. The actual name of my Son is KARAN WANGNOO which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, ILAYASH KHAN S/O IMRAN ALI R/O 53, NEAR SHANI DEV MANDIR, FATEHPUR CHANDILA, FARIDABAD, HARYANA-121001, HAVE CHANGED MY NAME AND SHALL HEREAFTER BE KNOWN AS ABHISHEK KUMAR.

PUBLIC NOTICE
I, ILAYASH KHAN S/O IMRAN ALI R/O 53, NEAR SHANI DEV MANDIR, FATEHPUR CHANDILA, FARIDABAD, HARYANA-121001, have embraced HINDU Religion and renounced ISLAM Religion w.e.f. 12/12/2023.

NAME CHANGE
I, Somya Dargan W/O Saurav Singla R/O H. No. -106 , Sector -19,Old Faridabad ,PO: Old Faridabad , Dist: Faridabad Haryana -121002, have changed my name and shall hereafter be known as Somya Singla

क्या पुराने कार्ड-लोन बंद करने से क्रेडिट स्कोर पर पड़ता है असर, जानें साख गिरने के पीछे की वजह

नई दिल्ली. अच्छे क्रेडिट स्कोर के लिए महत्वपूर्ण है कि आप ईएमआई एवं क्रेडिट कार्ड बकाये का समय पर और पूरा भुगतान करें। ऐसा करने के बावजूद कुछ ऐसे कारक होते हैं, जो क्रेडिट स्कोर को प्रभावित करते हैं। कई लोगों का मानना है कि पुराने क्रेडिट कार्ड को बंद करना या होम लोन को फोरक्लोज करना उनके क्रेडिट स्कोर को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है। आइए जानते हैं...इसकी सच्चाई क्या है?

कई कारक आपकी साख पर डालते हैं असर

कई कारक आपके क्रेडिट स्कोर यानी साख को सकारात्मक या नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। इनमें महत्वपूर्ण है...समय पर बकाया भुगतान। आपका क्रेडिट कार्ड जितना पुराना होगा, उसका क्रेडिट स्कोर पर सकारात्मक प्रभाव उतना ही बेहतर होगा।बेहतर क्रेडिट स्कोर के लिहाज से सुरक्षित और असुरक्षित कर्ज का मिश्रण होना (होम लोन व क्रेडिट कार्ड) भी जरूरी है।

टैरिफ वार: समझदारी से बाजार में उठाएं फायदा, चुनौतियों में छिपा है निवेश का सुनहरा मौका

नई दिल्ली। अमेरिका के प्रमुख देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा से दुनियाभर के शेयर बाजारों में दहशत का माहौल है। अमेरिका के इस कदम का असर सिर्फ बाजार पर ही नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था पर भी महसूस किया जा रहा है। जिन सेक्टरों की अमेरिका पर निर्भरता ज्यादा है, उन पर टैरिफ की ज्यादा मार पड़ी है। इनमें वाहन, टेक्सटाइल, आईटी और इंजीनियरिंग गुड्स जैसे क्षेत्र प्रमुख हैं। टाटा मोटर्स जैसी कंपनियों के शेयर पहले से ही दबाव में हैं, जो अगले कुछ हफ्तों तक बरकरार रह सकता है। ट्रंप प्रशासन की अगली नजर फार्मा और सेमीकंडक्टर क्षेत्र पर है। इससे बाजार में निवेशकों के बीच चिंता का माहौल और भी गहरा हुआ है।

अगली बैठक तक बना रहेगा दबाव

भारतीय बाजार पर दबाव तब तक बना रहेगा, जब तक भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ को लेकर अगली बैठक नहीं होती, जो इसी महीने के अंत में संभावित है।

ट्रंप की टैरिफ ने मचाया हाहाकार, मैकबुक से 50 ज्यादा महंगा हो जाएगा iPhone!

नई दिल्ली। डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ प्लान ने सबको चौंका दिया है, जिसका असर पूरी दुनिया पर देखने को मिल रहा है. अमेरिका ने भारत, चीन सहित एशिया के देशों पर बंपर टैरिफ लगा दी है. भारत पर अमेरिका ने 26 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है, तो वहीं, चीन पर 34 प्रतिशत का जवाबी टैरिफ लगा दिया, जिसका असर आईफोन की कीमतों पर देखने को मिल सकता है. एक्सपर्ट के मुताबिक, इस टैरिफ की वजह से iPhone मैकबुक से भी ज्यादा महंगे हो सकते हैं. क्योंकि आईफोन का सबसे ज्यादा प्रोडक्शन चाइना में ही होता है.

द इकोनॉमिक टाइम्स ने वॉल स्ट्रीट जर्नल के हवाले से बताया है कि इन टैरिफ की वजह से अगला iPhone मैकबुक से 50त्न तक महंगा हो सकता है. यानी जो फोन अभी महंगा लगता है, वो और भी पहुंच से बाहर हो जाएगा. ट्रंप ने 2 अप्रैल, 2024 को चीन से आने वाली चीजों पर 34त्न तक एक्स्ट्रा टैरिफ डाल दिया है, जिससे आईफोन के दाम महंगे हो सकते हैं.

बढ़ेंगे आईफोन के दाम

रिपोर्ट के मुताबिक, Apple ने मार्च के आखिर में भारत और चीन से पांच प्लेन भरकर iPhone और दूसरी चीजें अमेरिका भेजी थीं. इससे अभी कीमतें नहीं बढ़ी हैं. लेकिन आने वाले दिनों में इसके दाम बढ़ सकते हैं. एक्सपर्ट का कहना है कि आगे चलकर ये महंगाई ग्राहकों की जेब से ही निकलेगी. ट्रंप के टैरिफ फैसले का ज्यादा असर एपल पर पड़ेगा. क्योंकि एपल की मुश्किल ये है कि उसके ज्यादातर iPhone चीन में बनते हैं. कंपनी ने भारत और वियतनाम में भी प्रोडक्शन शुरू किया है, लेकिन अभी चीन का दबदबा है. ट्रंप के 54त्न तक के टोटल टैरिफ से प्रोडक्शन महंगा हो जाएगा. रिपोर्ट के मुताबिक, Apple को टैरिफ में छूट नहीं मिली तो उसके मुनाफे पर 9त्न तक असर पड़ सकता है.

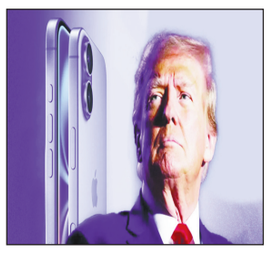

बिक्री में आएगी कमी

भारत जैसे देशों से निर्यात बढ़ सकता है, लेकिन कीमतें बढ़ने से iPhone की बिक्री पर चोट पड़ सकती है. ट्रंप कहते हैं कि ये टैरिफ अमेरिका को फायदा पहुंचाएंगे, लेकिन एक्सपर्ट का मानना है कि इससे चीजें महंगी होंगी और आम आदमी पर बोझ पड़ेगा. अब देखने वाली बात यह होगी कि एपल आईफोन की कीमतों को कैसे कंट्रोल करती है.

वित्त वर्ष 2024-25 में वाहनों की खुदरा बिक्री में छह प्रतिशत की वृद्धि: फाडा

नई दिल्ली. देश में वित्त वर्ष 2024-25 में मोटर वाहन की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर छह प्रतिशत बढ़कर 2,61,43,943 इकाई हो गई। यात्री वाहन व दोपहिया वाहन खंड में ग्रामीण क्षेत्रों का प्रदर्शन शहरी क्षेत्रों की तुलना में बेहतर रहा। वाहन डीलरों के संगठन फाडा ने यह जानकारी दी।

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने सोमवार को एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में यात्री वाहनों, दोपहिया और तिपहिया वाहनों की बिक्री में वृद्धि देखी गई। हालांकि, वाणिज्यिक वाहनों व ट्रैक्टर के पंजीकरण में वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में पिछले वित्त वर्ष में गिरावट आई। फाडा के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में 39,60,602 इकाइयों की तुलना में पिछले वित्त वर्ष में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री पांच प्रतिशत बढ़कर 41,53,432 इकाई हो गई। वहीं वित्त वर्ष 2023-24 में 1,75,27,115 इकाइयों की तुलना में दोपहिया वाहनों का पंजीकरण

आठ प्रतिशत बढ़कर 1,88,77,812 इकाई हो गया।

फाडा के अध्यक्ष सी. एस. विग्नेश्वर ने बयान में कहा, ''वित्त वर्ष 2024-25 ने वास्तव में दिखाया कि भारत का मोटर वाहन खुदरा क्षेत्र कितना लचीला हो सकता है... इस वर्ष मुख्य आकर्षण ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन रहा। उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहनों के क्षेत्र में ग्रामीण बाजारों में आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो शहरी क्षेत्रों की वृद्धि से काफी अधिक है। यात्री वाहन क्षेत्र में ग्रामीण बिक्री वृद्धि आठ प्रतिशत जबकि शहरी क्षेत्रों में यह तीन प्रतिशत रही।

वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में पिछले वित्त वर्ष में तिपहिया वाहनों की बिक्री पांच प्रतिशत बढ़कर 12,20,981 इकाई हो गई। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 में तिपहिया वाहनों की ग्रामीण बिक्री में नौ प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जबकि शहरों में बिक्री में कोई वृद्धि नहीं हुई। पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री मामूली घटकर 10,08,623 इकाई रह गई, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 10,10,324 इकाई थी।

वहीं ट्रैक्टर की बिक्री सालाना आधार पर एक प्रतिशत घटकर 8,92,410 इकाई रह गई जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 8,83,095 इकाई रही थी। फाडा के आंकड़ों के अनुसार, मार्च में मोटर वाहनों की कुल बिक्री सालाना आधार पर मामूली गिरावट के साथ 21,26,988 इकाई रही। हालांकि मार्च में यात्री वाहनों का पंजीकरण वार्षिक आधार पर छह प्रतिशत बढ़कर 3,50,603 इकाई हो गया।

पेट्रोल-डीजल होंगे सस्ते! 1 फीसदी तक घट सकतीं हैं ब्याज दरें, RBI का बड़ा ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल डेस्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा आयात शुल्क (टैरिफ) में भारी बढ़ोतरी के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर दिखाई देने लगा है। इस नीति का असर भारत समेत दुनियाभर के शेयर बाजारों में गिरावट के रूप में देखा गया है। चीन जैसे देशों ने ट्रम्प की कार्रवाई का जवाब देते हुए अमेरिकी उत्पादों पर भारी शुल्क लगा दिया है। इससे यह चिंता जताई जा रही है कि अमेरिका और चीन की अर्थव्यवस्था सुस्त पड़ सकती है जिसका असर दुनिया की आर्थिक रफ्तार पर भी पड़ेगा जिसमें भारत भी शामिल है।

भारत में मंदी का खतरा और सस्ती बचत की संभावना

गोल्डमैन सैक्स के अर्थशास्त्रियों का कहना है कि अमेरिका में टैरिफ बढ़ने से भारत की आर्थिक रफ्तार भी सुस्त हो सकती है। हालांकि इस स्थिति के एक सकारात्मक पहलू की भी संभावना है। टैरिफ युद्ध के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी का खतरा बढ़ सकता है और इससे बचने के लिए भारत को अपनी घरेलू मांग को बढ़ाने के उपाय करने होंगे। ऐसे में रिजर्व बैंक के लिए ब्याज दरों में कटौती करना एक प्रभावी तरीका हो सकता है।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने हाल ही में अपनी बैठक शुरू की है जिसमें 9 अप्रैल को फैसले की घोषणा हो सकती है। उम्मीद जताई जा रही है कि रिजर्व बैंक रेपो रेट में 0.25 की कटौती कर सकता है हालांकि यह उम्मीद अमेरिकी प्रोडक्ट्स पर 27 टैरिफ लागू होने के बाद बढ़कर 0.50 तक पहुंच सकती है। अगर यह कटौती होती है तो इसका फायदा आम नागरिकों को सस्ती ईएमआई और लोन के रूप में मिलेगा।

Bank of Japan को सता रहा डर, टैरिफ की मार से कंपनियों के मुनाफे पर मंडराया संकट

बिजनेस डेस्क. बैंक ऑफ जापान ने सोमवार को कहा है कि अमेरिकी टैरिफ के चलते कई कंपनियों को उत्पादन और मुनाफे पर असर का डर सता रहा है। BoJ ने कहा कि अब तक जापानी अर्थव्यवस्था मध्यम गति से सुधार की राह पर थी लेकिन नई टैरिफ नीति इस रिकवरी को पटरी से उतार सकती है।

BoJ की एक हालिया समीक्षा बैठक में नौ प्रमुख सेक्टरों की स्थिति का आकलन किया गया, जिसमें अधिकतर क्षेत्रों में या तो सुधार देखा गया या स्थिरता बनी रही। हालांकि, नई रिपोर्ट में कहा गया है कि अर्थव्यवस्था को लेकर अनिश्चितता बढ़ रही है और कुछ कंपनियों ने संभावित नुकसान को लेकर चिंता जताई है।

BoJ के एक अधिकारी ने बताया कि यह रिपोर्ट अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा घोषित रेसिप्रोकल टैरिफ के असर को पूरी तरह शामिल नहीं करती, क्योंकि सर्वे उस घोषणा से पहले किया गया था।

अब तक की स्थिति

विदेशी पर्यटकों की खरीदारी

और लक्जरी सामानों की मांग के चलते घरेलू खपत को सहारा मिल रहा है।कंपनियां कैपिटल एक्सपेंडिचर (Cape&) बढ़ाने के लिए अभी भी इच्छुक हैं।

कई सेक्टरों में वेतन वृद्धि हो रही है, हालांकि छोटे व्यवसायों में यह रफ्तार धीमी है।कंपनियां बढ़ती इंपोर्ट लागत का बोझ ग्राहकों पर डाल रही हैं, कुछ ने कीमतें बढ़ाने की भी योजना बनाई है।

आने वाला खतरा

ट्रंप ने जापानी ऑटोमोबाइल पर 25त्न आयात टैक्स और अन्य जापानी सामानों पर 24त्न रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने की घोषणा की है। विश्लेषकों का मानना है कि इससे जापान की आर्थिक वृद्धि दर में 0.8त्न तक की गिरावट आ सकती है। जापान जो बड़े पैमाने पर निर्यात पर निर्भर है, के लिए यह झटका गंभीर हो सकता है।

शेयर बाजार में हाहाकार, सोना औंधे मुंह गिरा, जानें अभी और कितना गिरेगा Gold?

नेशनल डेस्क. जैसे ही शेयर बाजार में 7 अप्रैल को 3,000 अंकों से अधिक की गिरावट आई, वैसे ही सोने और चांदी के दाम भी तेज़ी से नीचे गिर गए। जहां एक ओर निवेशक गिरते बाजार में मुनाफा काटने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सोने और चांदी की कीमतों में इस गिरावट ने सर्राफा बाजार को भी प्रभावित किया है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम ?2,613 घटकर ?88,401 पर आ गया, जबकि चांदी?4,535 घटकर ?88,375 प्रति किलो बिक रही है। ऐसे में निवेशकों के मन में एक सवाल है कि यह गिरावट सिर्फ अस्थायी है, या सोने की कीमतें और भी गिरने वाली हैं? तो आईए जानते है डिटेल...

इससे पहले जानकारी के लए बता दें किसोने और चांदी की कीमतों ने मार्च और अप्रैल में नए रिकॉर्ड बनाए थे। 28 मार्च को चांदी ?1,00,934 प्रति किलो और 3 अप्रैल को सोने ने ?91,205 का उच्चतम स्तर छुआ था।

निवेशकों के लिए सोने में प्रॉफिट बुकिंग

एक्सपर्ट के अनुसार, इस साल अब तक सोने ने करीब 19त्न का रिटर्न दिया है, जिससे निवेशक शेयर बाजार में हो रही गिरावट को कवर करने के लिए सोने में प्रॉफिट बुक कर रहे हैं।

इसके कारण सोने में बिकवाली का दबाव बढ़ा है, और इस ट्रेंड के चलते सोने की कीमतों में और गिरावट हो सकती है। हालांकि, जियो-पॉलिटिकल टेंशन और गोल्ड श्रृंखला में बढ़ता निवेश सोने को समर्थन प्रदान कर रहा है, और अनुमान है कि सोना इस साल ?94,000 प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है।

क्या Swiggy से हो गई बड़ी गड़बड़ी? मिला 7.5 करोड़ का टैक्स नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। फूड डिलीवरी से लेकर क्विक कॉमर्स के काम में लगी स्टार्टअप कंपनी स्विगी को अब टैक्स नोटिस मिला है. पुणे के प्रोफेशन टैक्स ऑफिसर ने स्विगी को एक नोटिस भेजकर 7.59 करोड़ रुपये के टैक्स की डिमांड की है. ये नोटिस स्विगी से एक निश्चित समयावधि में अपने कर्मचारियों की सैलरी से काटे गए प्रोफेशन टैक्स के विश्लेषण का एक असेसमेंट ऑर्डर है.

दरअसल महाराष्ट्र के स्थानीय कानून 'महाराष्ट्र स्टेट टैक्स ऑन प्रोफेशन, ट्रेड्स, कॉलिंग्स एंड एम्प्लॉयमेंट एक्ट-1975' के तहत स्विगी ने अपने कर्मचारियों की सैलरी से टैक्स काटा था. इसमें नियमों का उल्लंघन करने के चलते प्रोफेशसन टैक्स ऑफिसर ने स्विगी को टैक्स डिमांड नोटिस भेजा है. ये नोटिस अप्रैल 2021 से मार्च 2022 की अवधि के असेसमेंट के लिए भेजा गया है.

स्विगी की सफाई

इस टैक्स डिमांड नोटिस पर स्विगी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा है कि उसके ऊपर 'महाराष्ट्र स्टेट टैक्स ऑन प्रोफेशन, ट्रेड्स, कॉलिंग्स एंड एम्प्लॉयमेंट एक्ट-1975' के प्रावधानों के उल्लंघन का आरोप लगा है. कंपनी का कहना है कि उसके पास इस आदेश के

खिलाफ लड़ने के लिए पर्याप्त सबूत हैं. वह इस मामले से निपटने के लिए सभी कानूनी कदम उठा रही है.

स्विगी ऑनलाइन फूड डिलीवरी सेक्टर में काम करती है. उसके यहां काम करने वाले ज्यादातर कर्मचारी पार्टनर बेसिस पर काम करते हैं, इसलिए वह प्रोफेशनल्स के दायरे में आते हैं. कंपनी इंस्टामार्ट नाम से क्विक कॉमर्स और स्नैक नाम से इंस्टेंट फूड डिलीवरी सेगमेंट में भी काम करती है. कंपनी का कहना है कि इस टैक्स डिमांड ऑर्डर से उसके कारोबार कोई असर नहीं पड़ेगा.

स्विगी का कारोबार

स्विगी एक स्टार्टअप कंपनी थी, जिसे पिछले साल ही शेयर बाजार में लिस्ट कराया गया है. कंपनी के आईपीओ से पहले ही कई बड़े सेलिब्रिटी जैसे कि माधुरी दीक्षित, सचिन तेंदुलकर इत्यादि ने कंपनी की हिस्सेदारी खरीदी थी.

स्विगी का मुख्य फोकस इस समय क्विक कॉमर्स बिजनेस पर है ताकि वह ब्लिंकइट और जेप्टो से इस सेगमेंट में कॉम्पीटीशन कर सके.

अब तैयार घरों से महंगे हो गए हैं अंडर कंस्ट्रक्शन मकान, जानिए क्यों

एजेंसी

नयी दिल्ली। हर किसी का सपना होता है कि हमारे पास अपना खुद का घर हो, लेकिन क्या आप जानते हैं अब तैयार घर से ज्यादा महंगे हो गए हैं अंडर कंस्ट्रक्शन मकान. चलिए आपको इसके बारे में विस्तार से बताते हैं.

भारत के रियल एस्टेट प्लेटफॉर्म मैजिकब्रिक्स के नए आंकड़ों के अनुसार, भारत के रियल एस्टेट मार्केट में एक नया रुझान देखने को मिल रहा है, जहां प्रमुख शहरों में निर्माणाधीन (यूसी) मकानों की कीमतें अब रेडी-टू-मूव (आरटीएम) संपत्तियों की कीमतों से आगे निकल रही हैं.

अपार्टमेंट की औसत कीमत

दिल्ली में, तैयार-से-तैयार अपार्टमेंट की औसत कीमत 18,698 रुपए प्रति वर्ग फुट है, जबकि निर्माणाधीन घरों की कीमत बढ़कर 25,921 रुपए प्रति वर्ग फुट हो गई है. गुरुग्राम में भी यही स्थिति है, जहां यूसी घरों की औसत कीमत 17,185 रुपए प्रति वर्ग फुट तक पहुंच गई है, जो आरटीएम संपत्तियों की 14,617 रुपए प्रति वर्ग फुट की कीमत से काफी अधिक है.

सबसे महंगे रियल एस्टेट मार्केट मुंबई

यहां तक कि भारत के सबसे महंगे रियल एस्टेट मार्केट मुंबई ने भी यही किया है. निर्माणाधीन प्रॉपर्टी की कीमतें 2025 की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 33.4त्न बढ़कर 32,371 रुपए प्रति वर्ग फीट हो गई, जबकि आरटीएम घरों की कीमतें 28,935 रुपए प्रति वर्ग फीट थीं.

गिरते बाजार में इन म्यूचुअल फंडों ने किया कमाल, 3 साल में निवेशकों को किया मालामाल

एजेंसी

नई दिल्ली। शेयर बाजार में पिछले कई महीनों से बिकवाली देखने को मिल रही है. हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए जाने वाले रेसिप्रोकल टैरिफ की वजह से भी मार्केट में हाहाकार मचा हुआ है. लेकिन क्या आपको पता है कि बिकवाली और दलाल स्ट्रीट में उठा-पटक के बीच कुछ म्यूचुअल फंडों ने कमाल किया है. पिछले 3 साल में उन्होंने निवेशकों को तगड़ा रिटर्न दिया है. आइए उन म्यूचुअल फंडों के बारे में डिटेल से बताते हैं.

शेयर मार्केट में पैसा लगाने से रिटर्न तो बढ़िया मिलता है, लेकिन उसमें रिस्क भी उतना ही ज्यादा होता है. वहीं, म्यूचुअल फंड में निवेश

करना मार्केट की तुलना में कम रिस्की माना जाता है. मार्केट की उठा-पटक का असर म्यूचुअल फंड पर कम पड़ता है. आइए हम आपको कुछ ऐसे म्यूचुअल फंडों के बारे में बताते हैं, जिन्होंने निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिया है.

निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड

3 साल की भीतर शानदार रिटर्न देने वाले म्यूचुअल फंडों की लिस्ट में पहला नाम निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड है. इस म्यूचुअल फंड ने निवेशकों को पिछले तीन साल में 17.03 फीसदी का वार्षिक रिटर्न दिया है. वहीं,आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ब्लूचिप फंड ने निवेशकों को 15.30 फीसदी का रिटर्न दिया है. बड़ौदा बीएनपी परिबास लार्ज कैप फंड ने भी निवेशकों को मालामाल किया इस फंड ने इंवेस्टर्स को 3 सालों में 13.47 फीसदी का वार्षिक रिटर्न दिया है. ये डाटा 1 अप्रैल 2025 तक के रिटर्न के हैं.

केनरा और जीएम लार्ज कैप फंड का कमाल

इसके साथ पिछले 3 साल में केनरा रोबेको ब्लूचिप इक्विटी फंड ने भी निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिया है. इस फंड ने 3 साल में निवेशकों को 12.19 प्रतिशत का वार्षिक रिटर्न दिया है और जेएम लार्ज कैप फंड ने पिछले 3 साल में 12.46 फीसदी का रिटर्न दिया है.

घर पर रखते हैं कैश तो हो जाएं सावधान! इनकम टैक्स लेगा एक्शन, समझें नियम

एजेंसी

नई दिल्ली। कई लोग प्राइवेट नौकरी करते हैं तो कई अपना बिजनेस लेकिन आपको अपनी कमाई के अनुसार तो टैक्स भरना ही होता है. हर किसी की कमाई अलग-अलग होती है. लेकिन क्या आप जानते हैं आप अपने घर पर कितना कैश रख सकते हैं. चलिए आपको इसके बारे में बताते हैं. इनकम टैक्स के नियम के अनुसार घर पर कैश रखने के मामले में कोई विशेष नियम या फिर लिमिट नहीं बनाया गया है.अगर आप खुद आर्थिक रूप से सक्षम हैं तो अपने घर में कितना भी कैश रख सकते हैं. लेकिन आपके पास उस रकम का सोर्स होना चाहिए. अगर किसी भी जांच एजेंसी की ओर से आपसे पूछताछ की जाती है तो आपको सोर्स दिखाना होगा. इसके साथ ही आईटीआर डिक्लेरेशन भी आपको दिखाना होगा.

आईटीआर डिक्लेरेशन और सोर्स बताना होगा

अगर आप पैसों का सोर्स नहीं बता पता हैं तो इसके कारण आप बड़ी मुश्किल में फस सकते हैं. ऐसे में इनकम टैक्स विभाग की ओर से इस बात की जांच की जाती है कि आपने कितना टैक्स भरा है.

अगर कैलकुलेशन में अनडिस्कलोज कैश मिलता है तो इनकम टैक्स विभाग की ओर से आपके खिलाफ एक्शन भी लिया जा सकता है और आपसे अच्छी -खासी पेनल्टी भी वसूल की जा सकती है. आयकर विभाग कार्रवाई करने से पहले इनकम का सोर्स पूछता है. जब आप अपने सोर्स की जानकारी नहीं दे पाते हैं तब एक्शन लिया जाता है. ऐसे में कैश को जब्त भी कर लिया जाता है. कई बार गिरफ्तारी भी होती है.

पैन कार्ड दिखाना होगा

बता दें, कि सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्स के मुताबिक आप अपने खाते में एक बार में 50 हजार रुपए से ज्यादा कैश निकालते हैं या फिर जमा कराते हैं तो आपको अपना पैन कार्ड दिखाना होगा. अगर किसी व्यक्ति ने पिछले 3 साल से इनकम टैक्स रिटर्न फाइल नहीं किया है और एक वित्तीय वर्ष में बैंक से 20 लाख रुपए से अधिक रकम निकालता है तो उसे 20 लाख रुपए के ट्रांजैक्शन पर 2 फीसदी और 1 करोड़ रुपए से अधिक के ट्रांजैक्शन पर 5 फीसदी तक का टीडीएस देना पड़ेगा. लेकिन जिन लोगों ने आईटीआर भरा है, उनको इस मामले में थोड़ी राहत मिल सकती है.

टैरिफ की मार से दुनियाभर के बाजार में 'भूकंप', ट्रंप बोले- कई बार देनी पड़ती है दवा

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ नीति से अमेरिकी शेयर बाजार समेत दुनियाभर में हाहाकार मचा हुआ है. ट्रंप के फैसले के बाद कई देशों में 12 त्न से ज्यादा की गिरावट देखने को मिल रही है. लगातार हो रही इस गिरावट ने सबके माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं. प्रेसिडेंट ट्रंप से जब टैरिफ वार को लेकर सवाल किया तो उनका हैरान कर देने वाला जवाब सामने आया है.

ट्रंप से जब सवाल किया गया कि टैरिफ लगाए जाने के बाद दुनियाभर में गिरावट देखने को मिल रही है, इस पर आप क्या कहेंगे? इस सवाल के जवाब में ट्रंप ने बयान दिया कि मैं नहीं चाहता कि कुछ भी गिरे, लेकिन, कभी-कभी, आपको कुछ चीजों को ठीक करने के लिए ऐसी दवाइयां पिलानी पड़ती हैं.ट्रंप के इस बयान के बाद ऐसा कहा जा रहा है कि उनको दुनिया भर में बाजारों में मचे हाहाकार से उन्हें कोई खास फर्क नहीं पड़ रहा है. अमेरिकी शेयर बाजार में भयंकर गिरावट देखने को मिल रही है.

दुनियाभर के शेयर मार्केट धड़ाम

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नई टैरिफ पॉलिसी लागू किए जाने के बाद से दुनियाभर के शेयर बाजार में कोहराम मचा हुआ है. फार्मा, आईटी और ऑटो सेक्टर के शेयरों में भारी गिरावट देखी जा रही है. ऑस्ट्रेलिया स्टॉक मार्केट में 6 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट देखने को मिल रही है, वहीं साउथ कोरिया के बाजार में 5 प्रतिशत, जापान में 10 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट देखी गई है.

ट्रंप के फैसले का असर पूरी दुनिया पर हो रहा है. चीन का मार्केट 10 प्रतिशत डाउन है तो वहीं हांगकांग का मार्केट 10 प्रतिशत से ज्यादा गिर गया है.

अमेरिकी शेयर बाजार वॉल स्ट्रीट पर नजर रखने वाले एक्सपर्ट की माने तो बाजार में अभी 15-20त्न प्रतिशत की और गिरावट देखने को मिल सकती है. एक्सपर्ट की इस भविष्यवाणी के बाद लोगों की टेंशन बढ़ गई है.

मंदी का खतरा मंडराया

अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर 26 टैरिफ लगाया और अन्य देशों पर 10 आयात शुल्क लगाया. चीन ने पलटवार करते हुए 34 प्रतिशत टैरिफ लगाया तो वही कनाडा ने अमेरिकी वाहनों पर 25 टैरिफ लगा दिया है. इसके कारण लोगों में टेंशन का माहौल है. आयात किए गए सामानों पर लगाए गए 10 के नए टैरिफ और दर्जनों देशों पर लगाए गए जवाबी टैरिफ से व्यापारी घबरा गए हैं. यही कारण है बड़ी मात्रा में बाजार से पैसा बाहर निकाला जा रहा है, जिससे भारी गिरावट देखने को मिल रही है.ट्रंप के टैरिफ फैसले से वैश्विक बाजारों में महंगाई की आशंका बढ़ी है, जिससे मंदी का खतरा गहराता दिख रहा है. विशेषज्ञों का मानना है कि टैरिफ के कारण आयातित सामानों की कीमतें बढ़ेंगी.

गर्मी में बनाएं गोंद कतीरा की ये 4 टेस्टी ड्रिंक, हेल्थ भी रहेगी दुरुस्त

गर्मी के दिनों में ठंडी चीजें खाने का मन करता है. इसके लिए लोग कोल्ड ड्रिंक्स, आइसक्रीम का सेवन बढ़ा देते हैं, लेकिन हेल्दी रहना हो तो ऐसी चीजें खानी चाहिए जो शरीर के टेंपरेचर को कंट्रोल करने में हेल्प करें यानी ठंडी तासीर के फूड्स. गोंद कतीरा भी ठंडी तासीर का होता है और पोषक तत्वों से भरपूर होता है. गर्मी के लिए ये एक बेहतरीन चीज है. गोंद कतीरा की ड्रिंक रिफ्रेशिंग फील देती हैं और हेल्थ को भी कई फायदे मिलते हैं. गोंद कतीरा की अलग-अलग ड्रिंक्स शरीर को ठंडक दिलाने के साथ ही लू से बचाव करेंगी और स्किन हेल्दी रहना, हड्डियां मजबूत होना जैसे कई फायदे मिलते हैं.

गोंद कतीरा में कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं. इसकी ड्रिं गर्मी में डिहाइड्रेट होने से बचाएंगी, साथ ही इससे पाचन को सुधारने, एनर्जी बूस्ट करने, हार्मोनल बैलेंस करने, बालों को हेल्दी बनाने जैसे फायदे भी होते हैं. तो चलिए जान लेते हैं गोंद कतीरा की ऐसी ही 4 ड्रिंक्स.

गोंद कतीरा की ये ड्रिंक बूस्ट करेंगी एनर्जी

गर्मी में गोंद कतीरा और नारियल पानी दोनों ही चीजों का सेवन बेहद फायदेमंद रहता है. इसके लिए सब्जा सीड्स को पानी में भिगो दें. इसके साथ ही 6-7 टुकड़े गोंद कतीरा भी एक बाउल में लेकर पानी में भिगोकर रख दें. एक घंटे में दोनों चीजें अच्छी तरह से फूल जाएंगी. अब नारियल पानी लें और इसमें एक से डेढ़ चम्मच गोंद कतीरा और इतने ही सब्जा सीड्स को मिला दें. इसमें थोड़ा सा नींबू का रस भी एड करें. तैयार है रिफ्रेशिंग गोंद कतीरा ड्रिंक.

चटपटी मिंट गोंद कतीरा ड्रिंक

सबसे पहले एक तरफ सब्जा सीड्स और गोंद कतीरा को पानी में भिगोकर रख दें. पुदीना की पत्तियों को डंडियों से अलग कर लें. इसमें नींबू, काला नमक, चाट मसाला और भुना जीरा डालें. इन सारी चीजों को ग्राइंड करके पेस्ट बना लें. अब एक गिलास में ठंडा पानी लें और उसमें ये पेस्ट मिला दें. साथ ही में सब्जी सीड्स और आइस क्यूब्स डालें. ड्रिंक को कंप्लीट करने के लिए गोंद कतीरा भी एड कर दें.

गोंद कतीरा की टेस्टी स्मूदी

आप गोंद कतीरा की टेस्टी स्मूदी भी बना सकते हैं. गर्मी में आम काफी पसंद किए जाते हैं तो चलिए जान लेते हैं गोंद कतीरा की ये मैंगो स्मूदी कैसे बनाएं. सब्जा सीड्स को पानी में भिगो दें. गोंद कतीरा को भी भिगों और पके हुए आम का पल्प निकालकर स्मूद पेस्ट बना लें. इसके बाद गिलास में सबसे पहले गोंद कतीरा की लेयर बिछाएं, फिर सब्जा सीड्स डालें और इसके बाद एड करें मैंगो का पल्प. अब सबसे ऊपर इसमें डालें ठंडा दूध. अगर मीठा चाहिए तो शहद एड कर सकते हैं.

गोंद कतीरा और दूध की ड्रिंक

आप गोंद कतीरा को गुनगुने दूध में भी ले सकते हैं या फिर इसकी ठंडी रिफ्रेशिंग ड्रिंक भी बनाकर तैयार की जा सकती है. इसके लिए गोंद कतीरा को दो से तीन घंटे पानी में भिगो दें और फिर दूध को उबालकर ठंडा कर लें. इसमें गोंद कतीरा एड करें. थोड़ी सी चीनी, गुड़ या फिर शहद को मिठास के लिए एड करें. इस ड्रिंक में आप किशमिश, खजूर, बादाम, काजू जैसे नट्स भी मिला सकते हैं जो इस ड्रिंक को और भी हेल्दी बना देंगे.

चिंताजनक है ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति

विकसित देशों में ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा कवरेज के साथ भी भारी समस्याएं हैं। अमेरिका में लगभग 15 प्रतिशत लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं। रहने की कम लागत और जीवन की धीमी गति के कारण ग्रामीण समुदाय में रहने का विकल्प चुनने वाले लोगों को भी स्वास्थ्य सेवा चुनौतियों का विशेष रूप से सामना करना पड़ता है। उच्च रक्तचाप और मोटापे जैसी पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं वाले बुजुर्ग लोगों का प्रतिशत अधिक हैप्रसव पीड़ा की मारी एक महिला रात में अस्पताल पहुंचने के लिए पहाड़ी के पांच किलोमीटर रास्ते को कैसे पार करती है? जिस परिवार के पास दूध या अंडे खरीदने की ताकत न हो और उस परिवार में सिलिकोसिस और तपेदिक से गंभीर रूप से पीड़ित कु पोषित युवक हो उस परिवार को आप क्या पोषण सलाह देते हैं? उस बीमार बच्चे का क्या होगा जहां निकटतम स्वास्थ्य सुविधा 20 किमी दूर है और वहां परिवहन की कोई सुविधा उपलब्ध न हो? दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में, जो अस्वच्छता, बाढ़ और कुपोषण से बुरी तरह प्रभावित हैं, वहां आप मलेरिया, डायरिया, हैजा जैसी बीमारियों का मुकाबला कैसे करेंगे? हम इन्हें अक्सर ग्रामीण भारत में स्थितियों के रूप में देखते हैं पर वे इस देश तक सीमित नहीं हैं। ये कहानियां दुनिया भर में मौजूद हैं। विकासशील और विकसित देशों के बीच भारी अंतर के बीच दुनिया भर में ग्रामीण स्वास्थ्य की पहुंच एक प्रमुख मुद्दा है। स्वास्थ्य और आधुनिक संसाधन आम तौर पर शहरों में केंद्रित होते हैं। सभी देशों में परिवहन और संचार संबंधी मुश्किलें हैं और वे सभी देश ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में डॉक्टरों व अन्य स्वास्थ्य पेशेवरों की कमी की चुनौती का सामना करते हैं। इन समस्याओं पर 4 अप्रैल से बेंगलुरु में शुरू हुए तीन दिवसीय विश्व ग्रामीण स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन में चर्चा होगी।शहरी क्षेत्रों में 22 प्रतिशत आबादी तक स्वास्थ्य सेवाओं और कवरेज की पहुंच है जबकि इसकी तुलना में दुनिया भर में ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं और कवरेज 56 फीसदी से कम है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया में 10.3 करोड़ स्वास्थ्य कर्मियों की कमी का दो तिहाई भाग ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में है। %ग्रामीण स्वास्थ्य संरक्षण में असमानताओं पर वैश्विक साक्ष्य% शीर्षक से मई 2015 की रिपोर्ट में %174 देशों के लिए स्वास्थ्य कवरेज में ग्रामीण घाटे पर नया डेटा%, नामक लेख में ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के बीच प्रमुख स्वास्थ्य पहुंच असमानताओं का खुलासा किया गया है। यह असमानता विशेष रूप से अफ्रीका में स्पष्ट दिखायी देती है जहां ग्रामीण आबादी के एक बड़े हिस्से तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच का अभाव है।हालांकि घाटा हर जगह महसूस किया गया लेकिन कम आय वाले देशों और धन के असमान वितरण वाले देशों में यह अंतर बहुत अधिक है। उदाहरण के तौर पर देखें तो नाइजीरिया की जीडीपी अफ्रीका में सबसे ज्यादा है लेकिन इसकी प्रति व्यक्ति आय लगभग 2,000 अमरीकी डालर से कम है। यहां की जनसंख्या 20.6 करोड़ है। यह अफ्रीका का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। यहां आय का अत्यधिक असमान वितरण है जो इसे अमीर और बहुत गरीब दोनों बनाता है। देश की आबादी का लगभग 40 फीसदी हिस्सा गरीबी और विषम सामाजिक परिस्थितियों में रहता है जो बीमारियां पैदा करते हैं जिसे आउट-ऑफ-पॉकेट खर्च से विनाशकारी उच्च स्वास्थ्य व्यय के नाम से जाना जाता है। नाइजीरियाई स्वास्थ्य देखभाल खर्च, लगभग 80प्रति सैकड़ा आउट-ऑफ-पॉकेट खर्च (वह खर्च जो आप अपनी जेब से करते हैं, जिसकी प्रतिपूर्ति या रिइम्बर्समेंट बाद में हो सकता है या नहीं भी हो सकता)। इसका मतलब यह है कि व्यक्ति स्वास्थ्य बीमा या सरकारी धन पर निर्भर रहने के बजाय सीधे स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भुगतान करते हैं। भारत में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय का कहना है कि पिछले पांच वर्षों में कुल स्वास्थ्य व्यय के प्रतिशत के रूप में आउट-ऑफ-पॉकेट व्यय में लगातार गिरावट देखी गई है जो 2017-18 में 48.8 प्रति सैकड़ा से घटकर 2021-22 में 39.4 फीसदी हो गई है।विकसित देशों में ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा कवरेज के साथ भी भारी समस्याएं हैं। अमेरिका में लगभग 15 प्रतिशत लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं। रहने की कम लागत और जीवन की धीमी गति के कारण ग्रामीण समुदाय में रहने का विकल्प चुनने वाले लोगों को भी स्वास्थ्य सेवा चुनौतियों का विशेष रूप से सामना करना पड़ता है। उच्च रक्तचाप और मोटापे जैसी पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं वाले बुजुर्ग लोगों का प्रतिशत अधिक है जो क्लीनिक या अस्पतालों तक कम पहुंच रखते हैं। ये आंकड़े सिर्फ यह दिखाने के लिए है कि अमीर माने जाने वाले देश स्वास्थ्य सेवा के मामले में ग्रामीण-शहरी विभाजन को देखते हुए कोई अच्छी हालत में नहीं हैं।उदाहरण के तौर पर नीदरलैंड एक छोटा व विकसित देश है जिसमें उच्च जनसंख्या घनत्व है और जिसे अपेक्षाकृत कम दूरी को देखते हुए अन्य देशों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में मामूली पहुंच के मुद्दों के कारण कोई समस्या नहीं होनी चाहिए, लेकिन शहरी और ग्रामीण नगरपालिकाओं में जनसंख्या घनत्व में अंतर बड़ा है तथा ग्रामीण इलाकों से शहरी क्षेत्रों में युवाओं के बढ़ते अप्रवासन के कारण ग्रामीण विरल आबादी की समस्याएं बढ़ रही हैं। यह समस्या मुख्य रूप से पीछे छूट गए लोगों की बढ़ती स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों की मांगों के कारण है जिन्हें पूरा नहीं किया जा रहा।ग्रामीण जनता खराब स्वास्थ्य, पहुंच की कमी और गरीबी के चक्र में फंसी हुई है। 1992 के बाद से फैमिली डॉक्टरों के विश्व संगठन डब्ल्यूओएनसीए (वर्ल्ड ऑर्गनाडजेशन ऑफ नेशनल कॉलेज एकेडेमिज़ एंड एकेडेमिक एसोसिएशन ऑफ जनरल प्रेक्टिशनर्स, फैमिली फीजिशियन्स) ने ग्रामीण स्वास्थ्य पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया है। उक्त संगठन के माध्यम से किया गया यह अध्ययन मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों की प्रैक्टिस पर आधारित है जिसने विश्व ग्रामीण स्वास्थ्य सम्मेलनों और डब्ल्यूओएनसीए ग्रामीण नीतियों के माध्यम से ग्रामीण स्वास्थ्य के मुद्दों पर ध्यान आकर्षित किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का डब्ल्यूओएनसीए के साथ समझौता है जिसमें ग्रामीण स्वास्थ्य पहल शामिल है। 20 साल से अधिक समय पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन और वोंका ने ग्रामीण स्वास्थ्य पर एक प्रमुख विश्व स्वास्थ्य संगठन - डब्ल्यूओएनसीए आमंत्रण सम्मेलन आयोजित किया था। इस सम्मेलन ने ग्रामीण स्वास्थ्य पर वैश्विक पहल की एक विशिष्ट कार्य योजना शुरू की। फिर भी, वास्तव में कुछ नहीं हुआ है। इसके बावजूद दुनिया भर के ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर काम करने वाले अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय निकायों के संयुक्त ठोस प्रयासों के माध्यम से ग्रामीण लोगों के लिए %सभी के लिए स्वास्थ्य% का नजरिया प्राप्त होने की अधिक संभावना है।भारत में ग्रामीण स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे अन्य देशों की तुलना में अधिक हैं। वहां युवा डॉक्टरों को गांवों और दूरदराज के क्षेत्रों में समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनाने जैसी पहल चल रही हैं। इस साल अक्टूबर में भारत भर के युवा डॉक्टरों का एक समूह उदयपुर शहर से 25 किलोमीटर दूर एक गांव इसवाल में बैठक करेगा जो बेसिक हेल्थकेयर सर्विसेज द्वारा आयोजित ग्रामीण संवेदीकरण कार्यक्रम (आरएसपी) में भाग लेगा। यह राजस्थान की एक गैर-लाभकारी संस्था है जो राज्य में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चलाती है। आरएसपी तीन दिवसीय क्षेत्रीय कार्यक्रम है जो इस समूह को एक ओर अच्छी तरह से काम करने वाली प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं और दूसरी तरफ ग्रामीण व आदिवासी समुदायों के प्रतिदिन के जीवन और संघर्षों को उजागर करने की उम्मीद रखता है। आरएसपी कई युवा डॉक्टरों के बीच कॉर्पोरेट अस्पतालों, फार्मा कंपनियों और कमीशनखोरी की वास्तविक दुनिया से बढ़ते मोहभंग के जवाब में उभरा है। उन्हें किस तरफ जाना चाहिए? इसका जवाब ग्रामीण भारत दे सकता है क्योंकि वह अपनी स्वास्थ्य सेवाओं संबंधी समस्याओं से बाहर आने के लिए संघर्ष कर रहा है। हमें समुदाय के करीब आधारित स्वास्थ्य सेवा मॉडल की आवश्यकता होगी जो नैतिक और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा का प्रैक्टिस करते हैं। ग्रामीण संवेदीकरण शेष विश्व के लिए मार्गदर्शक हो सकता है।

संपादकीय

टैरिफ की चुनौती

पूरी दुनिया को टैरिफ युद्ध की चेतावनी देने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ने अब इसे हकीकत बना दिया है। तमाम विकासशील व विकसित देशों के साथ भारत भी इसकी जद में आया है। मौके की नजाकत को समझते हुए भारत ने हालात से समझौता करने का निर्णय किया है। कमोबेश, इसके तहत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ के मुकाबले लगाए गए टैरिफ को स्वीकार कर लिया गया है। वहीं दूसरी ओर यूरोपीय संघ, चीन और कनाडा ने अपने-अपने देशों के आर्थिक हितों की रक्षा करने के लिये जवाबी कदम उठाने की तैयारी शुरू कर दी है। भारत के लिये अच्छी बात यह है कि हमारे मुख्य प्रतिस्पर्धी-चीन, वियतनाम,बांग्लादेश और थाईलैंड पर हम से कहीं अधिक शुल्क लगाया गया है।

नई दिल्ली को यह भी उम्मीद है कि वाशिंगटन के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर काम चल रहा है, जिसके जरिये घरेलू उद्योग को टैरिफ वृद्धि के दुष्प्रभावों से निपटने में मदद मिल सकती है। वैसे देखा जाए तो भारत के लिये प्रतिकूल परिस्थितियों में भी एक अवसर मौजूद हैं। इस दौरान भारत को व्यापार करने में आसानी बढ़ाने तथा लाभांश प्राप्त करने के लिये अपने बुनियादी ढांचे में अधिक निवेश करने की आवश्यकता है। इससे आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को भी बल मिलेगा। ध्यान रहे कि ऐसा ही अवसर भारत के सामने तब भी आया था जब कोविड-19 महामारी के चलते चीन के उत्पादन की रफ्तार धीमी हो गई थी। चीन ने ऐसा कदम लंबे समय से चली आ रही जीरो टॉलरेंस की कोविड नीति के चलते उठाया था। जिसके चलते अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों को विकल्प तलाशने के लिये प्रेरित किया था। लेकिन भारत इसके बावजूद हालात का ज्यादा लाभ नहीं उठा पाया था। विडंबना ये रही कि वियतनाम और थाईलैंड वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में उत्पन्न व्यवधानों का अधिकतम लाभ उठाने में भारत से आगे निकल गए। अतीत से सबक लेकर भारत को नई स्थितियों का लाभ उठाने के लिये बेहतर ढंग से तैयार रहना चाहिए।

वैसे इन हालात में बहुत कुछ भारत की तुलना में ट्रंप के टैरिफ से अधिक प्रभावित देशों की प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगा। इन स्थितियों में एक चिंताजनक संभावना यह भी है कि चीन और वियतनाम जैसे देश पहले से ही अमेरिका के लिये निर्धारित अपने निर्यात को भारत में भेजने की कोशिश कर सकते हैं। जिसमें कम लागत वाले सामानों के जरिये भारतीय बाजारों को प्रभावित करने की कोशिश की जा सकती है। भारतीय बाजार तो पहले ही चीन के सस्ते उत्पादों से पटे पड़े हैं। जिससे दोनों देशों में व्यापार असंतुलन की स्थिति बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023-24 के वित्तीय वर्ष में दोनों देशों के बीच व्यापार में हमारा घाटा 85 बिलियन डॉलर तक जा पहुंचा है।

वैसे चिंता की बात यह भी है कि भारत ने बीजिंग के साथ व्यापार घाटे को कम करने की दिशा में कुछ खास कदम नहीं उठाये हैं। हालांकि, भारत ने कुछ चीनी उत्पादों पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी जरूर लगाई है। इसका मकसद स्वदेशी उत्पादों को पड़ोसी देश के सस्ते आयात से संरक्षण देना ही था। ऐसे में ट्रंप के टैरिफ से होने वाले नुकसान को कम करने की योजना को लागू करते वक्त इस बात को सुनिश्चित करने के प्रयासों के साथ चलन होगा कि कहीं चीन भारत को प्रतिस्पर्धा के बाजार में शिकस्त न दे दे। आज जब भारत दुनिया का सबसे अधिक युवाओं वाला देश है तो हमें अपनी श्रमशक्ति के बेहतर उपयोग की दिशा में गंभीरता से सोचना होगा सबसे महत्वपूर्ण बात है कि हम कौशल विकास पर अपना ध्यान केंद्रित करें।

कुशल कामगारों से हम वैश्विक चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम हो सकते हैं। साथ ही विदेश निवेश बढ़ाने के साथ ही घरेलू निवेश को गति देने की दिशा में गंभीरता से सोचना होगा। अमेरिका समेत अन्य देशों में जो मंदी की आहट महसूस की जा रही है, उससे हम तभी अपनी अर्थव्यवस्था को सुरक्षा दे सकेंगे। निस्संदेह, आने वाले दिनों में यह टैरिफ युद्ध दुनिया में और अधिक विस्तार ले सकता है। भारत को अपने निर्यात को अन्य देशों में बढ़ाने की दिशा में भी सोचना होगा।

नीति, दृढ़संकल्प व करिश्माई नेतृत्व के दम पर राजनीति के शिखर पर भारतीय जनता पार्टी

सबका साथ, सबका विकास÷ की विचारधारा से ओतप्रोत हो सशक्त, सुदृढ़, समृद्ध, समर्थ, स्वावलम्बी एवं विश्वगुरु भारत के निर्माण के लिए पूरी निष्ठा व ईमानदारी से समर्पित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 6 अप्रैल को हर्षोल्लास के साथ स्थापना दिवस मना रही है, भाजपा के प्रदेश व राष्ट्रीय नेतृत्व के द्वारा जिले, प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन की श्रृंखलाएं चलाई जा रही है, विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से भाजपा की विचारधारा व केंद्र व भाजपा शासित राज्य सरकारों की नीतियों को लेकर के अधिक से अधिक लोगों के पास कैसे पहुंचा जाएं, देश व प्रदेशों का भाजपा नेतृत्व इसकी रणनीति निरंतर बना रहा है। वह अब भी यह देखकर संतुष्ट नहीं हैं कि उसने केंद्र में लगातार तीसरी बार सरकार बनाकर के इतिहास रचने का कार्य कर दिया है, आज भी भाजपा के नेता व कार्यकर्ता निस्वार्थ भाव से पार्टी को ओर मजबूत करने में दिन-रात लगें हुए हैं, जो भाजपा संगठन की एक बहुत ही बड़ी खूबी है और उसको अन्य पार्टियों से अलग बनाती है।

देश की आज़ादी के बाद कभी डॉक्टर श्याम प्रसाद मुखर्जी, प्रोफेसर बलराज मधोक व पंडित दीनदयाल उपाध्याय के कुशल मार्गदर्शन में शून्य से अपनी राजनीति की शुरुआत करने वाली जनसंघ से लेकर के जनता पार्टी तक का सफ़र करते हुए भाजपा की स्थापना और फिर उसको देश व दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनाने तक के कठिन सफ़र में भाजपा के लाखों करोड़ों निस्वार्थ भाव से लगे हुए संगठन शिल्पी नेताओं व कार्यकर्ताओं का बहुत ही अहम अनमोल योगदान रहा है, उन लोगों की त्याग, तपस्या, लगन, मेहनत, बलिदान से भाजपा आज इस मुकाम पर खड़ी है। भाजपा के कार्यकर्ताओं की इस मेहनत के इतिहास से भारत की राजनीति में रुचि रखने वाले लोगों को रूबरू अवश्य होना चाहिए। अस्सी के दशक में जनता पार्टी से अलग होकर के किस तरह से अटल बिहारी वाजपेयी व उनके अन्य सहयोगियों ने भारतीय जनता पार्टी का देश में विस्तार करने का एक सपना देखा था और उस सपने को उन सभी ने मिलकर के धरातल पर साकार करते हुए केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार का गठन करने वाले अहम मुकाम तक पहुंचाने का कार्य बखूबी से किया था।वहीं इस सपने को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की जोड़ी ने आगे बढ़ाते हुए केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन की लगातार तीसरी बार सरकार बनाकर देश में व्याप्त ज्वलंत मुद्दों का एक-एक करके स्थाई समाधान करते हुए भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए काम करना निरंतर जारी रखा हुआ है। भाजपा दशकों के बाद आज भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित ÷एकात्म-मानवदर्शन÷ को अपने वैचारिक दर्शन के सिद्धांतों पर पूरी तरह से अमल करती है। भाजपा का हमेशा अंत्योदय, सुशासन, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, विकास एवं सुरक्षा पर भी विशेष जोर रहा है, जो देश व समाज के हित में पूरी तरह से उचित है। भाजपा ने पांच प्रमुख सिद्धांतों के प्रति भी अपनी निष्ठा व्यक्त की, पांच सिद्धांत राष्ट्रवाद एवं राष्ट्रीय अखंडता, लोकतंत्र, सकारात्मक पंथ-निरपेक्षता, गांधीवादी समाजवाद तथा मूल्य आधारित राजनीति करना हैं।अपने सिद्धांतों के चलते ही स्थापना के समय से ही भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी खूबी यह रही कि उसके पास पार्टी व देशभक्ति की विचारधारा से ओतप्रोत राजनेताओं की एक लंबी जमात हमेशा रही है। पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, डॉक्टर मुरली मनोहर जोशी, कुशाभाऊ ठाकरे, बंगारू लक्ष्मण, के. जना कृष्णामूर्ति, एम वेंकैया नायडू, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, अमित शाह, जेपी नड्डा के कार्यकाल का दौर निकट से देखा है और अटल बिहारी वाजपेयी व नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करते हुए भी देखा है, सभी का ÷राष्ट्र प्रथम÷ का ही उद्देश्य मुख्य रहा है। भाजपा के कार्यकर्ताओं ने पार्टी की स्थापना से लेकर आज तक भी भाजपा को कभी किसी एक परिवार व व्यक्ति की बपौती नहीं बनने दिया है, पार्टी में आज भी आंतरिक लोकतंत्र जिंदा है। देश व दुनिया में भाजपा की पहचान एक ऐसे राष्ट्रवादी राजनैतिक दल के रूप होती है, जिसका ध्येय देश में सुशासन, विकास, एकता एवं अखंडता के लिए कार्य करना है।

भाजपा ने एक राजनैतिक दल के रूप में शुरुआत से लेकर के आज तक राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय एवं जनहित के मुद्दों को बहुत ही दमदार ढंग से उठाते हुए, देश के आम जनमानस के बीच बेहद ही कम समय में अपनी एक सशक्त पहचान बनाने का कार्य किया है। साथ ही बीतते हुए समय के साथ भाजपा के कर्ताधर्ताओं ने अपनी चाणक्य नीति व कुशल-कारगर ठोस रणनीति के दम पर देश की राजनीति व लोकतंत्र में अपनी भागीदारी दर्ज करते हुए बहुत सारे राज्यों व केंद्र में लगातार तीसरी बार सरकार बना कर देश की राजनीति को नए आयाम देने का कार्य करते हुए, देश के आम जनमानस के दिलो-दिमाग पर छा जाने का कार्य बखूबी किया है।

भारत के राजनैतिक इतिहास को देखें तो यह स्पष्ट रूप से नज़र आता है कि वर्ष 2014 से देश की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी का स्वर्णिम काल का दौर चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व के दम पर भारतीय जनता पार्टी ने ना केवल तीसरी बार केंद्र की सत्ता पर कब्जा जमाने का काम किया है, बल्कि भाजपा के नाम देश व दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी होने का कीर्तिमान भी दर्ज हो गया है, राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा लगभग 11 करोड़ से अधिक सदस्यों वाली विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी बन गई है। भाजपा आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व अमित शाह की जोड़ी के करिश्माई नेतृत्व में आज एक ऐसा बेहद विशाल वट वृक्ष बन गई है, जिस पर भरोसा करते हुए देश की लगभग 50 से 60 फीसदी के करीब आबादी सकून से जीवन यापन कर रही है।

नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व में वर्ष 2014 में पहली बार केंद्र में भाजपा को पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने अवसर मिला था। जिसके बाद से ही भाजपा ने ÷सबका साथ, सबका विकास÷ के सिद्धांत पर अमल करते हुए देश के नव निर्माण का अभियान शुरू कर रखा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने बहुत ही कम समय में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल करने का कार्य किया है। मोदी सरकार ने विश्व भर में भारत की गरिमा को पुनर्स्थापित करने का कार्य किया है। मोदी सरकार में अन्त्योदय, सुशासन, विकास एवं समृद्धि के रास्ते पर देश तेजी के साथ बढ़ चला है। आर्थिक और सामाजिक सुधार सुरक्षित जीवन जीने का मार्ग उपलब्ध करा रहे हैं। केंद्र सरकार की किसानों के लिये ऋण से लेकर खाद तक की नयी नीतियों, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, सॉयल हेल्थ कार्ड आदि ने कृषि के तीव्र विकास की अलख जगायी है। मोदी के नेतृत्व में देश में सुशासन के नये युग का दौर चल रहा है। मोदी सरकार की चाहे आदर्श ग्राम योजना हो, स्वच्छता अभियान या फिर योग के सहारे भारत को स्वथ्य बनाने का अभियान, इन सभी कदमों से देश को एक नयी ऊर्जा मिली है। भाजपा की मोदी सरकार ने मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, अमृत मिशन, दीनदयाल ग्राम ज्योति योजना, डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं से देश को आधुनिक और सशक्त बनाने की दिशा में मजबूत कदम उठाया है। जनधन योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढाओ, सुकन्या समृद्धि योजना, आयुष्मान भारत जैसी अनेक योजनाएं देश में एक नयी क्रांति का सूत्रपात कर रही हैं, देश में केंद्र सरकार के द्वारा बड़े पैमाने पर विश्वस्तरीय अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण किया जा रहा है। भाजपा सरकार ने देशवासियों को विश्व की सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा योजना का उपहार दिया है। राम मंदिर निर्माण, धारा 370, नोटबंदी, ट्रिपल तलाक, वक्फ बिल आदि भाजपा सरकार के दृढ़ संकल्प को दर्शाती हैं।

भारतीय जनता पार्टी की नीतियों को देखकर लगता है कि वह एक सुदृढ़, सशक्त, समृद्ध, समर्थ एवं स्वावलम्बी भारत के निर्माण हेतु निरंतर सक्रिय हैं, विदेशी नीति के मसले पर भारत सरकार अब विश्व शांति तथा एक न्याययुक्त अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को स्थापित करने के लिए विश्व के राष्ट्रों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। भाजपा सरकार में भारत वैश्विक मंच पर दमदार ढंग से अपनी बात रखने की ताकत रखता है। भाजपा की कल्पना भारत को एक ऐसे ताकतवर राष्ट्र बनाने की है, जिसकी निवासी खुशहाल हो, जो आधुनिक दृष्टिकोण से युक्त एक प्रगतिशील एवं प्रबुद्ध समाज का प्रतिनिधित्व करता हो तथा प्राचीन भारतीय सभ्यता एवं सनातन धर्म संस्कृति तथा उसके मूल्यों से प्रेरणा लेते हुए महान विश्वशक्ति एवं विश्वगुरू के रूप में विश्व पटल पर स्थापित हो।

दवाएं भी दे सकती हैं दगा

दवाएं उतनी ही मात्रा में लेना चाहिए जितनी चिकित्सक ने लिखी हों। इससे कम या अधिक नुकसानदायक हो सकती हैं। अब तक ऐसी कोई औषधि नहीं है, जिसके कोई साइड इफेक्ट्स न हों। अतः अपने मन से खाई गई कोई दवा, जहर भी हो सकती है।

जीवन की रक्षा करने वाली दवाइयां हमेशा सुरक्षित नहीं होती हैं। यदि आप चिकित्सक की सलाह के बिना इन्हें मनमाने तरीके से ले रहे हो तो ये खतरनाक भी हो सकती हैं।

कोर्स और डोज पर दें ध्यान

लगभग सभी बीमारियों में दवाइयों की निश्चित मात्रा निर्धारित समय तक ही दी जाती है। खुराक एवं मात्रा में से किसी भी एक का ध्यान न रखा जाए तो ये दवाइयां खतरनाक हो सकती हैं। दमा के तेज अटैक से तुरंत राहत के लिए चिकित्सक ओरल स्टीरायड्स मरीज को देते हैं, लेकिन देखा गया कि करीब 5 से 10 प्रतिशत मरीज उन पर्चों को संभालकर रख लेते हैं ताकि जब दोबारा अटैक आए तो वही दवा फिर से खा लें। कई मरीज तो चिकित्सक को बिना बताए हफ्तों और यहां तक कि महीनों भी अपने मन से स्टेरायड्स खाते रहते हैं। इसके गंभीर परिणाम होते हैं। इसी तरह ब्लड प्रेशर की दवाइयों की खुराक बिना रक्तचाप नापे ज्यादा या कम नहीं करना चाहिए।

कहीं ऐसा तो नहीं करते

कई मरीजों के परिजन अस्पताल के आईसीयू में यह कहते हुए सुनाई पड़ते हैं कि हमारे मरीज को रक्तचाप की शिकायत अर्से से है और वे नियमित दवा खाते हैं। अब सिरदर्द की शिकायत होने पर भी उन्हें लगा कि रक्तचाप बढ़ गया है इसलिए एक गोली और खा ली।

इससे रक्तचाप तेजी से गिर गया तो आईसीयू में भर्ती करवाना पड़ा। कई लोग सिरदर्द, बदन दर्द के लिए एस्प्रीन, ब्रूफेन व अन्य दर्द निवारक दवाएं बिना निदान के अपने आप कई वर्षों तक लगातार लेते रहते हैं। ये दवाइयां कुछ समय के लिए सिर्फ दर्द को दबाती हैं। कारण को ठीक नहीं करती। इन दवाइयों से पेट में अल्सर, एनिमिया, गुर्दे खराब होना इत्यादि परेशानियां आ सकती हैं। कई लोग कमजोरी के लिए विभिन्न प्रकार के टॉनिक व विटामिन्स खाते रहते हैं। बी-कॉम्प्लेक्स व विटामिन-सी यदि ज्यादा ले भी लिए तो मूत्र के साथ निकल जाते हैं। लेकिन कुछ घुलनशील विटामिन्स जैसे विटामिन ए व विटामिन डी ज्यादा खुराक के कारण शरीर की प्राकृतिक प्रक्रिया में व्यवधान भी उत्पन्न कर सकते हैं।

एंटीबायटिक्स से बचें

एंटीबायटिक्स अपने मन से न लें। कई बार उनकी जरूरत नहीं होती। कई मरीज इस हिस्ट्री के साथ आते हैं कि पिछली बार जैसे लक्षण थे, इसलिए हमने आपका पिछला पर्चे दिखाकर दवा ले ली, लेकिन इस बार फायदा नहीं हुआ। एक ही एंटीबायटिक को बार-बार लेने से उससे शरीर में रोग-प्रतिरोधक शक्ति कम हो जाती है। ऐसी स्थिति में हल्की एंटीबायटिक असर नहीं करती। अब केवल ताकतवर एंटीबायटिक देने पर भी फायदा होता है। अधिक समय तक एंटीबायटिक खाने से बीमारी बढ़ती रहती है और कई बार उसके साइड इफेक्ट्स जैसे- दस्त होना, पेट खराब हो जाना, मुंह में छाले इत्यादि हो सकते हैं। इसलिए कोई सी भी एलोपैथिक दवाई चिकित्सक के परामर्श के बगैर न लें। खासकर वे लोग जो पहले ही से दवाइयां लेते रहते हैं, उन्हें विशेष ख्याल रखना चाहिए, क्योंकि उनकी पहले की दवाइयां इन नई दवाइयों से मिल कर उनके लिए नई परेशानियां खड़ी कर सकती हैं।

दर्द को न करें नजरअंदाज

अपने शरीर में होने वाले दर्द को हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन कई बार ये दर्द किसी बीमारी का संकेत भी हो सकते हैं। ऐसे में इन्हें अनदेखा करने की बजाय तुरंत इनका इलाज करवाकर बड़ी बीमारी को टाला जा सकता है...

पेट दर्द

पेट दर्द होना एक सामान्य सी बात है, लेकिन महानगरों में यह कुछ ज्यादा ही देखने में आता है। वजह यह कि महानगरों के लोगों का खाने-पीने का कोई वक्त नहीं होता। फिर बाहर के खाने से बचना भी यहां के लोगों के लिए मुश्किल होता है। जहां तक महिलाओं की बात है तो उनमें पेट का दर्द यूट्रस में होने वाली समस्याओं का संकेत हो सकता है। कई बार दर्द के साथ-साथ पेट में गड़बड़ भी हो सकती है जैसे- कब्ज या डायरिया। सही वजह पता लगाने का सबसे बेहतर तरीका है अल्ट्रासाउंड। इससे पेट की गांठ का आसानी से पता लगाया जा सकता है। अगर जल्दी पता लग जाए, तो सिर्फ दवा से ही इसका इलाज संभव है, लेकिन गांठ बढ़ जाने से की-होल सर्जरी करवानी पड़ती है।

कमर दर्द

कमर दर्द से भी तमाम लोग परेशान रहते हैं। दिनभर कंप्यूटर के सामने बैठे रहने से यह समस्या और भी बढ़ जाती है। कमर दर्द अगर नीचे की तरफ बढ़ने लगे और तेज हो जाए, तो जल्द से जल्द डॉक्टर को दिखाएं। कभी-कभी दर्द कुछ मिनट ही होता है और कभी-कभी यह घंटों तक रहता है। ऐसा दर्द पथरी की वजह से हो सकता है। इसकी जांच एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड और यूरीन टेस्ट के जरिए करवाई जा सकती है।

जबड़े का दर्द

जबड़े का दर्द अक्सर जबड़ों के जॉइंट्स के ज्यादा काम करने की वजह से होता है। यह समय के साथ सही भी हो जाता है, लेकि न मुंह खोलते और बंद करते वक्त जब आवाज के साथ ऐसा दर्द हो तो यह जॉइंट की चोट की वजह से भी हो सकता है। साधारण एक्स-रे से इसका पता लगाया जा सकता है। दवा से इसका इलाज करवाया जा सकता है।

जोड़ों का दर्द

यह दर्द ज्यादातर मामलों में पचास साल की उम्र के बाद शुरू होता है। इसकी शुरुआत घुटनों में हल्के दर्द के साथ होती है। धीरे-धीरे यह दर्द हाथों की अंगुलियों के जोड़ों में भी आ जाता है। यह दर्द हिलने-डुलने से बढ़ता जाता है। दर्द के बढ़ जाने पर तुरंत ऑर्थोपेडिक डॉक्टर से संपर्क करें। एक्स-रे या बोन डेंसिटी टेस्ट से ऑस्टियोआर्थराइटिस या रुमेटॉइडआर्थराइटिस का पता लगाया जा सकता है। यह समस्या पुरुषों से ज्यादा महिलाओं में पाई जाती है। इस बीमारी को जड़ से खत्म नहीं किया जा सकता, लेकिन फिजियोथेरेपी और स्टेरॉइड्स लेकर इसे बढ़ने से रोका जरूर जा सकता है। तकलीफ बढ़ने पर नी-रिप्लेसमेंट सर्जरी की जरूरत भी पड़ सकती है।

अंगूठों का दर्द

अगर अंगूठों में दर्द रहता है तो यह गठिया का लक्षण हो सकता है। जोड़ों में ज्यादा यूरिक एसिड क्रिस्टल जमा हो जाने से यह दर्द होता है। वक्त गुजरने के साथ ही यह दर्द इतना असहनीय हो सकता है कि इससे चलने-फिरने में भी दिक्कत हो सकती है। इसे एक्स-रे द्वारा पहचानकर दवा से ठीक किया जा सकता है।

माथे का दर्द

ज्यादातर दर्द पूरे सिर में होता है, लेकिन जब यह दर्द काफी तेज हो तो यह गंभीर स्थिति हो सकती है, इसलिए सिर दर्द को कभी नजरअंदाज न करें और तुरंत डॉक्टर से मिलें। यह 50 साल से ज्यादा उम्र वाले लोगों में देखा जाता है।

पसीने का जड़ी-बूटी द्वारा उपचार

गर्मियों के मौसम मे चिल-चिलाती धूप व बढ़ती गर्मी पसीने का कारण बनती है जो शरीर से पसीने की दुर्गन्ध का भी मुख्य कारण है। साथ ही यह घमौरियों व चर्मरोग को भी जन्म देते है।

इस बढ़ती गर्मियो मे पसीने से निजात पाने के लिए जड़ी-बूटी द्वारा इसका उपचार संभव है।

एक बार पहने हुए वस्त्रों को बिना धोए अलमारी में न रखें।

बिना धुले वस्त्रों को अलमारी में रखने पर दुर्गन्ध पैदा करने वाले बैक्टीरिया सक्रिय होकर वस्त्रों में दुर्गन्ध पैदा कर देते हैं।

शरीर की साफ-सफाई का विशेष ख्याल रखना चाहिए।

नीम युक्त साबुन का नहाते वक्त इस्तेमाल करें तो बेहतर रहेगा।

जहाँ तक हो सके कड़ी धूप से बचें।

वस्त्र ऐसे पहनें जो शरीर से चिपके हुए न हों क्योंकि तंग वस्त्रों में ज्यादा पसीना आता है और वाष्पीकरण सही ढंग से नहीं हो पाता है जिससे कपड़ों से दुर्गन्ध आने लगती है।

सिन्थेटिक वस्त्र न पहनकर सूती वस्त्र पहने तो ज्यादा ठीक रहेगा।

तली-भुनी व मसालायुक्त चीजें न खाएँ।

मौसमी फलों का सेवन करें।

जड़ी-बूटी द्वारा उपचार

बबूल के पत्ते और बाल हरड़ को बराबर-बराबर मिलाकर महीन पीस लें। इस चूर्ण की सारे शरीर पर मालिश करें और कुछ समय रूक-रूक कर स्नान कर लें। नियमित रूप से यह प्रयोग कुछ दिनों तक करते रहने से पसीना आना बंद हो जाएगा।

दुर्गन्ध करे दूर

पसीने की दुर्गन्ध दूर करने के लिए बेलपत्र के रस का लेप शरीर पर करना चाहिए। अडूसा के पत्रों के रस में थोड़ा शंख चूर्ण मिलाकर शरीर पर लगाने से शरीर से पसीने की दुर्गन्ध दूर हो जाती है।

विटामिन डी की कमी घातक

विटामिन डी की कमी आपकी धमनियों को कठोर बना सकती है। एक नए अध्ययन के मुताबिक लोगों के शरीर में विटामिन डी की कमी धमनियों को सख्त बना सकती है।

विटामिन डी की कमी से रक्त वाहिनियों के स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है, इससे रक्तचाप (बीपी) बढ़ सकता है और दिल की बीमारियां हो सकती हैं। अध्ययन में शामिल जिन प्रतिभागियों ने विटामिन डी की उच्च मात्रा ली, उनकी रक्तवाहिनियों के स्वास्थ्य में सुधार देखा गया और उनका रक्तचाप भी कम हो गया था। अध्ययन में संस्थान के करीब 550 कर्मचारी शामिल हुए थे।

तुरंत एनर्जी दे सुबह का नाश्ता

सुबह का नाश्ता शरीर के लिए फायदेमंद होता है। जो शरीर को तुरंत एनर्जी प्रदान करता है। साथ ही नाश्ते मे अंकुरित अनाज तथा फलों में केला, पपीता, सेब, आम, अंगूर व शहद, दही ले तो यह और अधिक फायदेमंद होगा।

अंकुरित फलों व अनाज में एनर्जी

पसंदीदा फलों को जैसे केला, पपीता, सेब, आम, अंगूर, सबको छोटे-छोटे टुकड़े करके कांच के कटोरे में रखें। सबसे पहले तीन बड़े चम्मच, शहद डालें और फल डालें। उसके ऊपर योगार्ड (गाढ़ा दही) अगर आप इसे ठंडा खाना चाहते हैं तो इसे फ्रिज में रख दें, अब बाहर निकालकर नाश्ता करें। यह आपके लिए सुपाच्य तथा तुरंत स्फूर्ति देने वाला होगा। खासतौर पर महिलाओं के लिए पौष्टिकता, रक्तवृद्धि तथा त्वचा की नमी बनाए रखने वाला नाश्ता है। सभी विटामिन सी वाले फल यानी अंगूर, अनार, अनानस, संतरा, पपीता, मौसमी सभी फलों को काट लें। अब उस पर काला नमक, सफेद नमक, भुनाजीरा, नीबू डालकर मिक्स करें। इस तरह से अपनी दिनचर्या में पौष्टिक नाश्ता का समावेश करें। सुबह सही समय अवश्य नाश्ता करें। वक्त की कमी की वजह से कुछ भी खाकर पेट न भरें। अगर समय की कमी हो, तो रात में ही अंकुरित अनाज की तैयारी कर लें, रात में ही भिगा दें, जो अंकुरित अनाज आपको पसंद हो जैसे- काला चना, साबुत मूंग, लोभिया, मूंगफली दाना। सुबह उसमें प्याज, टमाटर, खीरा, ककड़ी, हरी धनिया, मिर्च महीन काट कर ऊपर से नीबू निचोड़ दें।

नमकीन दलिया फायदेमंद

काला नमक काली मिर्च, भुना जीरा डाल कर खाएं, अगर आप को कच्चा अंकुरित अनाज पसंद नहीं है, तो कुकर में एक सीटी लगा बनाया जा सकता है। बस हो गया आपका सेहतमंद नाश्ता तैयार। फिर कभी-कभी नमकीन दलिया भी तैयार करके खाया जा सकता है। चाहे तो आप इस नमकीन दलिया में स्वाद के लिए कोई पसंदीदा सब्जी भी डाली जा सकती है। इस तरह कम समय में पौष्टिक नाश्ता तैयार हो सकता है। सुबह के नाश्ते में हो सके तो दूध अवश्य लें। सुबह के समय पाचन क्रिया तेज होती है।

चिकन पॉक्स घबराएं नहीं

इन्हें जल्दी हो सकता है संक्रमण

गर्भावस्था के समय महिला को चिकन पॉक्स होने पर नवजात शिशु में संक्रमण का खतरा 70 प्रतिशत बढ़ जाता है। कमजोर रोग-प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों को भी यह वायरस आसानी से शिकार बना लेता है, इसलिए गर्भ ठहरने के 14 हफ्ते के बाद दी गई पावर बूस्टर डोज को वैरिसेला वायरस के बचाव के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

निकलें। इससे एक परिवार का संक्रमण दूसरे परिवार तक पहुंचने से रुकेगा। रोगी के पास खूब सफाई रखें, जिससे संक्रमण बढ़ने न पाए।

दोबारा चिकन पॉक्स, दोगुनी सावधानी

जिन लोगों को दोबारा चिकन पॉक्स हो रहा है, उन्हें सचेत रहने की ज्यादा जरूरत होती है। चिकनपॉक्स एक बार हो तो अधिक गंभीर नहीं है, जबकि यदि दस साल की उम्र के बीच बच्चों को दो बार से अधिक बार हो तो ल्यूकीमिया बीमारी हो सकती है। ये खून से संबधित बीमारी है, जिससे रक्त में पाई जाने वाली लाल रक्त कणिकाएं तेजी से क्षतिग्रस्त होती हैं।

डॉक्टरों का मानना है कि चिकन पॉक्स को समझने में मरीज देरी कर देते हैं, जिससे अक्सर इलाज मुश्किल हो जाता है। इसलिए सबसे पहले चिकन पॉक्स के लक्षण जानने जरूरी हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि सबसे खास लक्षण है शरीर में पानी युक्त लाल दानों का उभरना। इसके बाद मरीज को जुकाम व बुखार की शिकायत शुरू हो जाती है।

सावधानियां जरूर बरतें

एक बार आपको ये लक्षण दिख जाएं तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। दूसरे लोगों को इससे सुरक्षित रखने का प्रयास भी करें। याद रखें कि हवा और खांसी के माध्यम से संक्रमण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति के शरीर तक पहुंच जाता है। बच्चों को विशेष रूप से चिकन पॉक्स के रोगी से दूर रखें। चिकन पॉक्स के रोगी घर से कम से कम

साफ-सफाई का रखें ख्याल

कई लोगों को भ्रम है कि चिकन पॉक्स के रोगी को नहलाना नहीं चाहिए, जबकि सच यह है कि चिकन पॉक्स के मरीज को अतिरिक्त साफ-सफाई की जरूरत होती है। मरीज को रोज नीम के पानी से नहलाना चाहिए। साफ कपड़े पहनाने चाहिए। उसके बर्तन वगैरह भी अलग रखने चाहिए, ताकि उसका संक्रमण दूसरों तक न पहुंचे।

कब घातक होता है चिकन पॉक्स ? यों तो चिकन पॉक्स पूरी तरह से इलाज वाली बीमारी है और सही इलाज मिलने पर जल्दी ठीक भी हो जाती है। संक्रमण भी एक हफ्ते से दो हफ्ते के बीच में खत्म हो जाता है। लेकिन अगर सावधानियां न बरती जाएं तो दो से तीन हफ्ते तक संक्रमण शरीर में बढ़ता रहता है। अगर ये नियंत्रित न हो तो दिमाग और लीवर तक इसका असर पहुंच जाएगा। इसके बाद दूसरी बीमारियां आपको अपनी गिरफ्त में लेने लगती हैं। इनमें ज्वॉइंडिस यानी पीलिया जैसी बीमारी भी हो सकती है, जिसे आम लोग जानते-समझते हैं। हाइड्रोसेफेलिक्स जैसी गंभीर बीमारी भी हो सकती है, जिसका अक्सर लोगों ने नाम भी नहीं सुना होता। हाइड्रोसेफेलिक्स में दिमाग में पानी भर जाता है।

टीकाकरण ही एकमात्र बचाव

चिकनपॉक्स से बचाव के लिए सीएक्सवी वैक्सीनेशन एकमात्र विकल्प है। गर्भवती महिला को डोज दी जाती है, जिससे बच्चा सुरक्षित रहे। अगर गर्भवती महिला को दवा नहीं दी गई है तो जन्म के 14 हफ्ते के भीतर बच्चों को चिकन पॉक्स की तीन डोज दी जाना चाहिए। निजी नर्सिंग होम में टीका 1350 रुपए में उपलब्ध है।

मिथ और हकीकत

मिथ- गहरे रंग की चीजें खाने से गहरे दाग पड़ते हैं!

सच- गहरे दाग से बचना चाहते हैं तो केवल एक सूत्र याद रखें कि दागों पर बार-बार नाखून न लगें।

मिथ- चिकन पॉक्स ठीक होने के चार या पांच महीने तक नॉनवेज नहीं खाना चाहिए, वरना शरीर में खुजली हो जाती है।

सच- मेडिकल साइंस नॉनवेज खाने से कतई नहीं रोकती। यहां तक कि अगर आप सी फूड खाएं तो भी कोई नुकसान नहीं होता।

मिथ- चिकन पॉक्स के दौरान बाल नहीं धुलने चाहिए और नहाना भी नहीं चाहिए वरना शरीर में हवा घुल जाती है और बुढ़ापे में कई समस्याओं का सामना पड़ता है।

सच- आप रोज नहा सकते हैं। बाल भी धुल सकते हैं। केवल इतना ध्यान रखिए कि दाग वाले स्थान पर गीले तौलिए से न पोछें, वरना संक्रमण हो सकता है।

मिथ- अगर एक बार चिकन पॉक्स हो गया तो दोबारा नहीं हो सकता।

सच- ऐसा नहीं है। कई लोगों को ये दोबारा होता है। इसलिए किसी गलतफहमी में न रहें। सावधानी बरतें।

मिथ- खुजली वाले स्थान पर कुछ लगाना नहीं चाहिए।

सच- डॉक्टर ऐसा कोई परहेज नहीं बताते।

मेकअप करें सावधानी से

नारी के व्यक्तित्व को निखारने और उसे आकर्षक रुप प्रदान करने में जहा वस्त्रों, आभूषणो का महत्वपूर्ण स्थान है, वही सही ढंग से किया गया मेकअप भी नारी के सौंदर्य को और आर्कषक रुप प्रदान करता है। मेकअप करना एक कला है और हर कोइ इस कला में निपूण हो यह आवश्यक नहीं किंतु थोड़े सा अभ्यास और मेकअप के बारे में सही जानकारी आप को भी मेकअप करने की कला में अभ्यस्त कर देगी। आवश्यकता तो मात्र आपकी लगन और आप के निंरतर अभ्यास की है।

मेकअप करते समय ध्यान देने योग्य बातें-

- मेकअप ऐसा करे जो प्राकृतिक दिखे।
- चेहरे के आकार का विशेष ध्यान रखें।
- मेकअप अवसर और समय के अनुसार करें।
- चेहरे के दाग -धब्बों का भी ध्यान रखें।
- घटिया क्वालिटी के सौंदर्य प्रसाधनो के प्रति जागरुक रहें।

मेकअप के प्रयोग विधी-

- सर्वप्रथम क्लींजिग मिल्क से भली प्रकार त्वचा को साफ करें।
- टोनर या एस्ट्रींजैट का सहायता से भी त्वचा साफ कर सकती हैं।
- अपनी त्वचा के रंग का फाउंडेशन उंगलियों के पोरों से त्वचा पर अच्छी तरह लगाएं।
- इसके उपरांत फेस पाउडर करके हल्का सा ट्रांस्युलैंट लगाएं।
- गालों के साइडों पर पिंक या गुलाबी रंग का ब्लशर लगाएं।
- वस्त्रो के अनुरुप आई शैडो का प्रयोग करें। आईलाइनर तभी लगाएं जब इसकी आवश्यकता हो।
- मस्कारे का प्रयोग पलकों की बरौनियों को घना बनाने के लिए करें।
- ब्रश से होंटो पर लिपस्टिक लगाएं,लिपस्टिक सदैव ऊपरी होंठ के मध्य से आंरभ करें और होंठों की रेखा बनाते हुए बाईं तथा फिर दाई ओर लगाएं। इसी प्रकार नीचे होंठ पर भी बाहरी रेखा बनाएं।

मेकअप करते समय सावधानियां-

- दिन के समय आई शैडो का प्रयोग कम करें।
- पार्टी व जन्मदिन के अवसर हल्के रंगो का प्रयोग करें।
- दिन के समय हाईलाइटर का प्रयोग कर सकती हैं।
- दिन के समय फाउंडेशन के स्थान पर केवल कॉम्पैक्ट का प्रयोग करें।
- तैलीय त्वचा के लिए तेल रहित फाऊंडेशन लगाएं।
- फेस पाऊडर का रंग त्वचा के रंग से थोड़ा गहरा प्रयोग करें।
- त्वचा पर ब्लैंडिंग सटीक होनी चाहिएं। पृथक रेखाएं नहीं होनी चाहिएं।
- वस्त्रो से मेल खाते आईलाइनर का प्रयोग करें।

बादाम पालक परांठा

सामग्री : 1 कप आटा, 1/2 कप बेसन, 1/4 कप बारीक कटा बादाम, 1 कप बारीक कटी पालक, 1/4 कप हरा प्याज बारीक कटा, 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च कूटी हुई (चिली फ्लैक्स), 1 छोटा चम्मच जीरा, 1/2 छोटा चम्मच सौंफ, स्वादानुसार नमक, चुटकी भर हींग, 1/2 छोटा चम्मच गरम मसाला, 2 छोटे चम्मच तेल और आटा गूंथने के लिए दूध।

विधि : सभी सामग्री मिलाएं और दूध से गूंथ लें। तवा गर्म करें। गूंथे आटे के पेड़े बना कर बेलें और तवे पर घी लगा कर दोनों ओर से सेंक लें। टमाटर की मीठी चटनी के साथ परोसें। चाहें, तो टमाटर की चटनी में बारीक कटी पालक भी मिला सकती हैं। स्वाद दोगुना हो जाएगा।

...ताकि सब रहे तरो-ताजा

अपने रैफ्रिजिरेटर में एक आलू अवश्य रखें। आलू फ्रिज में पकी सब्जियों की गंध एब्जार्ब कर लेता है और फ्रिज में बनने वाली गैसों को भी जिससे फ्रिज में रखी सब्जियां, फल अधिक समय तक ताजे बने रहते हैं। हर कुछ दिन में आलू को बदल दें।

मैट्रो शहरों में सभी अपने-अपने कार्यों में इतने व्यस्त रहते हैं कि प्रतिदिन ताजा सब्जी और फल खरीदने के लिए उनके पास समय ही नहीं होता। जीवन में व्यस्तता के कारण वे समय मिलते ही अपने घर-बाहर के कार्यों को इकट्ठा निपटा देना चाहते हैं।

सामान तो इकट्ठा आ गया पर यदि उसे ढंग से संभाल कर न रखा जाए गया तो सामान बेकार तो जाएगा ही, इससे धन और समय दोनों की बर्बादी भी होगी। आइए जानें सब्जियों व फलों को कुछ समय के लिए किस प्रकार ताजा रख सकते हैं।

- सेबों को कभी भी किसी सब्जी या फल के साथ फ्रिज में न रखें। सेब से कुछ इस प्रकार की गैसें उत्सर्जित होती हैं जो अच्छे फल-सब्जियों को नुक्सान पहुंचाती हैं और उन्हें गला देती हैं।

- इसी प्रकार खीरे व ककड़ी के साथ टमाटर को स्टोर न करें। टमाटर भी कुछ गैसों को उत्सर्जित करते हैं जिनसे खीरा व ककड़ी जल्दी खराब हो जाते हैं।
- पनीर को फ्रिज में स्टोर करते समय एयरटाइट कंटेनर में कुछ चीनी के क्यूब भी रख दें ताकि वे पनीर की नमी को सोख सकें। इस प्रकार पनीर को ज्यादा दिनों तक आप ताजा रख सकते हैं।
- अंडों की नुकीली साइड सदा नीचे की तरफ रखें। अंडे ज्यादा दिन तक फ्रैश रहेंगे।
- अपने रैफ्रिजिरेटर में एक आलू अवश्य रखें। आलू फ्रिज में पकी सब्जियों की गंध एब्जार्ब कर लेता है और फ्रिज में बनने वाली गैसों को भी जिससे फ्रिज मे रखी सब्जियां, फल अधिक समय तक ताजे बने रहते हैं। हर कुछ दिन में आलू को बदल दें।
- मूली को कभी भी सीधे फ्रिज में न रखें। उसे किसी बर्तन में पानी भर कर रखें।
- सूजी, मैदा, ड्राईफ्रूट्स (बादाम, काजू, किशमिश) को एयरटाइट डिब्बे में फ्रिज के साइड पर रखें। इससे कीड़ा नहीं लगेगा।
- साबुत दालों को एयरटाइट डिब्बों में दवाइ डाल कर रखें ताकि उनमें कीड़ा न लगे।
- पकी हुई सब्जी को लम्बे समय तक फ्रिज में न रखें। उसे फ्रीजर में एयर टाइट कंटेनर में रखें। बनी हुई सब्जी का प्रयोग 24 घंटों के भीतर कर लें तो अच्छा होता है।
- लहसुन, प्याज को छील कर एयर टाइट कंटेनर में फ्रिज में रख सकते हैं। लहसुन तो आप 10 से 15 दिन तक स्टोर कर सकते हैं, प्याज दो दिन तक।
- गूंथा हुआ आटा तेल या घी का हाथ लगा कर डिब्बे में ढक कर रख सकते हैं या गीला कपड़ा रख कर ऊपर ढक्कन लगा कर भी रख सकते हैं। दो दिन तक आटा काला भी नहीं पड़ेगा और खरीब भी नहीं होगा।
- नींबू धो-पोंछ कर पॉलीथीन में पैक कर एक सप्ताह तक रख सकते हैं।

रूसी से बचने के उपाय

- बालों की जड़ों को छूते हुए, मोटे दांत वाले, उत्तम क्वालिटी के कंघे से नियमित कंघी करें। पांच मिनट तक कंघी करने से बालों में जमा गंदगी त्वचा से छूटेगी।

- कंघी करने के पश्चात गोल दांतों वाले ब्रश से पांच मिनट तक बालों में आहिस्ता-आहिस्ता ब्रश करें। रक्तसंचार तेज होगा।
- कंघी व ब्रश करते वक्त ध्यान रहे कि रूसी चेहरे या खुले अंगों पर न गिरे। बालों को चेहरे के पीछे की तरफ ब्रश करें व जहां-जहां रूसी गिरी हो, उस स्थान को किसी एंटीसेप्टिक की सहायता से पोंछ लें।
- रूसी वाले कंघे व ब्रश को गर्म पानी व साबुन से धो डालें व थोड़ी देर धूप में रखें या एंटीसेप्टिक लगाएं।
- सप्ताह में एक या दो बाद एंटीसेप्टिक तेल से सिर की मालिश करें। मालिश करने के बाद बालों को भाप दें। इससे तेल बालों की गहराई तक जाता है और बालों को पर्याप्त ऑक्सीजन प्राप्त होता है।
- बालों को धोने के बाद हर्बल पैक लगाएं। इस हर्बल पैक से रूसी भी दूर होगी, साथ ही बालों को अतिरिक्त खुराक भी मिलेगा।
- सप्ताह में एक बार गुनगुने तेल में 8-10 बूंदें कैलेंडुला क्यू मिलाकर मालिश करें। तीन-चार घंटे बाद बाल धो लें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-4-5-6

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-5

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-7-8-9

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-5-6-9

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपच्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-5-7-8

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किये गए कार्यों का प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-7

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2039

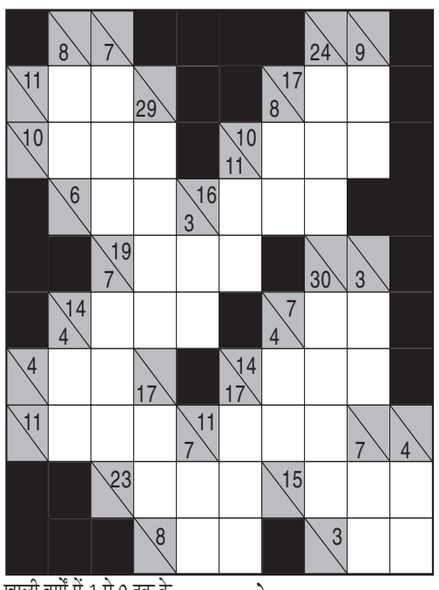

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

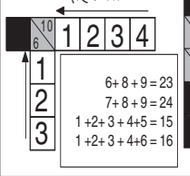

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2038 का हल

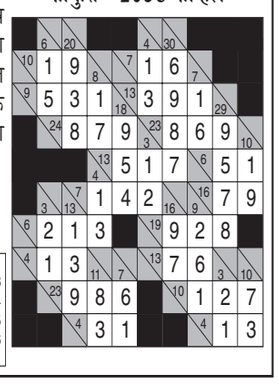

हंसी के फव्वारें

एक व्यक्ति ने डाक्टर को धन्यवाद देते हुए कहा-'डाक्टर साहब! मैं आपका बहुत एहसानमन्द हूँ. आपके इलाज से मुझे बहुत फायदा पहुँचा है.'

'मगर.....?' डाक्टर ने चौंकते हुए कहा-'मैंने तो कभी आपका इलाज नहीं किया.'

'आपने मेरा तो नहीं, मगर मेरे करोड़पति चाचाजी का इलाज किया था. पिछले सप्ताह उनका देहान्त हो गया और मैं उनका एकमात्र वारिस हूँ.'

एक पिता मृत्यु की घड़ियां गिन रहा था . उसके तीन पुत्र आपस में बहस कर रहे थे. बड़ा पुत्र बोला-'एम्बूलेंस मंगा लेनी चाहिए.'

मंझला-'नहीं ! बैल ठेला कर लेंगे !'

छोटा-'कन्धे पर डालकर ले चलो !'

सुनकर पिता से रहा नहीं गया, बोला-'तुम मेरी चप्पलें ला दो, मैं खुद ही चला जाऊंगा.'

□ □ □

सीता-'मेरे बाप ने तो तैरने का रिकार्ड तोड़ दिया. पूरे तीन दिन बाद वापस लौटे हैं.'

गीता-'वह तो ठीक है. लेकिन तुम्हारे बाप हमारे बाप के सामने तो टिक नहीं सकते !'

'कैसे ?'

'मेरे बाप चार वर्ष पहले तैरने गये थे और आज तक वापस नहीं आये हैं.'

फिल्म वर्ग पहेली- 2039

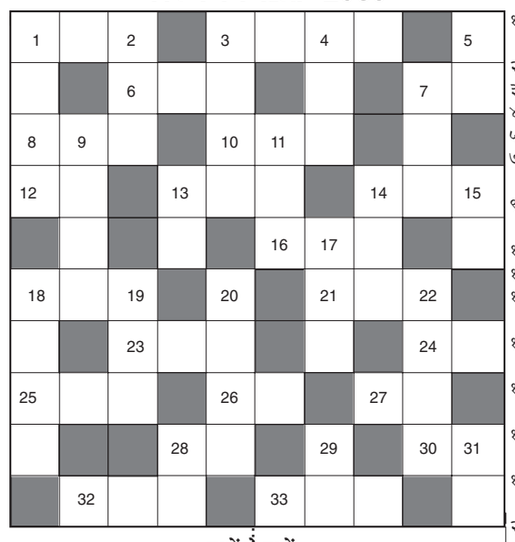

बायें से दायें:-

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेन्द्र, रामेश्वरी की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी ?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्बाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2038

बै	ग	ग		स	ड़	क		आ	
जू		ज	ह्म	द		स	सु	ग	ल
बा	द	ल		मा	लि	क		ध	
व			बा		बा		बे	ना	म
ग	जा	बा	बू		स	रि	ता		हा
	ल	व		बे			ब	से	ग
इ		ची		खु	द्दा	र			जा
क	र्ज		शा	दी		ख	ली	फा	
बा		गै	र		दा	वा			द
ल	ज्ञा		दा	ग		ला	वा	रि	स

सूडोकु -2039

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
6			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2038 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

शब्द पहेली - 2039

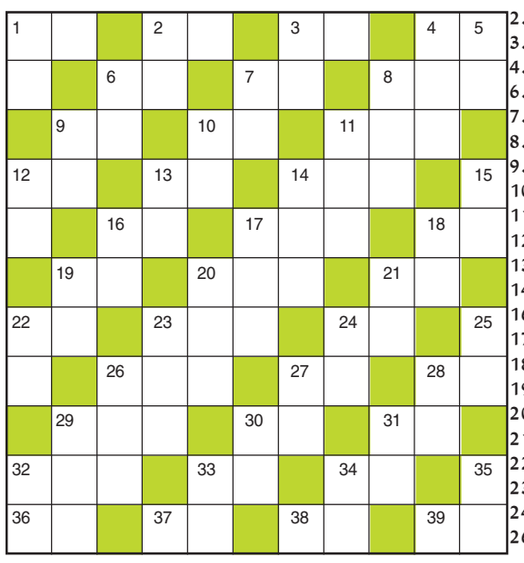

बाएँ से दाएँ

1. कार्य,काम-2
2. अग्नि,अनल-2
3. संग,संगत-2
4. मदिरा,शराब-2
6. चुटीली बात-2
7. उम्मीद-2
8. समाचार,सूचना-3
9. भगवान कृष्ण के खेल-2
10. छाया,परछाई-2
11. कहासुनी-3
12. जी,चित-2
13. निशा-2
14. पासों का खेल-3
16. करीना की फिल्म-2
17. आगे वाला-3
18. सीधा,सरल-2
19. वीर,बहादुर-2
20. दलदल,गाद-3
21. तांत,टेलीग्राम -2
22. वंश,खानदान-2
23. नशा,नशापानी-3
24. चिट्ठी,पत्र-2
26. सही का विलोम-3
27. ठिकाना-2
28. प्राण,दम-2
29. नरक (उर्दू-3)
30. बीता हुआ दिन-2
31. पोखर,तालाब-2
32. हताहत-3
33. दर,मूल्य-2
34. आयु-2
36. अंधकार-2
37. पांव,पैर-2
38. कान्हा-2
39. टैक्स,हाथ-2

ऊपर से नीचे

1. समय,वक्त-2
2. आगमन-2
3. पति की मां-2
4. भोर,सवेरा-3
5. झगड़ा-2
6. लॉक,द्वारयंत्र-2
7. धाय,नर्स,दाई-2
8. अवरोध,रुकावट-3
9. मगन,मग्न-2
10. सप्त,सप्तम-2
11. लक्ष्मी,रमा-3
12. मौज,मजा-2
13. महाराजा-2
14. घिसन,रगस-3
15. गमन,जाना-2
16. पुन:,वापस-2
17. स्थिर-3
18. निष्कर्ष-2
19. कांटा-2
20. मूल्य,दाम-3
21. पितामह-2
22. मजदूर-2
23. ईश्वर-3
24. भूल,गलती-2
25. मछली-2
26. नगमा-3
27. क्षण-2
28. पाश-2
29. दूसरा-3
30. थोड़ा-2
31. तांबा-2
32. हमला-2
33. कलंक-2
34. गरम-2
35. मयूर-2

शब्द पहेली - 2038 का हल

क	फ		ज	प		त	न		शा	न
प	त	न		ल	त		भ	ला		शा
	वा	न	र		म	ल		ज	रा	
फि		द	म	न		क	द		ज	न
दा	दा		ल	क	वा		म	स्त		ख
	न	या		ल	च	क		र	थ	
रा		क	ल		क	ल	म		ल	ब
ही	र		ह	र		ह	म	ल		ल
	स	जा		जा	ल		ता	ड़	ना	
य		म	त		व	ध		ना	का	रा
म	य		ल	क्ष्य		न	ल		म	जा

अपनी नाकामी छिपाने के लिए भाजपा सरकार 'सांप्रदायिक सियासत कर रही : अखिलेश यादव

लखनऊ . समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए 'सांप्रदायिक सियासतकर रही है। सपा प्रमुख यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रयागराज महाकुंभ में मारे गये हिंदू श्रद्धालुओं और गुम हुए हिंदुओं की संख्या बताने से बचने और मुआवज़ा देने से बचने के लिए भाजपा सरकार साम्प्रदायिक सियासत कर रही है।उन्होंने कहा कि भाजपाई अपनी विफलता और नाकामी को छुपाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। यादव ने कहा,जो नहीं रोक सकती किसी का तिरस्कार, वो कुछ और भले हो पर हो नहीं सकती सरकार।निंदनीय! पुलिस के अनुसार, इस वर्ष की शुरुआत में प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में भगदड़ मचने से 30 लोगों की जान चली गयी थी।

पुलिस कांस्टेबल ने अपनी सर्विस कार्बाइन से की आत्महत्या, आंख में लगी गोली सिर के पार हुई, रेलवे ट्रैक के पास मिला शव

मुजफ्फरनगर . उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिला मुख्यालय के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में रेल पटरी के पास रविवार शाम एक पुलिस कांस्टेबल (सिपाही) ने अपनी सर्विस कार्बाइन से कथित तौर पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, सिपाही रूपेंद्र ने अपनी सर्विस कार्बाइन से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस अधीक्षक (शहर) सत्यनारायण परजापत ने पत्रकारों को बताया कि कांस्टेबल का शव देर शाम बरामद किया गया।

शव के पास से उसकी सर्विस कार्बाइन भी बरामद की गयी। उन्होंने बताया कि वह यहां न्यायिक मजिस्ट्रेट के सुरक्षाकर्मी के तौर पर तैनात था। इस बीच मृतक कांस्टेबल के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाकर मामले की जांच शुरू कर दी गयी है।

सैयद सालार मसूद ग़ाज़ी की दरगाह पर लहराए भगवा झंडे, फिर छत पर चढ़कर लगाए जय श्री राम के नारे, आरोपियों पर पुलिस करेगी सख्त कार्रवाई

प्रयागराज . उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के गंगा नगर में बहरिया थाना अंतर्गत सिकंदरा में स्थित एक दरगाह के गेट पर कुछ युवक रविवार को कथित रूप से भगवा झंडे लेकर चढ़ गए और नारे लगाने लगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना प्रयागराज के कई इलाकों में रामनवमी का जुलूस निकाले जाने के बीच हुई है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और उन युवकों को गाज़ी मियां की दरगाह से हटाया। पुलिस उपायुक्त (गंगा नगर) कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि इस दरगाह में पांच मजारें हैं

और हिंदू और मुस्लिम श्रद्धालु यहां चादर चढ़ाने आते हैं। उन्होंने बताया कि रविवार को कुछ युवकों ने दरगाह पर धार्मिक झंडा लहराते हुए नारेबाजी की तथा मौके पर तैनात पुलिस द्वारा इन युवकों को तत्काल रोका गया और वहां से हटाया गया। उनके मुताबिक, इस मामले में जांच कर विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है।

गुनावत ने बताया कि मौके पर शांति व्यवस्था कायम है और इस प्रकरण में लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ विभागीय कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने बताया कि शांति व्यवस्था में विघ्न डालने वाले युवकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

ससुर के साथ रह रही बहू की लव स्टोरी का खौफनाक अंत! गेंहू के खेत में मिला था विवाहिता शव, पुलिस का चौंकाने वाला खुलासा

प्रतापगढ़. उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में एक महिला का शव गेहूं के खेत में मिलने के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। मृतक महिला की पहचान शहनाज बानो के रूप में हुई है, जिसकी शादी मकबूल अहमद से हुई थी। मकबूल सऊदी अरब में नौकरी करता है, और शहनाज अपने ससुर के साथ रहती थी।

विवाहिता का युवक के साथ चल रहा था प्रेम प्रसंग

शहनाज का कई सालों से इरफान नामक युवक से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। वह 2 अप्रैल की रात इरफान के साथ घर से चली गई थी। इसके बाद उसके ससुर ने थाने में अपहरण की शिकायत दर्ज करवाई थी। कुछ दिनों बाद शहनाज का शव लालगंज थाना क्षेत्र के गौतमपुर वार्ड में एक खेत में मिला। जांच में सामने आया कि शहनाज 4 महीने की गर्भवती थी और इरफान के साथ मिलकर गर्भपात कराने एक निजी अस्पताल संजीवनी नर्सिंग होम गई थी। वहां डॉक्टर नफीस ने बिना

कानूनी अनुमति के गर्भपात किया, जिसके दौरान अत्यधिक ब्लीडिंग से शहनाज की मौत हो गई।

प्रेमी से 4 माह की गर्भवती थी मृतक महिला

एसपी ने बताया कि मृतक महिला चार माह की गर्भवती थी वह अपने प्रेमी इरफान के साथ गर्भ का गर्भपात करवाने लालगंज के निजी संजीवनी अस्पताल पहुंची, जहां गर्भपात के दौरान महिला शहनाज बानो को अधिक ब्लीडिंग हुई। जिसके चलते उसकी अस्पताल में मौत हो गई। वहीं प्रेमी इरफान और डॉक्टर नफीस अहमद ने शव को छुपाने के नियत से बाइक से शव ले जाकर रात में गेहूं के खेत में फेंक दिया।

पुलिस ने गैर इरादतन हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज करते हुए दोनों को जेल भेज दिया है। प्रेमी ने अपनी करतूत छिपाने के लिए लाश को ही छिपाकर सभी को गुमराह करने के फिराक में थी। हालांकि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

शव छिपाने की नीयत से प्रेमी ने शव को खेत में फेंका

शव छिपाने की नीयत से इरफान और डॉक्टर नफीस ने शहनाज के शव को खेत में फेंक दिया। पुलिस ने दोनों को गैर इरादतन हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस मामले में संजीवनी नर्सिंग होम और कल्पना अल्ट्रासाउंड सेंटर पर भी कार्रवाई की गई है। प्रशासन ने दोनों संस्थानों को सील कर दिया है और डॉक्टर हसनैन के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है।

युवक पर पांच लोगों ने बरसाई ताबड़तोड़ गोलियां, गवाही वापस लेने से किया था इनकार

मुजफ्फरनगर. उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां पर छपार थाना क्षेत्र के बिजोपुरा गांव में हत्या के मामले में एक मुख्य गवाह पर कथित रूप से पांच लोगों ने गोलियां बरसा दीं, जिससे उसकी मौत हो गई। इस वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।

हत्या मामले का मुख्य गवाह था मृतक

पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान सलमान (35) के रूप में हुई है जो अपने भाई जैद की हत्या के मामले में मुख्य गवाह था। चार साल पहले मेरठ में जैद की हत्या कर दी गई थी और यह मामला मेरठ की ही एक अदालत में लंबित है। पुलिस क्षेत्राधिकारी देवव्रत बाजपेयी ने बताया कि इरफान और उसके चार साथी कालिया, मोहम्मद अली, नैमुद्दीन और फाजिल के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। ये सभी मेरठ जिले के निवासी हैं।

आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

पुलिस अधिकारी ने बताया कि फिलहाल सभी आरोपी फरार हैं और उनकी तलाश की जा रही है।

सलमान के भाई नौशाद द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार आरोपी, सलमान पर गवाह के तौर पर अपना नाम वापस लेने का दबाव बना रहे थे, लेकिन उनके भाई ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। पुलिस ने बताया कि शनिवार को उसे बिजोपुरा गांव के जंगल में ले जाया गया, जहां उस पर गोलियां बरसा दी गईं।

'बहू ध्यान से सुनो मेरी बात...', शादी के दिन दुल्हन को आया ससुर जी का फोन, मांगी ऐसी चीज, मच गया बवाल

उत्तर प्रदेश. घर में शादी का माहौल होता है तो हर कोई उतना ही उत्साहित रहता है, जितना कि दूल्हा और दुल्हन. यूपी के फिरोजाबाद स्थित एक घर में भी इसी तरह सभी खुश थे. बेटी की शादी जो होने वाली थी. घर पर तैयारियां जोरों शोरों से चल रही थीं. इस बीच दूल्हे के पिता ने बहू को फोन मिलाया. कहा- बहू मेरी बात ध्यान से सुनो. अपने पापा से कह दो कि हमें 10 लाख रुपये दहेज में चाहिए. नहीं तो बारात नहीं आएगी.

ससुर के मुंह से ऐसी बात सुनकर होने वाली बहू के पैरों तले जमीन खिसक गई. उसने पापा को फोन पकड़ा दिया. पापा ने होने वाले समधी से बात की. तब दूल्हे के पिता ने कहा- हम तभी बाराता लाएंगे, जब हमें दहेज में 10 लाख रुपये मिलेंगे. दुल्हन के पिता ने समधी को अपनी मजबूरी बताई. कहा- भाई साहब मैं इतना पैसा कहां से लाऊंगा. मेरे पास तो इतना पैसा है भी नहीं. सारा पैसा शादी की तैयारियों में लग गया है. लेकिन दूल्हे के पिता ने उनकी एक न सुनी और फोन काट दिया.

लड़की के पिता फिर लड़के वालों के घर पहुंचे और पैसा न दे पाने की बात कही और काफी मान-मनौव्वल करने की कोशिश की. काफी विनती करने के बाद भी लड़का पक्ष नहीं माना. आरोप है कि इस दौरान लड़के पक्ष ने दुल्हन पक्ष के परिजन को तमाचा भी मारा. जिसके बाद बारात नहीं गई. वहीं, जब मामला पुलिस तक पहुंचा तो दोनों पक्ष को समझाया गया. अब दोनों पक्ष समझौता करने की बात कह रहे हैं.

6 अप्रैल को थी शादी

मामला थाना रसूलपुर का है. जहां एक लड़की की शादी 6 अप्रैल को होनी थी. लेकिन बारात नहीं आई. बारात न आने की वजह कुछ और नहीं दहेज बनी. शादी के दिन दूल्हे के पिता ने फोन करके 10 लाख रुपये की डिमांड रख दी. पैसा नहीं मिला तो वो बारात लेकर ही नहीं आए.

लड़की के पिता ने फिर थाने में जाकर शिकायत दी. फिलहाल दोनों पक्ष समझौते की बात कर रहे हैं. देखना होगा कि ये शादी होती है या नहीं.

दारुल उलूम देवबंद में महिलाओं की एंट्री पर फिर क्यों लगा बैन? जानें वजह

उत्तर प्रदेश. उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में स्थित दारुल उलूम देवबंद में महिलाओं और बच्चों की एंट्री पर एक बार फिर से रोक लगा दी गई है. इस बार ये फैसला दारुल उलूम देवबंद में हो रही प्रवेश परीक्षाओं को लेकर लिया गया है. महिलाओं और बच्चों की एंट्री पर ये पाबंदी परीक्षा देने आने वाले छात्रों को परेशानी न हो इसलिए लगाई गई है. नए सेशन के लिए परीक्षा देने आने वाले लोगों से भी ये अपील की गई है कि अपने साथ बच्चों और महिलाओं को न लेकर आएं.

दारुल उलूम के मोहतमिम (प्रबंधक) मुफ्ती अबुल कासिम नोमानी की ओर से इस पाबंदी का ऐलान जारी किया गया. उन्होंने इस फैसले पर नए सेशन के लिए होने वाले एंट्रेंस एग्जाम का हवाला दिया है. कहा गया है कि परीक्षा देने आने वाले छात्रों को परेशानी न हो. इसलिए ये फैसला लिया गया है. इसके साथ ही यहां घूमने आने वाली महिलाओं और बच्चों के आने पर भी पाबंदी लगा दी गई है.

पहले भी लगा महिलाओं की एंट्री पर बैन

यह पहली बार नहीं है, जब दारुल उलूम देवबंद में महिलाओं की एंट्री बैन की गई है. इससे पहले पिछले साल भी दारुल उलूम देवबंद में महिलाओं के प्रवेश पर पाबंदी लगी दी गई थी. जहां इस बार परीक्षाओं को लेकर एंट्री बैन करने की बात कही गई है. वहीं पिछली बार कहा गया था कि दारुल उलूम देवबंद में कुछ महिलाएं बेपर्दगी से आती हैं और संस्था के अंदर रील बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हैं, जिससे संस्था का नाम खराब होता है. ये कहते हुए महिलाओं के प्रवेश पर पाबंदी लगा दी गई थी.

शर्तों के साथ दी गई थी इजाजत

इसके बाद पिछले साल लगाया गया प्रतिबंध 21 अक्टूबर 2024 को कुछ शर्तों के साथ हटाया गया था और महिलाओं को संस्था में आने की इजाजत दे दी गई थी. अब प्रवेश परीक्षाओं का हवाला देकर महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है. साथ ही बच्चों की एंट्री पर भी बैन लगा दिया गया है. अब महिलाएं और बच्चे दारुल उलूम देवबंद में घूमने भी नहीं जा सकते.

एक टुकड़ा नहीं मिला, केवल कर रहे प्रताड़ित... ED रेड पर पूर्व सांसद भीष्म शंकर तिवारी का बयान

उत्तर प्रदेश. के पूर्व कैबिनेट मंत्री हरिशंकर तिवारी के बेटे विनय शंकर तिवारी सोमवार तड़के सुबह ईडी ने दबिश दी. टीम ने सुबह 6 बजे गोरखपुर के धर्मशाला स्थित उनके आवास पर छापा मारा, ये कार्रवाई करीब 7 घंटों तक चली. ईडी दोपहर 12.30 बजे टीम कुछ हम दस्तावेज लेकर उनके आवास से रवाना हो गई है. रेड की कार्रवाई पर विनय तिवारी के भाई का बयान भी सामने आया है.

मीडिया से बात करते हुए संत कबीर नगर के पूर्व सांसद भीष्म शंकर तिवारी उर्फ कुशल तिवारी ने बताया कि हम लोगों को परेशान करने के लिए ईडी की रेड डाला गया है. कोई भी दस्तावेज ईडी की टीम को नहीं मिला है, राजनीतिक रूप से बदनाम करने की साजिश की जा रही है.कुशल तिवारी ने आगे बताया कि ताला चाबी खोलने वाले को भी बुलाया गया था. अलमारी का लॉक भी खुलवाया गया, लेकिन ईडी को वहां से कागज का एक टुकड़ा भी नहीं मिला है. मेरे ऊपर दबाव बनाया जा रहा है मुझे प्रताड़ित किया जा रहा है कि अच्छा नहीं है. उन्होंने यह भी बताया कि मैं 9 दिन व्रत था. सुबह ही ईडी की टीम आ गई मुझे आज पारण करना था मैं अभी तक चाय तक नहीं पी पाया हूं.

किस मामले में हुई ED की छापेमारी?

ED ने गंगोत्री इंटरप्राइजेज के ऑफिस समेत गोरखपुर में भीष्म शंकर तिवारी उर्फ कुशल तिवारी के घर पर छापेमारी की है.

मुंह में तेल भरकर दिखा रहा था आग वाला करतब, लपटों में खुद झुलसा युवक, दाढ़ी-बाल और चेहरा जला

महाराष्ट्र. रविवार को पूरे देश में रामनवमी का त्योहार मनाया गया. इस मौके पर शोभायात्रा निकाली गई. इसी बीच महाराष्ट्र के पुणे के तलेगांव दाभाड़े में रामनवमी के उत्सव के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया. यहां भी शोभायात्रा निकाली जा रही थी, लेकिन शोभायात्रा में आग का करतब करते समय एक युवक अचानक आग की लपटों की चपेट में आ गया. इससे युवक का चेहरा, दाढ़ी, गर्दन, सीना और बाल जल गए, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया.बताया जा रहा है कि युवक का नाम विनय पाटिल है, जो इलाके में कास्ट वरू से जुड़ा हुआ है. वह अक्सर धार्मिक आयोजनों में प्रदर्शन करता है. इस मामले को लेकर शोभायात्रा के दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि शोभायात्रा में भारी भीड़ मौजूद थी और विनय आग से खेलने वाला करतब दिखा रहा था. युवक ने मुंह में तेल डालकर

जैसे ही आग का करतब दिखाया वैसे ही अचानक एक चिंगारी उसकी प्रॉप्स से निकलकर सीधे उसके चेहरे पर आ गिरी, जिससे उसकी दाढ़ी और बालों में आग लग गई. कुछ ही पलों में आग में उसका पूरा चेहरा झुलस गया. स्थानीय लोगों ने बिना देर किए आग बुझाई और विनय को तुरंत तलेगांव जनरल हॉस्पिटल पहुंचाया.

चेहरा, गर्दन और सीना झुलस गया

डॉक्टरों ने बताया कि आग में उसका चेहरा, गर्दन और सीने का हिस्सा झुलस गया है. उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है. हालांकि, वह खतरे से बाहर है. उसे बेहतर इलाज के लिए पुणे के बड़े अस्पताल में रेफर कर दिया गया है. इस घटना के बाद आयोजन समिति की लापरवाही पर भी सवाल उठ रहे हैं. पूछताछ में पता चला कि आग के करतब के दौरान जरूरी सुरक्षा उपाय मौजूद नहीं थे.

आयोजन में सुरक्षा मानकों की अनदेखी

इसके साथ ही दमकल की भी कोई व्यवस्था नहीं की गई थी और न ही प्रशिक्षित अग्निशमन कर्मी तैनात थे. तलेगांव पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक ने जानकारी दी कि आयोजनकर्ताओं से पूछताछ की जा रही है.

पिता बांट रहे थे बेटी की शादी के कार्ड, पीछे से घर पर हो गया ऐसा हादसा... सदमे में चला गया परिवार

मध्य प्रदेश. बेटी की शादी होने वाली थी. परिवार बहुत खुश था. सारी तैयारियां कर ली गई थीं. दुल्हन के कपड़ों से लेकर राशन आदि, सारा सामान पिता ने खरीद कर घर में रखवा लिया था. लेकिन रविवार का दिन उनके परिवार के लिए काल बनकर आया. पिता शादी के कार्ड बांटने गए थे कि तभी पता चला उनके घर में आग लग गई है. पिता दौड़े-दौड़े घर पहुंचे तो देखा कि घर का सारा सामान जलकर खाक हो चुका है. घटना मध्य प्रदेश के शिवपुरी की है.

बदरवास थाना इलाके के अखाई महादेव गांव में एक घर में रविवार के दिन भीषण आग लग गई. इस घर में कुछ दिन बाद शादी समारोह का आयोजन होना था. आग लगने से शादी के लिए खरीदा गया सामान और अनाज सबकुछ जलकर

खाक हो गया. गनीमत रही की घर में मौजूद लोग वक्त पर बाहर आ गए वरना किसी की जान भी जा सकती थी.

शादी के कार्ड बांट रहा था पिता

जानकारी के मुताबिक, अखाई महादेव गांव में रहने वाले राजेश कुशवाह की बेटी की शादी 20 अप्रैल को होनी है. घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं और बेटी की शादी में जो सामान देना था वो भी पिता ने खरीद कर घर पर रख दिया था. इसके अलावा दुल्हन और परिवार ने कपड़ों की भी खरीददारी कर ली थी. वो सामान भी घर पर ही रखा था. रविवार को राजेश कुशवाह बेटी की शादी का निमंत्रण देने के लिए खजूरी गांव गया हुए थे. तभी उनके पास फोन आया कि घर में आग लग गई है और घर में रखा सारा सामान और अनाज जलकर खाक हो गया है.

शॉर्ट सर्किट से लगी आग

बताया जा रहा है कि गांव के ही रहने वाले ब्रजभान और जगराम यादव ने पानी की मोटर चलाने के लिए अवैध रूप से बिजली के तार डाले थे, जो राजेश के कच्चे घर के ऊपर से गुजरे थे. इन्हीं तारों में शॉर्ट सर्किट हुआ और चिंगारी निकली जिसने कच्चे मकान को जलाकर खाक कर दिया.

उज्जैन से गुजर रही बिलासपुर-बीकानेर एक्सप्रेस में लगी आग, यात्रियों में मचा हड़कंप

छत्तीसगढ़. बिलासपुर से राजस्थान के बीकानेर जा रही बिलासपुर-बीकानेर एक्सप्रेस ट्रेन में रविवार को आग लग गई. देखते ही देखते आग की लपटें आसमान छूने लगी. चलती ट्रेन में आग लगने की खबर से ट्रेन में सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया. गनीमत रही कि समय रहते गार्ड की नजर पड़ गई और इस ट्रेन को उज्जैन के तराना में रोक लिया गया. इसके बाद रेलवे के अधिकारियों ने जिस कोच में आग लगी थी, उसे अलग कर ट्रेन के बाकी हिस्से को आगे के लिए रवान कर दिया.

चूंकि आग ट्रेन के जेनरेटर कोच में लगी थी, इसलिए इस घटना में किसी जन या धन हानि की खबर नहीं है. रेलवे ने घटना की जांच के

आदेश दे दिए हैं. घटना के वक्त ट्रेन कालीसिंध ब्रिज पर थी. अधिकारियों के मुताबिक आग ट्रेन के एसएलआर बोगी में लगी थी. इसलिए इस घटना में कोई जन हानि नहीं हुई है. जानकारी के मुताबिक रविवार की शाम को उज्जैन से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित काली सिंध ब्रिज से होकर गुजर रही बिलासपुर बीकानेर एक्सप्रेस के एसएलआर डिब्बे में अचानक लग गई.

आग वाले कोच को अलग कर रवाना हुई ट्रेन

गार्ड की नजर पड़ी तो उसने तत्काल ट्रेन के पायलट से बात कर गाड़ी रोक दिया. इसके बाद रेलवे कर्मियों के साथ आम लोगों ने भी मदद की और आग को बुझाया गया. इसके बाद तराना स्टेशन पर ट्रेन से आग लगने वाले एसएलआर कोच को निकाल कर बाकी ट्रेन को आगे रवाना किया गया. घटना के बाद रेलवे ने पूरा घटनाक्रम बताया है. रेलवे पीआरओ खेमराज मीणा के मुताबिक आग पर काबू पा लिया गया है. इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है.

घटना का वायरल हो रहा वीडियो

ट्रेन को तराना में रोककर जिस डब्बे में आग लगी थी उसे अलग किया गया और ट्रेन को यहां से आगे के लिए रवाना कर दिया गया.

साली ने जीजा को मारा ऐसा कमेंट, मच गया बवाल; दूल्हे राजा ने रोते-रोते पुलिस को लगाया फोन, फिर...

उत्तर प्रदेश. उत्तर प्रदेश के बिजनौर में एक घर पर शादी का फंक्शन था. दुल्हनिया सज धजकर दूल्हे का इंतजार कर रही थी. तभी दूल्हे राजा बारात लेकर पहुंचे. बारातियों का धूमधाम से स्वागत किया गया. फिर बारी आई अन्य रस्मों की. निकाह पढ़ाने के बाद मेहर की रस्म भी हो गई. उसके बाद बारी आई जूता चुराई की. सालियों ने होने वाले जीजा जी के जूते चुरा लिए. जूता वापस करने की एवज में वो दूल्हे राजा से 50 हजार रुपये मांगने लगीं. दूल्हे ने कहा- हम तो पांच हजार रुपये देंगे.

बस इतनी सी बात पर अचानक से बखेड़ा खड़ा हो गया. दुल्हन की बहनें भी जिद पर अड़ी रहीं तो वहीं दूल्हे राजा भी पांच हजार से एक रुपया भी ज्यादा देने को तैयार न हुए. तब मजाक-मजाक में दुल्हन की एक बहन ने दूल्हे को ऐसा कमेंट मार दिया, जिससे बाराती नाराज हो गए. दरअसल, उसने दूल्हे को भिखारी कह दिया था. बस यही बात दूल्हे और अन्य बारातियों को नागवार गुजरी. दूल्हा पक्ष ने भी कहा- तुम लोगों ने भी तो अपनी बेटी को हल्के फुल्के गहने दिए हैं.

दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया

बस फिर क्या था, इसी बात पर दोनों पक्षों में जमकर बहसबाजी शुरू हो गई. दुल्हन पक्ष ने दूल्हा समेत बारातियों को बंधक बना लिया. फिर उनकी पिटाई भी कर डाली. घायल दूल्हे ने तब पुलिस को फोन लगाया और पूरी बात बताई. पुलिस ने तब दोनों पक्षों को नजीराबाद थाने में बुलाया.

देवर-भाभी में पक रही थी इश्क की खिचड़ी... फिर आई देवरानी की मौत की खबर, एक फोन कॉल से खुला ये राज

राजस्थान. राजस्थान के बांसवाड़ा में एक विवाहिता की मौत से सनसनी फैल गई. मामला खमेरा थानाक्षेत्र के कानेला इलाके का है. यहां एक विवाहिता ने जहर खाकर जान दे दी. उसके भाई ने फिर जो खुलासा किया, उससे पुलिस के भी होश उड़ गए. भाई ने कहा- मेरे जीजा का अफेयर उनकी विधवा भाभी से है. इसी बात को लेकर मेरी बहन परेशान थी. जीजा ने उसके पैर काट डालने की धमकी दी थी.मृतका का नाम संगीता था. संगीता के भाई सूरजमल की मानें तो- मेरी बहन की शादी कल्पेश से हुई थी. कल्पेश का चक्कर उनकी ही विधवा भाभी इंदिरा से चल रहा है. इसका विरोध मेरी बहन करती थी. रविवार को

प्रतापगढ़ में शादी समारोह था. संगीता उसमें आने वाली थी. लेकिन जब वो आई नहीं तो मेरे बेटे ने उसे फोन दिया. तब बेटे ने सुना कि कल्पेश गुस्से में संगीता से कह रहा था कि अगर तू मायके गई तो तेरे पैर काट डालूंगा. फिर फोन बंद हो गया.सूरजमल के मुताबिक- फिर शाम को हमें पता चला कि संगीता ने जहर खा लिया है. हमें यकीन है कि संगीता की हत्या हुई है. हम बहन के लिए इंसाफ चाहते हैं. फिलहाल, इस केस में पुलिस जांच कर रही है.

चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

पुलिस के मुताबिक- एक विवाहिता की रविवार सुबह खमेरा इलाके के कानेला स्थित ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में कीटनाशी पीने के बाद मौत हो गई. मामले की इत्तला पर दोपहर में एमजी अस्पताल में मृतका के पीहर पीपलखूंट क्षेत्र के डूंगरीपाड़ा से परिजन पहुंचे तो विवाद उपजा.

शाम को मृतका संगीता के भाई सूरजमल पुत्र गौतम ने कानेड़ा निवासी अपने बहनोई कल्पेश पुत्र भीमराज वडेरी, उसकी विधवा भाभी इंदिरा पत्नी दिनेश, जेठ भीमराज पुत्र हीरालाल और जेठानी मीरा के खिलाफ हत्या का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दी.

भतीजे ने किया संगीता को फोन

सूरजमल ने कहा- रविवार को डूंगरीपाड़ा से एक बारात जानी थी, इसमें आमंत्रित संगीता नहीं पहुंचने पर सुबह करीब सवा सात बजे उसके भतीजे ने फोन किया. तब वह तैयार भी थी, लेकिन ससुराल से झगड़ा सुनाई दिया. मृतका के भाई सूरजमल ने दावा किया कि बेटे ने फोन पर कल्पेश को पीहर जाने पर पैर काटने की धमकी देते सुना, फिर फोन बंद हो गया.

धर्म

आदिशक्ति बिना कुछ भी पूर्ण नहीं

आदिशक्ति, माँ जगदम्बे, जगतजननी शक्तिस्वरूपा माँ दुर्गा की महिला का उल्लेख वेदों और पुराणों में है। आदिशक्ति के बिना कुछ भी पूर्ण नहीं है। भगवान शिव के साथ वह गौरी अथवा शक्ति के रूप में हैं तो, भगवान विष्णु के साथ महालक्ष्मी के रूप में हैं तो श्री राम के साथ माता सीता के रूप में। कहा जाता है कि शक्ति के बिना शिव शववत है। सीताराम, राधाकृष्ण का संबोधन भी आदिशक्ति के साथ किया जाता है। वेद, पुराणों, उपनिषदों में भी आसुरी शक्ति के नाश के लिए देवताओं का दैवीय शक्ति माता की शरण में पहुंचने का उल्लेख है। साल में दो नवरात्र पड़ती हैं, एक चैत्र में और दूसरी आश्विन कार्तिक में। ऋग्वेद में देवी की महिमा का अनूठा वर्णन मिलता है। देवी ने कहा है, संपूर्ण जगत की अधीश्वरी अपने उपासकों को धन की प्राप्ति कराने वाली, साक्षात्कार करने योग्य परब्रह्म को अपने से अभिन्न रूप में जानने वाली तथा देवताओं में प्रधान हूं। प्रपंच रूप से अनेक भावों में स्थित हूं, अनेक स्थानों पर रहने वाले देवता जहां कहीं जो कुछ भी करते हैं, वह सब मेरे लिए करते हैं। मैं ही भोक्ता शक्ति हूं। जो अन्न खाता है, वह मेरी शक्ति से ही खाता है। कार्य करने में सामर्थ्य मेरी शक्ति का फल है। जो यह नहीं जान पाते, वे विपन्नता भुगतते हैं। मैं जिसकी रक्षा करना चाहती हूं, उसे सशक्त बना देती हूं। उसे क्षमा मेघा शक्ति प्रदान करती हूं। ब्रह्म देवी असुरों का वध करने के लिए रुद्र के धनुष को चढ़ाती हूं। शरणागत की रक्षा के लिए मैं युक्ति करती हूं। आकाश, पृथ्वी, जल में व्याप्त हूं, समस्त भुवन में व्याप्त हूं।

देवी को 108 नामों से संबोधित किया जाता है। सती, साध्वी, भवभीता, भवानी, भवमोचनी, आर्या, दुर्गा, जया, आद्या, त्रिनेला, शूलधारिणी, पिनाकधारिणी, चिला, चंद्रघंटा, महातपा, मन, बुद्धि, अहंकारा, चित्ररुपा, चिता, चिती, सर्वमंत्रमयी, सत्ता, सत्यानंद स्वरूपिणी, अनंता, भाविनी, भाव्या, भव्या, रुमव्या, सदापति, शाम्भवी, देवमाता, चिंता, रत्नप्रिया, सर्वविधा, दक्षकन्या, दक्षयज्ञ, विनाशनी, अपर्णा, अनेकवर्ण, पाटला, पाटलावती, पहांबर पराधीना, कलामंजीर रंगिनी, अमेय विक्रमा, क्रूरा, सुंदरी, सुरसुंदरी, वनदुर्गा, मातंगी, मतंग, मुनि पूजिता, ब्राह्मी, माहेश्वरी, ऐन्द्री, कौमारी, वैष्णवी, चामुंडा, वाराही, लक्ष्मी, पुरुषाकृति, बहुला, बहुलप्रेमी, सर्ववाहन वाहना, निशुंभशुंभहननी, महिषासुर मर्दिनी, मधुकैटम, चंडमुंड विनाशनी, सर्वअसुर विनाशा, सर्वदानव धातिनी, सत्या, सर्वस्य धारिणी, अनेकशस्त्रहस्ता, अनेकाशस्त्रधारिणी, कुमारी, एककन्या, कैशोरी, युवती, यति, अप्रौढ़ा, प्रौढ़ा, वृद्धमाता, बलप्रदा, महोदरी, मुक्तकेशी, घोरस्पा, महाबला, अग्निवाला, रौद्रमुखी, कालरात्रि, तपस्विनी, नारायणी, भद्रकाली, विष्णुमाया, जलोधरी, शिवदूती, कराली, अनंता, परमेश्वरी, कान्यायनी, सावित्री, प्रत्यक्षा, ब्रह्मवादिनी और सर्वशास्त्रमयी के सम्बोधनों के साथ मातारानी को पुकारा जाता है।

श्री दुर्गा सप्तशती में तो माँ दुर्गा महिमा का व्यापक वर्णन हैं। दुर्गा सप्तशती के पाठ से अभीष्ठ और मनोवांछित फल की कामना की जाती है। और विश्वासपूर्वक पाठ करने से फल प्राप्त होता है। दुर्गा सप्तशती के प्रथम अध्याय में मधुकैटभ महासुर के वध की कथा है, जिसमें योग माया, योग निद्रा की शक्ति का उल्लेख मिलता है। ब्रह्म, विष्णु की नाभि कमल से उत्पन्न होते हैं। विष्णु शैया मग्न है। मुधकेटभ महासुर घात लगाये ब्रह्म को ग्रास बनाना चाहता है। तब ब्रह्म देवी की स्तुति करते हैं। योग माया विष्णु को निद्रा से जगा देती है। मधुकैटभ और विष्णु भगवान के बीच भयंकर युद्ध होता है। मधुकैटभ पर योग माया का प्रभाव पड़ता है और वह विष्णु की शक्ति पर मोहित होकर उनसे वर मांगने को कहता है। मधुकैटभ वरदान में अपनी मृत्यु स्वीकार करते है और विष्णु भगवान उसे जंघा पर सुला कर उसका वध करके ब्रह्म को जीवन प्रदान करते हैं।

श्री दुर्गा सप्तशती के दूसरे अध्याय में महिषासुर की सेना के वध की कथा है। देवासुर संग्राम में जब यम कुबेर दिगपाल, इंद्र युद्ध से भाग गए। पराजय के बाद देवतागण विष्णु की शरण में सभी पहुंचते हैं। ब्रह्म, विष्णु, महेश से मिल कर महाशक्ति दुर्गा का प्रादुर्भाव हुआ। तृतीय अध्याय में महिषासुर वध का वृतांत है। महिष मृत्यु का प्रतीक है। चौथे अध्याय में शत्रु विनाश और शक्ति साधकों के रक्षण की कथा स्तुति के रूप में है। इसका शुक्रादि स्तुति के नाम से भक्त पारायण करते हैं। पंचम अध्याय में असुरो के दूत से देवी के संवाद की कथा है कि शक्ति का परिचय देना होगा। अहंकार ही शुंभ दैत्य है तो क्रोध निशुंभ दैत्य है। कामध्त की बीमारी है। मद मत्सर धूम विलोचन दैत्य है। पांचवें अध्याय में कथा है कि शुंभ-निशुंभ ने देवों का वैभव छीन लिया। महाशक्ति का आह्वान किया गया, तब जगदंबा हिमालय पर प्रकट हुई। असुर दूतों ने यह सौंदर्य देख शुंभ से प्रशंसा की और शुंभ ने उस सौंदर्य मूर्ति को लाने को कहा। देवी ने दूत का मद मर्दन किया। छटवें अध्याय में धूम विलोचन के वध की कथा है। धूम विलोचन को महाशक्ति ने समाप्त कर दिया। सप्तम अध्याय में चंड-मुंड का संहार चंडी ने किया है। चंड-मुंड को काली ने खेल खेल में निगल लिया और चामुंडा के रूप में संबोधित हुई है। आठवें अध्याय में रक्तबीज की कथा है। नवम अध्याय में देवी ने शुंभ-निशुंभ का वध किया है। दसवां अध्याय विजय दशमी के रूप में व्यक्त है। देवता, इंद्र अपना आसन पुनः प्राप्त कर लेते हैं और देवी की प्रार्थना करते हैं। एकादश अध्याय में देवता गण देवी की प्रार्थना करते हैं और देवी जी उन्हें वरदान देकर तृप्त कर देती हैं। देवी द्वारा महादैत्यों, असुरों के मारे जाने के बाद इंद्र सहित सभी देवता देवी की महिमा की आराधना करते हैं। देवी, देवताओं से वरदान मांगने को कहती हैं। देवता विनम्र भाव से अभयदान मांगते हैं। देवी वर देती है और कहती है कि वैश्वस्त मन्वतंर के अठारवें युग में शुंभ-निशुंभ से कुछ भिन्न दानव फिर पैदा होंगे। तब नदगोप के घर यशोदा के गर्भ से अवतार लेकर विंध्याचल में वास करुंगी। दैत्यों का विनाश करुंगी। बारहवें अध्याय में सप्तशती का महात्म वर्णित है। तेरहवां अध्याय समापन है। इस तरह से श्री दुर्गा सप्तशती काम-क्रोध, मद-मोह-माया से विरक्त रहने का संदेश भी देता है। देवी के विभिन्न रूप में अवतार और इन अवतारों द्वारा असुरों का नाश, इस बात का सशक्त उदाहरण हैं। ये कहने की जरूरत नहीं कि इसके पाठ से शांति मिलती है, सुख-समृद्धि प्राप्त होती है, कष्ट दूर होते हैं। विश्वासपूर्वक इसका पाठ किया जाए तो इसमें मनोवांछित फल की कामना पूर्ण करने की अपार शक्ति है।

या देवी सर्वेभूतेषू शक्ति रूपेण संस्थिताः।
नमस्तस्यै, नमस्तस्यै, नमस्तस्यै नमो नमः॥

माँ भवानी सबकी करती है मनोकामना पूर्ण

छत्तीसगढ़ के पावन धार्मिक स्थलों में एक नाम आता है डोंगरगढ़ का जी हां, मां बम्लेश्वरी की पावन धरती डोंगरगढ़ से मात्र 17 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है ग्राम करेला। यहां स्थित डोंगरी को भवानी डोंगरी के नाम से जाना जाता है। बीट क्रमांक 321 जो कि 380 हेक्टेयर में फैला है। इस पहाड़ी पर प्राकृतिक छटा के मध्य विराजमान है मां भवानी। यहां से लगा है ग्राम बन्दबोड़, यहां जंगल में स्थापित है बाबा बन्छोर देव। यहां स्थापित बन्छोर देव की प्रतिमाएं पन्द्रहवीं - सोलहवीं ईसा पूर्व की बताई जाती है।

इन धार्मिक स्थलों की ओर जाने के पूर्व पहुंचना पड़ता है ढारा - मोहारा चौक, जो ठेलकाडीह से होते हुए जिला मुख्यालय राजनांदगांव से जोड़ता है। दक्षिण से आने वाले मार्ग में मां बम्लेश्वरी की पावन धरा डोंगरगढ़ को जोड़ता है। जबकि उत्तर से आने वाले मार्ग खैरागढ़ को जोड़ता है। मां दन्तेश्वरी चौक से ही देखने मिलती है पुरातात्विक महत्व के पाषाण पर अंकित कलाकृतियाँ। जहां पूर्व की सड़क से निकलते वक्त एक विशालकाय पीपल वृक्ष के तले दाहिने ओर पुरातात्विक महत्व की कलाकृतियां मिलती है, वहीं दक्षिण की ओर निकलने पर दाहिने की ही ओर पुरातात्विक महत्व की कलाकृतियाँ मिलती हैं। यहां पर मां भवानी मंदिर पहुंच मार्ग को चिन्हान्कित करने बोर्ड लगाया गया है।

मां दंतेश्वरी चौक से उत्तर की ओर पक्की सड़क से आगे बढ़ना पड़ता है। लगभग एक किलोमीटर का रास्ता तय करते ही पुनः मार्ग विभाजक मिलता है। यहां पर से ही पश्चिम की दिशा की ओर प्राकृतिक छटा दिखना शुरूहो जाता है। मार्ग विभाजक से जहां एक मार्ग उत्तर दिशा की ओर जाता है वहीं दूसरे मार्ग पूर्व दिशा की ओर जाता है। हालांकि दोनों मार्ग खैरागढ़ को जोड़ता है यहां से मां भवानी, बाबा बन्छोर देव एवं मां विन्धयवासिनी के दर्शनार्थ भक्तजनों को उत्तर दिशा की मार्ग पर चलना पड़ेगा। इस तिराहे से ही प्राकृतिक छटा दिखाई देने लगता है। इस मार्ग से गुजरते हुए पश्चिम दिशा की ओर पड़ी दिखाई देती है खेती की जमीन और आच्छादित वन। यहां की प्राकृतिक छटा मन को लुभाने लगता है। जल्द से जल्द उस प्राकृतिक छटा के नजदीक पहुंचने की लालसा बढ़ जाती है। यह मार्ग भी पक्की ही है। इस डामरीकृत मार्ग से होते हुए लगभग दो किलोमीटर का रास्ता तय करने के बाद फिर एक तिराहे मिलेगा। इसे करेला चौक के नाम से जाना जाता है। यहां पर दो करेला गांव है। पूर्व दिशा में स्थित गांव को नया करेला कहा जाता है जबकि पश्चिम दिशा में स्थित गांव को पुराना करेला के नाम से जाना जाता है।

यानि मां भवानी का पावन तीर्थ स्थल। इस मार्ग में प्रवेश कच्ची मार्ग से करना पड़ता है। आज भी इस क्षेत्र की महिलाएं जंगलों से लकड़ियां बीन कर लाती है। उसकी आग से भोजन बनता है। इस मार्ग से सिर पर लकड़ियों की गठ्ठर उठाए आती महिलाएं दिख ही जायेंगी। लगभग एक फर्लांग बाद ही शुरूहो जाता है पुराना करेला। यहां एकाध मकान को छोड़ दे तो शेष मकान कच्ची और कवेलू के ही नजर आते हैं। मकानों के आंगन बांसों की घेरा से सुरक्षित दिखाई देगी। इन मकानों को पीछे छोड़ते ही दिखाई देने लगती है हरियाली से आच्छादित वन और दूर दूर तक खाली पड़ी जमीन। जैसे ही वन के निचले भाग में पहुंचे कि नीचे स्थित मां भवानी मंदिर के गगनचुंबी गुंबद और लहराते ध्वजा अपनी ओर खींचती है, मंदिर की घंटी की गूंज से किसी धार्मिक स्थल पर होने की अनुभूति होने लगती है।

मां भवानी मंदिर के सामने बनाया गया।

है हवनकुण्ड। यहां क्वांर एवं चैत्रनवरात्रि पर्व पर ज्योति विर्सजन पूर्व किया जाता है हवन कार्यक्रम। नीचे स्थित मां भवानी के दर्शन बाद उत्तर दिशा में कुछ ही कदम की दूरी पर चलना पड़ता है फिर मुड़ना पड़ता है पश्चिम की ओर। जैसे ही ऊपर पहाड़ी पर विराजमान मां भवानी के दर्शनार्थ कदम बढ़ते हैं तो सामने मिलता है प्रवेश द्वार। इस प्रवेश द्वार को वृक्ष का रूप दिया गया है। थोड़ी दूर मिलती है समतल भूमि। जैसे ही सीढ़ी शुरूहोती है इसके पहले दाहिने ओर मिलती है एक बोरिंग जहां प्यास बुझा भक्तगण बढ़ते चलते हैं आगे की ओर। अभी पहाड़ी वाली मां भवानी के प्रागंण तक पहुंचने के लिए सीढ़ी का निर्माण कार्य जारी है। कुछ सीढ़ियां लांघने के बाद शुरूहो जाता है पथरीला राह। वन की चढ़ाई और पथरीला राह को भक्तगण बिसर जाते हैं अपने आजू - बाजू के वनों की हरियाली को देखकर।

सीढ़िया चढ़ते हुए भक्तगण पहुंच जाते हैं उस स्थल पर जहां की प्राकृतिक छटा के दर्शन की ललक को वह संवार नहीं पाता। पहाड़ की इस समतल क्षेत्र पर खड़ा होकर निहारने से दूर - दूर तक दिखाई देने लगते हैं घने जंगल। इस अनुपत दृश्य को देखकर एक पल तो लगता है कि कहीं सतपुड़े के घने जंगल में तो नहीं पहुंच गये। इस स्थल पर खड़े होकर देखने से जहां पश्चिम की ओर दिखाई देता है ओडार बांध वहीं दक्षिण दिशा की ओर डोंगरगढ़ की पहाड़ी पर विराजमान मां बम्लेश्वरी की मंदिर। यहां से डंगोरा, खैरबना जलाशय एवं शिवपुरी तालाब को भी आसानी से देखा जा सकता है।

भक्तगणों के कदम आगे बढ़ते हैं। थोड़ी सी ही चढ़ाई बाद पहुंच जाते हैं मां भवानी के दरबार में। जिस मंदिर में भवानी विराजमान है, उससे कुछ ही दूरी पर एक वृक्ष के नीचे चौड़ी पर मिट्टी का बनाया गया है नादिया बैल। यहां पर हाथी और हूम धूप का खप्पर रखा गया है। यहां पर बजरंगबली की मूर्ति स्थापित है जिसके बाद में एक गदा रखा गया है। उसके ठीक सामने तुलसी चौरा है। मां भवानी की तस्वीर के सामने मां की सवारी है। मां भवानी मंदिर के भीतर दीप प्रावलित की गई है जो अनवरत जलती रहती है। मां भवानी मंदिर के ठीक बाजू अर्थात् उत्तर दिशा में ज्योति कक्ष बनाया गया है। यहां प्रतिवर्ष भक्तों द्वारा क्वांर एवं चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर मनोकामना दीप प्रावलित की जाती है। मंदिर की दक्षिण दिशा में मां की झूला है। इसके ठीक पीछे त्रिशूल, बाना, तराजू खंजर और माताजी के नील लगे चरण पादुका रखा गया है।

मां भवानी के आगमन के संबंध में बताया जाता है कि आज से लगभग दो ढाई सौ वर्ष पूर्व स्वर्गीय श्री नारायण सिंह कंवर जो कि मालगुजार थे ओसारे में कुछ ग्रामीणों के साथ बैठे हुए थे। जेठ - बैसाख का माह था। भरी दुपहरी में जलजलाती हुई सर्वांग में बड़ी माता लिए एक तरुण अवस्था की कन्या आयी।

चेहरे तेज, उन्नत ललाट, श्वेत वस्त्र धारण किये उस कन्या ने मालगुजार स्व. श्री कंवर से अपने रहने के लिए जगह मांगी। श्री कंवर ने उससे अपने घर में ही रहने का आग्रह कर फिर से ग्रामीणों से बातचीत करने व्यस्त हो गये मगर जैसे ही उनका ध्यान ग्रामीणों से बंटा और ध्यान आया कि कोई कन्या आयी थी तथा ठहरने की लिए जगह मांगी थी वह दिखाई नहीं दे रही है। वे हड़बड़ा गये। तब तक वह कन्या वन का रास्ता पकड़ ली थी। स्वर्गीय नारायण सिंह कंवर उस कन्या के पीछे दौड़े साथ ही ग्रामीण भी। जब तक वे उस तक पहुंचते तब तक वह कन्या ऊपर पहाड़ी पर पहुंचकर बांस भीरा और एक चिरपोटी के नीचे छांव पर जा बैठी थी। श्री कंवर ने हाथ जोड़कर कहा कि माता मैंने तो आपको अपने घर में ठहरने कहा था, आप तो यहां आ गयी। चलिए मेरे निवास में... तब माता ने कहा - मेरे लिए यही जगह उपयुक्त है। मुझे यही रहना है। मां भवानी की बात सुनकर स्वर्गीय कंवर ने ग्रामीणों को वहां कुटिया बनाने कहा। ग्रामीण कुटिया बनाने लकड़ी की व्यवस्था कर ही रहे थे कि वह कन्या वहीं पर लुप्त हो गयी।

बताया जाता है कि मां भवानी सर्वमंगलकारी है। उनकी कृपा से कई लोगों की दरिद्रता दूर हुई है। कष्टों से कई लोगों ने मुक्ति पाई है।

नीचे मां भवानी मंदिर समतल भूमि में स्थित है। मां भवानी और बाबा बन्छोर देव की पावन धरा बन्दबोड़ के मध्य बना है एक जलाशय। इस जलाशय को भंडारपुर जलाशय के नाम से जाना जाता है। यहां की प्राकृतिक छटा देखते ही बनती है। इस प्राकृतिक छटा को निहारते हुए भक्तगण पहुंचते है ग्राम बन्दबोड़ और फिर शुरूहो जाता है बाबा बन्छोर देव के दर्शनार्थ पहुंचने रास्ता। यहां मोकइया वृक्ष के तले घोड़े पर बाबा बन्छोर देव सवार है। यहां दर्जनों की संख्या में पुरातात्विक महत्व की कलाकृतियाँ बाउण्ड्रीवाल की दीवार से संटा कर रखी गई है। किंवदंती है कि एक समय छैमासी रात पड़ी थी। इस छैमासी रात में बन्छोर देव घोड़े पर सवार होकर दल - बल समेत बरात जा रहे थे। संभवतः वह रात छैमासी की आखिरी रात थी। बाबा बन्छोर देव दल बल सहित बनबोड़ के वन से गुजर रहे थे कि सुबह हो गई और वे मूर्तिरूप में परिवर्तित हो गए। यह भी कहा जाता है कि ग्राम बन्दबोड़ के लोग मूर्तिकला में पारंगत थे। वे खाली समय में मनोरंजन की दृष्टि से वन में जाकर पत्थरों में मूर्ति कुरेदा करते थे। आज भी बन्दबोड़ में कुंभकारों का एक पारा है। यहां के मूर्तिकारों की ख्याति न सिर्फ गांव तक सीमित है, अपितु इनके द्वारा बनाये मूर्तियों की मांग जिला मुख्यालय तक है, इससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि यहां आदिकाल से मूर्तिकला जीवित है। बन्छोर देव तक पहुंचने के पूर्व रावण भाठा पड़ता है, जहां प्रत्येक वर्ष दशहरा पर्व मनाया जाता है। यहां संक्षिप्त रामलीला के बाद रावण वध किया जाता है।

चार मैचों में लगातार हार पर बोले विटोरी- हमें पता है इसके क्या नतीजे हो सकते हैं

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) में लगातार चार मैच हार चुकी सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) की टीम के हेड कोच डेनियल विटोरी ने अपने टॉप ऑर्डर के एग्रेसिव स्टाइल का बचाव किया है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि बल्लेबाजों को परिस्थितियों का सम्मान करना होगा और यह समझना होगा कि विरोधी टीमें एसआरएच के टॉप-3 बल्लेबाज़ों के खिलाफ काफी रणनीति बनाकर उतर रही हैं। एसआरएच को रविवार रात गुजरात टाइटन्स ने 7 विकेट से हरा दिया। यह आईपीएल 2025 में एसआरएच की लगातार चौथी हार थी। हैदराबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ एसआरएच की बैटिंग एक बार फिर बिखर गई। टीम ने 20 ओवर में 152/8 का स्कोर बनाया, जिसे गुजरात ने सिर्फ 16.4 ओवर में तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया। मैच के बाद विटोरी ने कहा, हम जानते हैं कि हमारा खेलने का तरीका काम करेगा, लेकिन हमें परिस्थितियों का सम्मान करना होगा। ये चीज हम सही से नहीं कर पा रहे हैं। विरोधी टीमें हमारे टॉप-3 बल्लेबाजों के खिलाफ काफी सोच-समझकर गेंदबाज़ी कर रही हैं और हम उसका तोड़ नहीं निकाल पा रहे।

बुमराह की मुंबई इंडियंस में वापसी, आरसीबी के खिलाफ मुकाबले से पहले टीम से जुड़े

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में संघर्ष कर रही मुंबई इंडियंस के लिए बड़ी राहत वाली खबर है। टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सोमवार को मुम्बई के वानखेड़े स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ होने वाले मैच से पहले टीम के साथ जुड़ गए हैं।माना जा रहा है कि बुमराह बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में बीसीसीआई के मेडिकल स्टाफ से मंजूरी मिलने के बाद शनिवार को मुंबई इंडियंस से जुड़ गए। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर बुमराह की वापसी की खबर शेयर की है। टीम ने बुमराह की फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, जंगल का राजा अपने किंगडम में वापस आ गया है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो के मुताबिक बुमराह महेला जयवर्धने के नेतृत्व में मुंबई इंडियंस के सहयोगी स्टाफ के साथ समन्वय कर अपनी वापसी का कार्यक्रम तय करेंगे। बुमराह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सिडनी टेस्ट के दौरान चोटिल हो गए थे। उन्हें पीठ के निचले हिस्से में परेशानी हुई थी। उसके बाद बुमराह आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी भी नहीं खेल पाए थे। जनवरी से वह सीओई में ही रिहैब प्रक्रिया से गुजर रहे थे। बुमराह के आने से मुंबई को मिलेगी मजबूती रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मुकाबला सोमवार शाम को खेला जाएगा। मुंबई की टीम चार में से एक जीत और तीन मैच हारकर पॉइंट्स टेबल में इस समय 8वें पायदान पर है।

बैसाखियों उछालकर कभी मनाया था जश्न, अब इस बल्लेबाज ने 59 बाऊंड्रीज के साथ 371 रन ठोके

नई दिल्ली। काउंटी चैंपियनशिप 2025 की शुरूआत में ही टांटन के कूपर एसोसिएट्स काउंटी ग्राउंड में वॉर्सेस्टरशायर के खिलाफ इंग्लैंड के क्रिकेटर टॉम बैंटन ने रिकॉर्ड 371 रनों की पारी खेली है। क्रीज पर लगभग 9 घंटे तक टिके रहने के दौरान बैंटन ने 403 गेंदों का सामना करते हुए 56 चौके और दो बड़े छक्के लगाए और अपनी टीम को 670 रन तक पहुंचा दिया। बैंटन जब क्रीज पर आए तो समरसेट के 39 रन पर 3 विकेट गिर चुके थे। लेकिन बैंटन ने इसके बाद जेम्स रॉ के साथ मिलकर ताबड़तोड़ शॉट लगाते हुए दोनों ने 371 रन की पार्टनरशिप की। मैच की शुरूआत में वॉर्सेस्टरशायर ने पहले खेलते हुए 164 रन ही बनाए थे। सितंबर 2024 में, काउंटी चैंपियनशिप में सरे के खिलाफ टूटे टखने के बावजूद बैंटन ने पहली पारी में 132 रन बनाए और टीम की रोमांचक जीत में योगदान दिया। जीत के बाद बैसाखियों के सहारे मैदान पर जश्न मनाने का उनका जुझारूपन प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय बना। उन्होंने फ्रैंचाइज़ी क्रिकेट में सफलता हासिल की।

जयवर्धने ने भरी दहाड़, बुमराह के वापस आने पर बोले- किसी भी टीम को हरा सकते हैं

मुंबई। मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा कि मुंबई इंडियंस में किसी भी टीम को हराने की क्षमता है लेकिन उसे सभी क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करने और आक्रामक होने की जरूरत है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ होने वाले आईपीएल मुकाबले की पूर्व संध्या पर जयवर्धने ने कहा कि मुंबई इंडियंस के पास शीर्ष पर ज्यादा बल्लेबाज नहीं हैं, लेकिन उनके पास जो अनुभव है, वह उन्हें दूसरों से अलग करता है। आईपीएल में हमेशा से धीमी शुरुआत करने वाली मुंबई इंडियंस चार मैचों में तीन हार के बाद फिलहाल अंक तालिका में आठवें स्थान पर है लेकिन जसप्रीत बुमराह की वापसी से उसे अपनी किस्मत बदलने की उम्मीद है। जयवर्धने ने ट्रेनिंग से पहले कहा कि हमारे पास मध्य क्रम में सूर्यकुमार यादव, तिलक और हार्दिक पंड्या जैसे खिलाड़ी हैं जो हमारे लिए 'लग्जरी? हैं। शायद हमारे पास जो अनुभव है, वह कुछ अन्य टीमों के पास नहीं है।

आईपीएल 2025: सनराइजर्स हैदराबाद की लगातार चौथी हार, गुजरात ने 7 विकेट से हराया

एजेंसी

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, हैदराबाद में खेले गए मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। वहीं, हैदराबाद की यह लगातार चौथी हार रही, जिससे उसकी स्थिति टूर्नामेंट में और कमजोर हो गई है। हैदराबाद की ओर से मिले 153 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस की शुरुआत लड़खड़ाई और टीम ने तीसरे ओवर तक अपने दोनों सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन (5 रन) और जोस बटलर (0 रन) को गंवा दिया। लेकिन कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 61 रन) और ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर (49 रन) ने तीसरे विकेट के लिए 90 रनों की बेहतरीन साझेदारी कर टीम को संभाल लिया। गिल ने 43 गेंदों में

9 चौकों की मदद से शानदार अर्धशतक जड़ा। वहीं सुंदर ने 29 गेंदों में 5 चौके और 2 छक्के लगाकर 49 रन बनाए, जो उनका आईपीएल करियर का सर्वोच्च स्कोर रहा। सुंदर के आउट होने के बाद शेरफाने रदरफोर्ड ने 16 गेंदों में नाबाद 35 रन की तेज तर्रार पारी खेली और गिल के साथ 21 गेंद में 47 रनों की साझेदारी करते हुए 16.4 ओवर में ही टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

हैदराबाद के लिए मोहम्मद शमी ने दो विकेट और पैट कमिंस ने एक विकेट अपने नाम किया।

इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए हैदराबाद की टीम पूरी तरह संघर्ष करती दिखी और 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 152 रन बनाए। टीम के लिए नीतीश रेड्डी (31), हेनरिच क्लासेन (27) और कप्तान पैट कमिंस (22 नाबाद) ने कुछ योगदान जरूर दिया, लेकिन सिराज की धारदार गेंदबाज़ी के आगे पूरी टीम दबाव में दिखी। मोहम्मद सिराज ने 17 रन देकर 4 विकेट झटके। उनके अलावा प्रसिद्ध कृष्णा और साई किशोर ने दो-दो विकेट लेकर सनराइजर्स को पहले बल्लेबाजी करते हुए 152 रन तक सीमित कर दिया।

संन्यास की अफवाहों के बीच धोनी का आया बड़ा बयान, बोले- अभी मेरे पास समय है

एजेंसी

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी का संन्यास की अफवाहों के बीच बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने खुद संन्यास के सवाल पर जवाब दिया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि वह अभी कहीं नहीं जा रहे। उनके पास अभी समय है यह तय करने के लिए वह आगे खेल सकते हैं या नहीं। दरअसल, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन के 17वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स का दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच था। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में हुए मैच में दिल्ली ने 25 रन से जीत दर्ज की। इस मैच को देखने धोनी के माता-पिता भी स्टेडियम पहुंचे थे। धोनी की पत्नी साक्षी और बेटी जीवा भी मौजूद थीं। इसी दौरान धोनी के संन्यास की अफवाह ने जोर पकड़ा था। हालांकि, मैच के बाद धोनी ने ऐसी कोई घोषणा नहीं की। अब धोनी ने अपने आईपीएल संन्यास को लेकर इन सारी अफवाहों पर विराम पूरी तरह से लगा दिया है। धोनी ने राज शमानी के साथ पॉडकास्ट में पुष्टि की कि वह इस सीजन के अंत में अपने करियर को अलविदा नहीं कह रहे हैं। उन्होंने संन्यास के सवाल पर कहा कि नहीं, अभी नहीं, मैं अभी भी आईपीएल में खेल रहा हूं और मैंने इसे बहुत सरल रखा है। मैं इसे एक बार में एक साल के हिसाब से देखता हूं। मैं 43 वर्ष का हूं, इस जुलाई तक मैं 44 वर्ष का हो जाऊंगा। मेरे पास यह निर्णय लेने के लिए 10 महीने हैं कि मुझे एक और वर्ष खेलना है या नहीं। उन्होंने कहा कि यह मैं नहीं हूं जो निर्णय ले रहा हूं, यह शरीर है जो आपको बताता है कि आप कर सकते हैं या नहीं। अभी जो करने की जरूरत है, उस पर पूरा ध्यान केंद्रित है।

भारत के सबसे महंगे रग्बी खिलाड़ी बने मोहित खत्री, जून में होगा आरपीएल सीजन-1 का आगाज

एजेंसी

मुंबई। भारत में पहली बार फ्रेंचाइजी आधारित रग्बी प्रीमियर लीग (आरपीएल) का आयोजन होने जा रहा है। जीएमआर और इंडियन रग्बी फुटबॉल यूनियन द्वारा आयोजित इस लीग का उद्घाटन संस्करण जून में मुंबई में होगा, जिसमें छह टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी। पहले सीजन में बेंगलुरु ब्रेवहार्ट्स, चेन्नई बुल्स, दिल्ली रेड्ज, हैदराबाद हीरोज, कलिंगा ब्लैक टाइगर्स और मुंबई ड्रीमर्स मैदान में उतरेंगी। प्रत्येक टीम ने 13 खिलाड़ियों की स्क्वाड बनाया है, जिसमें आठ इंटरनेशनल खिलाड़ियों को ड्राफ्ट से और 5 भारतीय खिलाड़ियों को नीलामी के माध्यम से चुना गया। नीलामी में मोहित खत्री को बेंगलुरु ब्रेवहार्ट्स ने 4.75 लाख रुपये में खरीदा, जिससे वे भारत के सबसे महंगे रग्बी खिलाड़ी बन गए। उनके साथ ही करण राजभर, अर्पण छेत्री, सुरेश कुमार और प्रशांत सिंह को भी टीम ने अपने साथ जोड़ा। यह टूर्नामेंट रग्बी सेवन फॉर्मेट में 01 जून से शुरू होगा और 15 जून को अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में भव्य फाइनल के साथ संपन्न होगा। 34 मैचों में भारत और दुनिया भर के 48 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हिस्सा लेंगे,

जिनमें न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, फिजी, अर्जेंटीना, आयरलैंड और अमेरिका जैसे देशों के सितारे शामिल हैं। जीएमआर स्पोर्ट्स के सीईओ सत्यम त्रिवेदी ने कहा, आरपीएल भारत में रग्बी को एक नया मुकाम देगा। इससे भारतीय खिलाड़ियों को वैश्विक स्तर पर सीखने का शानदार अवसर मिलेगा। इंडियन रग्बी फुटबॉलल यूनियन के अध्यक्ष राहुल बोस ने कहा, छह साल की मेहनत के बाद ये सपना साकार हुआ है। वर्ल्ड रग्बी की मदद से हमें 15 दिन की विंडो मिली, जिसमें दुनियाभर के स्टार खिलाड़ी उपलब्ध हैं।

तेलंगाना, दादरा एवं नगर हवेली और दमन-दीव ने दर्ज की पहली जीत

एजेंसी

झांसी। 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 के तीसरे दिन, झांसी में खेले गए मुकाबलों में तेलंगाना हॉकी और दादरा एवं नगर हवेली और दमन और दीव हॉकी की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी-अपनी पहली जीत दर्ज की। यह दोनों मुकाबले डिवीजन 'बी' के अंतर्गत खेले गए। पहले मैच में तेलंगाना हॉकी ने प्रभावशाली खेल का प्रदर्शन करते हुए हॉकी उत्तराखंड को 4-0 से पराजित किया। मुकाबले की शुरुआत से ही तेलंगाना ने आक्रामक रुख अपनाया। वेंकटेश तेलगु ने 8वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद मोहम्मद अफ्फान खान ने 15वें और 50वें मिनट में दो गोल दागकर टीम की स्थिति को और मज़बूत किया। मैच के अंतिम क्षणों में राम कुमार वेत्ति ने 60वें मिनट में गोल करके जीत पर मुहर लगा दी। दूसरे मुकाबले में दादरा एवं नगर हवेली और दमन और दीव हॉकी ने रोमांचक मुकाबले में असम हॉकी

को 2-1 से हराया। विजेता टीम की ओर से कुणाल यादव ने 11वें मिनट और सजल सक्सेना ने 16वें मिनट में गोल किए। असम की ओर से डॉ पवन ने 21वें मिनट में एकमात्र गोल किया, लेकिन टीम को हार से नहीं बचा सके। दोनों टीमों के लिए यह जीत न केवल आत्मविश्वास बढ़ाने वाली रही, बल्कि टूर्नामेंट में उनके लिए नई शुरुआत की तरह भी है। प्रतियोगिता में आगे बढ़ने के लिए यह तीन अंक बेहद अहम साबित हो सकते हैं।

रुद्रांक्ष ने शूटिंग वर्ल्ड कप में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में जीता गोल्ड, बाबूता सातवें स्थान पर

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष बलासाहेब पाटिल ने अर्जेंटीना में चल रहे आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्ड कप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा का गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वहीं, भारत के ही अर्जुन बाबूता फाइनल में सातवें स्थान पर रहे।

शानदार शुरुआत से अंत तक छाए रहे रुद्रांक्ष

रुद्रांक्ष ने फाइनल की शुरुआत से ही बढ़त बना ली थी। पहले सीरीज में 53.2 अंक जुटाकर वह टॉप पर रहे और पूरे फाइनल के दौरान अपनी पकड़ बनाए रखी। हंगरी के इस्तवान पेनी एक बार उन्हें चुनौती देने की स्थिति में आए, लेकिन रुद्रांक्ष ने जल्द ही वापसी

करते हुए गोल्ड मेडल पक्का कर लिया। पेनी को सिल्वर से संतोष करना पड़ा।

बाबूता नहीं दिखा सके दम, जल्दी हुए बाहर

दूसरी ओर अर्जुन बाबूता का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। उन्होंने शुरुआती पांच शॉट्स में सिर्फ 50.4 अंक हासिल किए। हालांकि एक 10.5 स्कोर ने उन्हें पहले एलिमिनेशन से बचा लिया, लेकिन अगली सीरीज में वह बाहर हो गए और सातवें स्थान पर रहे।

चीन और अर्जेंटीना के निशानेबाजों ने दी टक्कर

चीन के वांग होंघाओ ने कई बार एलिमिनेशन से खुद को बचाया, लेकिन ब्रॉन्ज मेडल की दौड़ में वह अर्जेंटीना के एम.जे. गुटिरेज़ से पिछड़ गए। गुटिरेज़ ने घरेलू दर्शकों के सामने कांस्य पदक अपने नाम किया।

क्वालिफिकेशन में भारतीयों का दबदबा

इससे पहले क्वालिफिकेशन राउंड में बाबूता और रुद्रांक्ष ने क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया। बाबूता ने 634.5 और रुद्रांक्ष ने 633.7 स्कोर किया। किरण अंकुश जाधव ने भी टॉप आठ में जगह बनाई लेकिन वह आरपीओ (रैंकिंग पॉइंट्स ओनली) के तहत खेल रहे थे, जिससे वह फाइनल में जगह नहीं बना सके। दिव्यांश सिंह पंवार (628.0, आरपीओ) और हृदय हजारिका (624.6) भी प्रतियोगिता में शामिल रहे।

इंटर मियामी को टोरंटो एफसी ने 1-1 की बराबरी पर रोका

एजेंसी

नई दिल्ली। फोर्ट लॉडरडेल, फ्लोरिडा में लियोनेल मेसी की इंटर मियामी और फेडेरिको बेर्नार्डेस्की की टीम टोरंटो एफसी के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 से ड्रॉ समाप्त हुआ। गए मुकाबले में मेसी और फेडेरिको बेर्नार्डेस्की ने अपनी अपनी टीमों के लिए एक-एक गोल किए। इस ड्रॉ के साथ इंटर मियामी (4-0-2, 14 अंक) ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में पहले स्थान से फिसल गई, जबकि टोरंटो एफसी (0-4-3, 3 अंक) ने एक मुश्किल मुकाबले से अंक हासिल किया। पूरी ताकत के साथ उतरी इंटर मियामी, फिर भी जीत नहीं मिली इंटर मियामी की इस नाकामी को और निराशाजनक इसलिए भी माना जा रहा है क्योंकि टीम में लियोनेल मेसी के साथ लुइस सुआरेज, जॉर्डी अल्बा और सर्जियो बुस्केट्स जैसे दिग्गज खिलाड़ी शुरुआत से ही मैदान पर मौजूद थे। बावजूद इसके टीम दो बार गोल करने के बाद भी स्कोरबोर्ड पर बढ़त नहीं बना सकी, क्योंकि एक गोल को ऑफसाइड और दूसरे को फाउल करार देकर खारिज कर दिया गया। दूसरे हाफ की शुरुआत में, 47वें मिनट में लोरेंजो इन्सिन्ये के क्रॉस पर बेर्नार्डेस्की ने शानदार कंट्रोल दिखाते हुए दो डिफेंडरों से घिरे होने के बावजूद गोल कर टोरंटो को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, मेसी ने हाफ टाइम से ठीक पहले पांचवें मिनट की इंजरी टाइम में जवाबी हमला करते हुए टेलास्को सेगोविया की पास पर बॉक्स के बाहर से बाएं पैर से शानदार गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। यह मेसी का इस सीजन एमएलएस में तीसरा और सभी प्रतियोगिताओं में कुल छठा गोल रहा।

'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' में डॉ मनसुख मांडविया ने 4000 से अधिक साइकिल सवारों का नेतृत्व किया

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने राजकोट में आयोजित 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में 21 किलोमीटर की साइकिल रैली में भाग लेते हुए 4000 से अधिक साइकिल चालकों का नेतृत्व किया। यह पहल देशभर में 500 से अधिक स्थानों पर आयोजित की गई, जिसमें कुल 10,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया। यह आयोजन रोटरी राजकोट मिडटाउन और राजकोट साइकिल क्लब द्वारा गुजरात पुलिस के सहयोग से किया गया। हरियाणा के हिसार में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने साई कोचों और खिलाड़ियों के साथ मिलकर साइकिल चलाई और फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार की इस पहल की सराहना की। दिल्ली में कार्यक्रम में एशियन ट्रैक साइकिलिंग चैम्पियनशिप के पदक विजेता रोनाल्डो लैतोंजम, डेविड बेकहम,

रोजित सिंह और ईसोव एल्बेन के साथ विदेशी कोच केविन सिरो भी उपस्थित रहे। इंडिया गेट के आसपास आयोजित इस आयोजन में 500 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इसमें जुम्बा, रस्सी कूद और पुश-अप जैसे फिटनेस एक्टिविटीज ने भी उत्साह बढ़ाया। केविन सिरो ने कहा, साइकिलिंग न केवल आसान और प्रभावी व्यायाम है, बल्कि यह प्रदूषण और ट्रैफिक की समस्याओं का समाधान भी है। वहीं रोनाल्डो ने युवाओं से आग्रह किया कि वे मोटापे से लड़ने के लिए साइकिलिंग को अपनाएं। बेंगलुरु, कोलकाता, विशाखापत्तनम, पोर्ट ब्लेयर, इम्फाल, गुवाहाटी, पटियाला, गंधीनगर, रायपुर जैसे शहरों में भी यह रैली पुलिस विभागों और साई केंद्रों के सहयोग से आयोजित की गई। अब तक यह साइकिलिंग आंदोलन देशभर में 5000 स्थानों पर आयोजित हो चुका है, जिसमें 2 लाख से अधिक लोग भाग ले चुके हैं। इसमें सेना, अर्धसैनिक बलों, पैरा एथलीट्स और बॉलीवुड से जुड़ी हस्तियों की भागीदारी ने इसे एक जनांदोलन बना दिया है।यह कार्यक्रम एमवाईएएस, साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया, माय बाइक्स और माय भारत के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

रिंकू सिंह ने टैटू का खोला राज, बोले- केकेआर ने मेरी जिंदगी बदल दी

कोलकाता ।कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह की बांह में गुदा टेटू उन्हे उस पल की याद दिलाता है, जिसने उनकी जिंदगी हमेशा के लिये बदल दी। नाइट बाइट के एक एपिसोड में रिंकू ने अपने क्रिकेट के सफर को याद करते हुये अपने टैटू के बारे में बात की, जिस पर 'भगवान की योजना, खूबसूरती से किया गया' लिखा हुआ था और साथ ही '2:20' लिखा हुआ था। ठीक वही पल जब वह कोलकाता नाइट राइडर्स से जुड़े और उसने उनकी ज़िंदगी हमेशा के लिए बदल दी। कोलकाता फ्रेंचाइजी के साथ अपने विशेष संबंध को दर्शाने वाले टैटू की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि जब मुझे 2018 में केकेआर ने 80 लाख रुपये में खरीदा था।

टिम डेविड वानखेड़े में खेलने को लेकर उत्साहित, बोले- रजत सुपर कैप्टन

एजेंसी

मुंबई। आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच होने वाले मुकाबले से पहले आरसीबी के ऑलराउंडर टिम डेविड ने अपनी पुरानी टीम मुंबई और भारतीय क्रिकेट के दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली को लेकर दिलचस्प बातें साझा कीं। टिम ने कहा, रोहित शर्मा और अब विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना शानदार अनुभव है। ये दोनों ही खिलाड़ी लंबे समय से इस टूर्नामेंट का हिस्सा रहे हैं और फैंस के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। ऐसे खिलाड़ियों के साथ खेलना हमेशा मज़ेदार होता है और माहौल बहुत शानदार बनता है।वानखेड़े स्टेडियम में खेलने को लेकर टिम ने कहा, ÷मुंबई लौटकर खेलना हमेशा अच्छा लगता है। यह मैदान बल्लेबाजों के लिए बेहतरीन है और यहां खेलने का अनुभव शानदार रहा

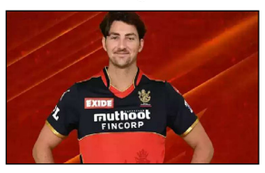

है। अब यह मेरा घरेलू मैदान नहीं है, लेकिन उम्मीद है कि मैं कल रात कुछ खास कर पाऊं। आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार की तारीफ करते हुए टिम ने कहा, राजत बेहद प्रतिभाशाली बल्लेबाज हैं। वह आक्रामक अंदाज में खेलते हैं और अपने रोल को बखूबी निभाते हैं। कप्तान के तौर पर वे शांत स्वभाव के हैं और उनकी योजनाएं स्पष्ट होती हैं। टीम में सकारात्मक माहौल बना है और इसमें उनका बड़ा योगदान है। वो टीम के सुपर कैप्टन हैं। आरसीबी के अब तक के प्रदर्शन पर टिम डेविड ने कहा, ÷हमारे लिए टूर्नामेंट की शुरुआत शानदार रही है। कोलकाता और चेन्नई जैसे मुश्किल मैदानों पर जीत हासिल करना बड़ी बात है। पिछला मैच हम जल्दी विकेट गंवाने की वजह से हार गए, लेकिन ऐसी चीजें कभी-कभी होती हैं। हमारी बल्लेबाजी मजबूत है और हम आत्मविश्वास से भरे हैं। मुंबई के खिलाफ मुकाबले को लेकर उन्होंने कहा, वानखेड़े की पिच देश की बेहतरीन बल्लेबाजी पिचों में से एक है। हमें एक और रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है और हम इसके लिए तैयार हैं।

बिली जीन किंग कप को लेकर उत्साहित हैं अंकिता रैना, बोलीं- भारतीय टीम का नेतृत्व करना सम्मान की बात

एजेंसी

पुणे। भारतीय महिला टेनिस टीम आगामी बिली जीन किंग कप 2025 एशिया-ओशिनिया ग्रुप एक मैचों के लिए कमर कस रही हैं और इसका नेतृत्व बेहद अनुभवी अंकिता रैना करेंगी। भारत के साथ-साथ चीनी ताइपे, हांगकांग चाइना, कोरिया गणराज्य, न्यूजीलैंड और थाईलैंड की टीमें पुणे में बिली जीन किंग कप 2025 एशिया-ओशिनिया ग्रुप एक में भाग लेंगी। मार्च के अंत तक सिंगल्स में दुनिया में 300वें स्थान पर रहने वाली अंकिता ने घर पर बिली जीन किंग कप 2025 एशिया-ओशिनिया ग्रुप 1 मैच खेलने को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने एक बयान में कहा कि बिली जीन किंग कप 2025 एशिया-ओशिनिया ग्रुप 1 खेल पुणे में हो रहे हैं और भारतीय टीम का नेतृत्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं 10 साल से ज्यादा समय से भारतीय टीम का हिस्सा रही हूं। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना हमेशा से मेरा सपना रहा है और मैं इसे हासिल करके खुद को धन्य महसूस करती हूं। अंकिता ने आगे कहा, युवा खिलाड़ी शीर्ष 300 रैंक वाले खिलाड़ियों को एक्शन में देखने के लिए आ सकते हैं। भारतीय टीम की ओर से हम इस प्रतिष्ठित आयोजन को भारत में लाने के लिए महाराष्ट्र राज्य लॉन टेनिस संघ को बधाई देना चाहेंगे। यहां जितने ज्यादा उच्च-गुणवत्ता वाले अंतरराष्ट्रीय टेनिस खिलाड़ी आएंगे, यह खेल के लिए उतना ही बेहतर होगा। अंकिता पांच सदस्यीय टीम का हिस्सा हैं। भारतीय टीम में सहजा यमलापल्ली, श्रीवल्ली भामिदिपति, वैदेही चौधरी और प्रार्थना थोम्बरे शामिल हैं, जबकि

किशोर सनसनी माया राजेश्वरन को रिजर्व खिलाड़ी के रूप में नामित किया गया है। अंकिता ने कहा कि अपने देश का प्रतिनिधित्व करते समय हर कोई खेल के मैदान पर हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देता है। जब आप टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम के साथ यात्रा करते हैं तो यह पूरी तरह से अलग अनुभव होता है और मुझे विश्वास है कि यह हमें एक टीम के रूप में बेहतर काम करने में मदद करेगा। उच्च दबाव वाले मैचों में खुद को शांत रखने को लेकर उन्होंने कहा, जब मैं 18 या 20 साल की थी, तब मुझे मेडिटेशन से परिचित कराया गया था और इसने निश्चित रूप से जूनियर स्तर से सीनियर स्तर पर जाने में मदद की, क्योंकि तब आपको कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। आप अधिक अनुभवी खिलाड़ियों के खिलाफ खेल रहे होते हैं और कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे होते हैं और यह भी सीख रहे होते हैं कि मैच के महत्वपूर्ण क्षणों में क्या किया जा सकता है। इसलिए, मुझे लगता है कि ध्यान ने मुझे शांत रहने में मदद की है।

आने वाले सप्ताह में पुणे में भारत का सामना करने वाले प्रतिद्वंद्वी के बारे में बात करते हुए अंकिता ने बताया कि किसी को भी हल्के में नहीं लिया जा सकता है। उन्होंने कहा, यहां आने वाले सभी खिलाड़ी बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं और कोई भी हमें आसान खेल नहीं देगा।

कैसे

रश्मिका मंदाना

ने नेशनल क्रश से लेकर पैन-इंडिया स्टार तक पूरे देश में जीता दिल

विरासत से भरी दुनिया में, रश्मिका मंदाना ने कड़ी मेहनत, समर्पण और अपार प्रतिभा के साथ अपना रास्ता बनाया है, और भारत की सबसे पसंदीदा सितारों में से एक बन गई हैं। उनका स्टारडम सीमाओं को पार करता है, पूरे देश में हर घर तक पहुंचता है और अकल्पनीय ऊंचाइयों को छूता है। कूर्ग की एक छोटे शहर की लड़की से, जिसका कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं था, लेकिन बड़े सपने थे, वह सबसे अधिक मांग वाली अभिनेत्रियों में से एक बन गई है। अभिनेत्री आज अपने करियर में बड़ी उपलब्धियों के साथ एक साल और बड़ी हो गई है और आने वाले समय में और भी बहुत कुछ हासिल करने वाली है। जैसा कि वह जीवन का एक और वर्ष मनाती है, आइए उसकी अविश्वसनीय और प्रेरक यात्रा पर एक नज़र डालें !रश्मिका मंदाना ने 2016 में कन्नड़ फिल्म किरिक पार्टी से फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा, जो एक बड़ी हिट साबित हुई। उनकी आकर्षक ऑन-स्क्रीन उपस्थिति, स्वाभाविक अभिनय कौशल और निर्विवाद आकर्षण ने दक्षिण भारतीय सिनेमा के दर्शकों और फिल्म निर्माताओं का दिल जीत लिया। उन्होंने तेलुगु और कन्नड़ दोनों उद्योगों में सहजता से कदम रखा और लगातार दो ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं। गीता गोविंदम और डियर कॉमरेड जैसी प्रतिष्ठित फिल्मों के साथ, उन्होंने दक्षिण भारतीय सिनेमा में एक भरोसेमंद सुपरस्टार और एक प्रमुख अभिनेत्री के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की हालांकि, रश्मिका को सबसे बड़ी सफलता पुष्पा: द राइज़ से मिली, जिसमें उन्होंने अल्लू अर्जुन के साथ प्रतिष्ठित श्रीवल्ली की भूमिका निभाई। यह फिल्म एक बड़ी अखिल भारतीय ब्लॉकबस्टर बन गई, जिसने उन्हें देश भर में प्रसिद्धि दिलाई। उनके अभिनय की व्यापक रूप से सराहना की गई, लेकिन यह उनका विद्युतीय गीत सामी सामी था जो एक वायरल सनसनी बन गया, जिसने उन्हें एक सच्चे राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में स्थापित किया। अपने सहज आकर्षण और भाषाई और क्षेत्रीय बाधाओं से परे दर्शकों से जुड़ने की क्षमता के साथ, वह सबसे अधिक मांग वाले सितारों में से एक बन गई।

रश्मिका मंदाना ने अमिताभ बच्चन के साथ गुडबाय में अपनी शुरुआत के साथ बॉलीवुड में अपनी जगह बनाई, जो उनके हिंदी फिल्मी सफर की शुरुआत थी। बाद में उन्होंने ब्लॉकबस्टर एनिमल में अभिनय किया, जिसमें उनकी अविश्वसनीय बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और उनके प्रशंसक आधार का और विस्तार किया। उनकी संक्रामक ऊर्जा, विनम्रता और सापेक्षता ने उन्हें आज सबसे अधिक पसंद की जाने वाली हस्तियों में से एक बना दिया है। हाल ही में, उन्होंने छावा में दर्शकों को प्रभावित किया, जहाँ उन्होंने एक भयंकर मराठा रानी का किरदार निभाया, और सिकंदर में सलमान खान के साथ भी अभिनय किया। चाहे हिंदी हो, तेलुगु, कन्नड़ या तमिल सिनेमा, उन्होंने हर जगह दर्शकों को प्रभावित किया है। उनके बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया फैनडम उनकी अपार लोकप्रियता को दर्शाता है, क्योंकि वह प्रशंसकों के साथ खुलकर बातचीत और सशक्त संदेशों के माध्यम से जुड़ती हैं।

टीवी एक्ट्रेस की इस फिल्म ने भारत में की सबसे ज्यादा कमाई, 52 की उम्र में हैं कुंवारी, एक बच्चे की हैं मां

बॉलीवुड में हर साल ढेरों फिल्मे आती हैं. कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कहर बरपा देती है तो कुछ फिल्में फ्लॉप हो जाती है. अक्सर ही कुछ ऐसी कहानियां भी आती हैं जो फैंस का दिल छू लेती हैं. ऐसी ही एक फिल्म साल 2016 में भी आई थी जो न केवल बॉलीवुड बल्कि भारत की सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्म बनी थी. आज भी वो फिल्म नंबर 1 बनी हुई है.

खास बात ये है कि इस फिल्म में लीड रोल निभाने वाले एक्टर की पत्नी का किरदार एक टीवी एक्ट्रेस ने निभाया था. अगर इतना कुछ बताने के बाद भी आप नहीं समझ पाए हैं कि वो फिल्म कौन सी थी तो हम आपको बता देते हैं. हम फिल्म 'दंगल' की बात कर रहे हैं. 'दंगल' में लीड रोल आमिर खान ने निभाया था. वो पहलवान महावीर सिंह फोगाट के किरदार में थे. जबकि उनकी पत्नी दया शोभा कौर का किरदार साक्षी तंवर ने निभाया था.

52 साल की उम्र में भी कुंवारी हैं साक्षी

साक्षी तंवर टीवी इंडस्ट्री का एक बड़ा नाम है. साक्षी का जन्म 12 जनवरी 1973 को राजस्थान के अलवर में हुआ था. उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 2001 में आए सीरियल 'करम' से की थी. लेकिन उन्हें 'कहानी घर घर की' और 'बड़े अच्छे लगते हैं' जैसे पॉपुलर टीवी शोज से पहचान मिली थी. इसके बाद उन्होंने फिल्मी दुनिया का रुख भी किया. अपनी प्रोफेशनल लाइफ में काफी कुछ हासिल कर चुकीं साक्षी पर्सनल लाइफ में अकेली रह गईं. 52 साल की उम्र पार करने के बावजूद उन्होंने शादी नहीं की.

बिन ब्याही मां बन चुकी हैं साक्षी

साक्षी तंवर ने चाहे शादी नहीं की हो लेकिन फिर भी वो मां बन चुकी हैं. दरअसल एक्ट्रेस ने अपने अकेलेपन को भरने के लिए बेटी दित्या तंवर को साल 2018 में गोद लिया था. उस समय दित्या करीब नौ महीने की थी. अब एक्ट्रेस की बेटी करीब सात साल की हो चुकी हैं. साक्षी 45 साल की उम्र में बिन ब्याही मां बनी थीं.

दंगल ने कमाए थे 2000 करोड़ से ज्यादा

'दंगल' ने न सिर्फ भारत में धूम मचाई थी, बल्कि दुनियाभर में इस फिल्म ने सुर्खियां बटोरी थी. नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बनी 'दंगल' का हिस्सा फातिमा सना शेख, सुहानी भटनागर, जायरा वसीम और सान्या मल्होत्रा भी थीं. 2074 करोड़ रुपये के वर्ल्डवाइड कलेक्शन के साथ दंगल भारत की सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्म है.

92 अवॉर्ड जीते, वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया, फिर भी शाहरुख-अमिताभ की फिल्म से पीछे रह गए ऋतिक

सुपरस्टार ऋतिक रोशन ने अपने फिल्मी करियर का आगाज साल 2000 में किया था. ऋतिक रोशन ने अपने पिता राकेश रोशन के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'कहो ना प्यार है' से बॉलीवुड में कदम रखा था और ऋतिक पहली ही फिल्म से दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब हो गए थे. इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा.ऋतिक रोशन ने पहली फिल्म के जरिए ऐसा जादू चलाया जिसकी आज भी खूब चर्चा होती है. 'कहो ना प्यार है' काफी सफल हुई थी. इस फिल्म ने 92 अवॉर्ड जीते थे और इसके लिए इसे 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में जगह मिली थी. लेकिन इस फिल्म को कमाई के मामले में उसी साल रिलीज हुई अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान की फिल्म 'मोहब्बतें' ने पटखनी दी थी. 92 अवॉर्ड जीतने के बावजूद ऋतिक की फिल्म अमिताभ बच्चन की पिक्चर से कलेक्शन के मामले में मात खा गई थी.

'कहो ना प्यार है' ने कमाए थे 80 करोड़

'कहो ना प्यार है' 14 जनवरी 2000 को रिलीज हुई थी. इसने इस साल जनवरी में अपने 25 साल पूरे कर लिए हैं. इसमें ऋतिक के अपोजिट अहम रोल में अमीषा पटेल नजर आई थीं. ये ऋतिक के साथ ही अमीषा की भी डेब्यू फिल्म थी. दोनों कलाकारों ने बॉलीवुड में हिट डेब्यू किया था. फिल्म की कहानी के साथ ही इसके गानों ने भी फैंस को दीवाना बना लिया था. 10 करोड़ में बनी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कहर बरपा दिया था. कहो ना प्यार है का वर्ल्डवाइड कलेक्शन करीब 80 करोड़ रुपये हुआ था. ये उस साल की दूसरी सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्म बनी थी.

'मोहब्बतें' हुई ब्लॉकबस्टर

साल 2000 में ही 'मोहब्बतें भी रिलीज हुई थी. इसमें अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान के अलावा ऐश्वर्या राय ने भी लीड रोल प्ले किया था.

इन तीनों दिग्गजों के अलावा फिल्म में जिमी शेरगिल, प्रीती झंगियानी, शमिता शेट्टी, जुगल हंसराज और किम शर्मा जैसे सितारों ने भी काम किया था. मोहब्बतें का डायरेक्शन आदित्य चोपड़ा ने किया था. फिल्म 13 से 19 करोड़ रुपये के बजट में तैयार हुई थी. वहीं इसने दुनियाभर में 90 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी और ये मल्टीस्टार फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही. मोहब्बतें साल 2000 की सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्म भी बनी.

जूता चुराई की रसम में क्यों आया था

कैटरीना कैफ

को गुस्सा? विक्की कौशल ने शेयर किया शादी का मजेदार किस्सा

2021 में एक शादी काफी चर्चा में थी और वो विक्की कौशल-कैटरीना कैफ की शादी थी. इस शादी के बारे में किसी को लास्ट मोमेंट तक भनक नहीं लगी, सिर्फ अफवाहें थीं कि उनका अफेयर चल रहा है लेकिन जब शादी की तैयारियां शुरू हुईं तो लोगों ने कयास लगाए और फिर 9 दिसंबर 2021 को विक्की-कैटरीना ने शादी कर ली.

इस शादी में जूता चुराई रसम के दौरान कैटरीना कैफ को गुस्सा आ गया था लेकिन इसकी वजह क्या थी?

फिल्म गोविंदा आला रे (2022) के प्रमोशन के लिए विक्की कौशल-कियारा आडवाणी के साथ 'द कपिल शर्मा शो' में पहुंचे थे. इस दौरान जब कपिल शर्मा ने जूता चुराई रसम के बारे में विक्की से पूछा तो एक्टर ने एक मजेदार किस्सा सुनाया, आइए जानते हैं वो क्या था?

विक्की कौशल और कैटरीना कैफ की शादी

शो में कपिल शर्मा ने पूछा, 'विक्की पाजी एक बात बताओ, कैटरीना की 6 बहने हैं. तो वो जूता चुराई वाली रसम होती है, बहुत महंगी पड़ी होगी आपको तो?' इसपर हंसते हुए विक्की कौशल ने जवाब दिया, 'पाजी मैं बताता हूं, उस दिन बहुत कमाल हो गया था.' कपिल शर्मा ने पूछा, 'वो सभी अंग्रेज हैं लेकिन उन्हें पता थी ये जूता चुराई वाली रसम?' इसपर विक्की ने कहा, 'हां-हां, उनको पता लगा तो उन्होंने कहा बाकी शादी का तो पता नहीं लेकिन ये वाली रसम तो उन्हें करनी है. लुधियाना से मेरे दो भाई आए थे और उन्होंने कहा टेंशन ना लो हम संभाल लेंगे सबकुछ. तो जैसे ही मंडप पर जा रहे थे, बहनें आ गईं और खींचना शुरू, दोनों भाई भी झगड़ने लगे, मैंने कहा दफा हो जाओ, जो लेना है ले लो और जाओ. 'विक्की ने आगे कहा, 'लेकर वो लोग चले गए और कहीं जाकर छुपा दिया. दोपहर के फेरे थे, फेरे जब खत्म हुए तो कैटरीना को सनसेट में कुछ फोटोशूट करवाना था. फेरे हो गए, सबसे मिल लिए और अब फोटो करना है. मैंने कहा कराओ, जूता है नहीं दूल्हे के पास, सन जा रहा है, और कैटरीना ने डांट लगाई उनको जूता कहां है इसका.

मैंने कहा हमको कहां पता, आपको पता, जूता तो आपकी बहनों के पास है. फिर कैटरीना ने ही उनकी परेड लगाई, जूता लेकर आओ इसका अभी के अभी. बहनें बोल रहीं ला रहे लेकिन पैसे, तो वो कहती है पैसे मुझे नहीं पता जूते लाओ सनसेट के पहले फोटो नहीं आई तो मैं देख लूंगी तुम सबको. फिर सब दौड़कर गईं, फ्री में आए जूते.'